डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 18.11.2024 से 24.11.2024 ▶ वर्ष 41 ▶ अंक 47 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

अवैध खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिये 41 ई-चेकगेट की होगी स्थापना

भोपाल, प्रदेश में अवैध परिवहन रोकने के लिये एआई आधारित 41 ई-चेकगेट की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इन ई-चेकगेटों पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी लीडर, ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों की जांच की जायेगी। परियोजना में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण मार्ग के 4 स्थानों पर ई-चेकगेट पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमॉण्ड एवं कंट्रोल सेंटर और जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमॉण्ड सेंटर स्थापित किये गये हैं। माह दिसम्बर 2024 तक सभी 41 ई-चेकगेट की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अवैध खनन की रोकथाम के लिये उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना भी प्रारंभ की है।

विजन डॉक्यूमेंट @ 2047 होगा विकसित मध्यप्रदेश का आधार - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मंत्रिपरिषद के साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि विजन डॉक्यूमेंट @2047 विकसित मध्यप्रदेश का आधार होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से 'विकसित मध्यप्रदेश @ 2047 विज़न डॉक्यूमेंट' तैयार किया जा रहा है। पिछले सप्ताह इस संबंध में नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने राज्य के प्रमुख अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की थी। मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभागों में विजन डॉक्यूमेंट की तैयारी की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में डॉक्यूमेंट का प्रारूप मंत्रि परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

बुधनी और विजयपुर विधानसभा में हुआ 77% से अधिक मतदान

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुखवीर सिंह ने बताया कि विधानसभा उप निर्वाचन-2024 के तहत प्रदेश के दोनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान हुआ। सीईओ श्री सिंह ने बताया कि दोनों विधानसभा क्षेत्रों में 77.63 प्रतिशत औसत मतदान हुआ है। उन्होंने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्र.-2 विजयपुर में 77.85 प्रतिशत एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्र.-156 बुधनी में 77.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि सम्पूर्ण मतदान अवधि के दौरान जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर वेब-कास्टिंग के जरिए लगातार मॉनिटरिंग की गई।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

महाकवि कालिदास की कृतियां मानव तथा प्रकृति के संबंधों का उदाहरण

उज्जैन, महाकवि कालिदास पर केंद्रित अखिल भारतीय कालिदास समारोह का आयोजन उज्जैन में हुआ। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा है कि अद्भुत प्रतिभा के धनी महाकवि कालिदास की अमर कृतियां मानव तथा प्रकृति के अटूट संबंधों का अनुपम उदाहरण हैं। महाकवि की रचनाएं देश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महाकवि कालिदास की रचनाएं हमारे जीवन मूल्यों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास की अमर कृतियां मानवीय भावों को अद्भुत रूप से प्रदर्शित करती हैं और मानवीय मूल्य के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत हैं। महाकवि कालिदास की रचनाओं में मानव तथा प्रकृति के बीच अद्भुत एवं अटूट संबंध देखने को मिलता है। महाकवि कालिदास ने अपनी रचनाओं में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है जो सदैव प्रासंगिक है। मेघदूतम जैसी उनकी कालजयी रचनाओं से प्रेरणा लेकर हमें अपनी पृथ्वी को बचाना होगा। पर्यावरण-संरक्षण, जलवायु-संरक्षण की दिशा में गंभीरता से प्रयास करने होंगे, क्योंकि रहने के लिए कोई दूसरी पृथ्वी उपलब्ध नहीं है।

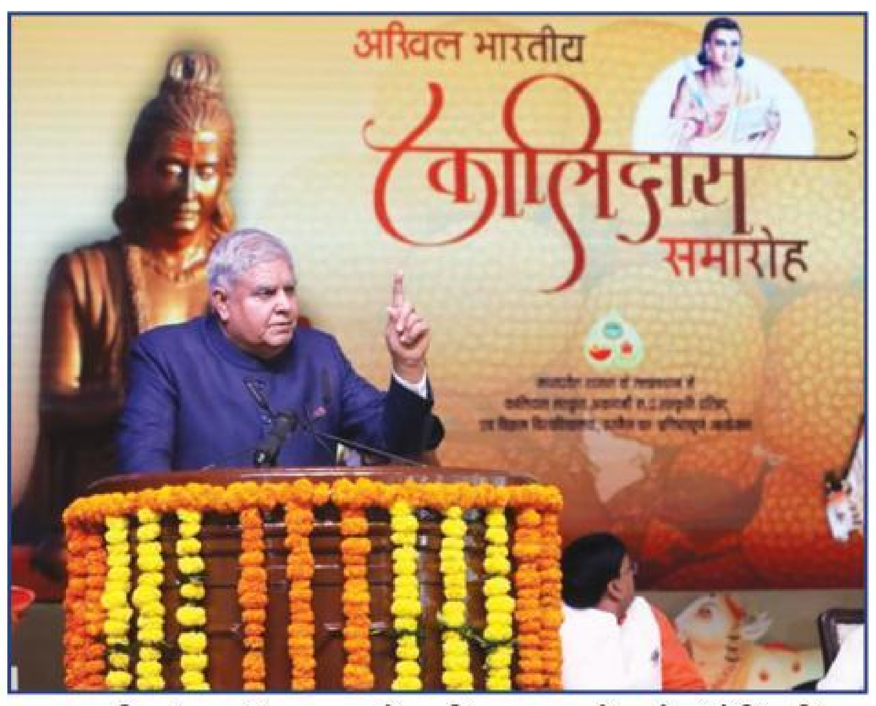

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कालिदास समारोह को संबोधित किया

विश्व पटल पर ले जाने का प्रयास

कार्यक्रम में अखिल भारतीय कालिदास सम्मान से अलंकृत होने वाली प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि इन प्रतिभाशाली व्यक्तियों के द्वारा हमारी संस्कृति के श्रेष्ठ तत्वों को सहेजने के साथ प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। उप राष्ट्रपति ने अवंतिका नगरी के पौराणिक, आध्यात्मिक, धार्मिक महत्व पर कहा कि उज्जैन में भगवान श्री कृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि इस समारोह के माध्यम से महाकवि कालिदास की महान रचनाओं तथा सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महाकवि कालिदास और विक्रमादित्य की उज्जयिनी नगरी का प्रत्येक काल एवं युग में सदैव अस्तित्व रहा है। कई जन्मों के पुण्य, फलों के बाद हमें यह गौरव मिला है।

इतिहास के एक बड़े अन्याय को दूर करने का ईमानदार प्रयास है जनजातीय गौरव दिवस - प्रधानमंत्री श्री मोदी

शहडोल, जनजातीय गौरव दिवस इतिहास के एक बहुत बड़े अन्याय को दूर करने का एक ईमानदार प्रयास है। आजादी के बाद जनजातीय वर्ग के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया, जिसके वे हकदार थे। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती पर शहडोल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान बनाया। भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिये सैकड़ो वर्षों की लड़ाई का नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में जनजातीय वर्ग के अनमोल योगदान को मिटाने की कोशिश की गई। इसके पीछे स्वार्थ भरी राजनीति थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के समग्र कल्याण के लिये अनेक योजनाएँ संचालित कर उनके आर्थिक और सामाजिक विकास का कार्य किया जा रहा है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए।

6 हजार करोड़ से अधिक की सौगात

राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश की 6 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें जनजातीय वर्ग के बच्चों के भविष्य को संवारने वाले स्कूल और हॉस्टल, जनजातीय वर्ग की महिलाओं के लिये स्वास्थ्य सुविधा, जनजातीय क्षेत्रों को जोड़ने वाली सैकड़ों किलोमीटर की सड़कें, जनजातीय वर्ग की संस्कृति को समर्पित संग्रहालय एवं जनजातीय वर्ग के डेढ़ लाख परिवारों को पक्के घर के स्वीकृति पत्र वितरित किये गये हैं। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के छिन्दवाड़ा के श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर के राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का वर्चुअली लोकार्पण किया।

जनजातीय कल्याण के लिये किये कार्य

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्पूर्ण देश में जनजातीय कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

जल, जंगल और जमीन मूल अधिकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल, जंगल और जमीन का अधिकार जनजातीय समाज का मूल अधिकार है। इसे अंग्रेज उनसे छीनना चाहते थे। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के अत्याचार, अनाचार के खिलाफ जनजातीय समाज को खड़ा किया और अंग्रेजों के खिलाफ दो स्तरों पर लड़ाई लड़ी। एक ओर उन्होंने जनजातीय समाज के मूल अधिकार की रक्षा की और दूसरी ओर ईसाई मिशनरियों द्वारा हमारे धर्म के साथ छेड़छाड़ कर हमारे जनजातीय भाइयों को ईसाई बनाने के कुत्सित प्रयासों को ध्वस्त किया।

- **229.66 करोड़ रुपये की लागत के 76 विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन एवं लोकार्पण।**
- **68.15 करोड़ रुपये की लागत के 33 विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण।**
- **161.51 करोड़ रुपये की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन।**
- **शहडोल में बनेगा स्थाई हेलीपेड।**

सिंहस्थ महाकुंभ-2028

सुव्यवस्थित यातायात और सुरक्षा के हों इंतजाम

भोपाल, उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के शांति एवं गरिमापूर्ण आयोजन के लिए पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ वृहद बैठक कर कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में विशेष रूप से श्री सरबजीत सिंह सेवानिवृत्त विशेष पुलिस महानिदेशक जो सिंहस्थ-2004 में आईजी उज्जैन तथा सिंहस्थ 2016 में विशेष पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस के पद पर रहे तथा श्री उपेन्द्र जैन विशेष पुलिस महानिदेशक जो सिंहस्थ-2004 में उज्जैन एसपी रहे और श्री मनोहर वर्मा सेवानिवृत्त आईपीएस जो सिंहस्थ-2016 में एसपी उज्जैन रहे, ने अपने अनुभव साझा किए।

करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों का आगमन

डीजीपी ने कहा कि उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ महाकुंभ-2028 विश्व का सबसे वृहद धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन होगा। करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों का आगमन इस दौरान होगा। अतः सुव्यवस्थित यातायात और सुरक्षा के इंतजाम भी इसके अनुकूल हों। उन्होंने कहा कि क्राउड कंट्रोल और क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम बहुत ही सुदृढ़ होना चाहिए। क्राइम कंट्रोल, एंटी नेशनल एलिमेंट कंट्रोल तथा टेररिस्ट गतिविधियों पर सजग निगाहें रखना जरूरी है।

सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम

इस बार सिंहस्थ में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। मेले की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, और फेस रिकग्निशन तकनीक का उपयोग किया जाए। साथ ही, मेला क्षेत्र में मोबाइल पुलिस चौकियां स्थापित की जाएं। पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे पुलिस गश्त रहेगी।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को स्कॉच ऑफ मेरिट में सेमी-फाइनलिस्ट सम्मान

भोपाल, एमएसएमई विभाग की युवाओं को स्वरोज़गार से जोड़ने वाली मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को प्रतिष्ठित स्कॉच ऑफ मेरिट में सेमी-फाइनलिस्ट के रूप में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान मध्यप्रदेश में एमएसएमई को सशक्त बनाने, उद्यमिता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने तथा पारदर्शिता के क्षेत्र में प्रदान किया गया है। योजना के तहत 16 हजार 331 युवाओं को 1056 करोड़ 42 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्वरोज़गार से जोड़ने के लिये बैंक के माध्यम से रियायती ब्याज दर पर कोलेटरल मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की गई है।

9 नवम्बर

आईआईटी में प्रवेश नहीं लेने वाले जेईई एडवांस्ड देने से होंगे वंचित

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

संस्थान (एनआईटी) जैसे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए कराए जाने वाले जेईई एडवांस्ड में उन अभ्यर्थियों को मौका नहीं मिलेगा, जिन्होंने पहले किसी आईआईटी में सीट आवंटन के बाद भी शिक्षा ग्रहण नहीं की। इस वर्ष के जेईई मेन और एडवांस्ड कराने वाले आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल ने बताया कि जिन छात्रों ने किसी आईआईटी में सत्र 2024 में प्रिपेरटरी कोर्स में दाखिला लिया है, उन्हें जेईई एडवांस्ड में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विषयों के ओलंपियाड में रैंक पाने वाले विद्यार्थियों को सीधे प्रवेश का मौका मिलेगा।

● एक अप्रैल 2025 से जीएसटी करदाता व्यापारियों को मैन्युअल बिल जारी करने के 30 दिन के अंदर ई-इनवॉइस जारी करना अनिवार्य होगा। यह नियम 10 करोड़ रुपये से ऊपर वार्षिक टर्नओवर वाले व्यापारियों पर लागू होगा। उल्लेखनीय है कि अभी तक यह बाध्यता उन व्यापारियों पर थी, जिनका टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से ऊपर था।

10 नवम्बर

यूजीसी नेट में नया विषय 'आयुर्वेद जीव विज्ञान' हुआ शामिल

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दिसंबर 2024 से शुरू होने वाली

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC - NET

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में 'आयुर्वेद जीव विज्ञान' को एक नए विषय के रूप में शामिल किया है। यूजीसी की 581वीं बैठक के दौरान इस निर्णय को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही आयुर्वेद जीव विज्ञान दिसंबर 2024 से शुरू होने वाली परीक्षा के पाठ्यक्रम का हिस्सा बन जाएगा, जिससे आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध का दायरा बढ़ेगा। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार के अनुसार 'आयुर्वेद जीव विज्ञान' विषय में छात्रों को आयुर्वेद का प्राचीन विज्ञान जानने का मौका मिलेगा।

● लेबनान की राजधानी बेरूत के बाहरी इलाके और दूरस्थ अल्माट इलाके में इजरायल द्वारा किए गए हवाई हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए। एक अन्य इजरायली हमले में माशघारा में तीन लोग मारे गए। जबकि उत्तरी गाजा में बेघर लोगों के ठिकाने पर हमला कर इजरायली सेना ने 36 लोगों को मार डाला। उत्तरी गाजा में बेघर लोगों पर यह हमला तब हुआ जब वे एक घर में शरण लिए हुए थे। गाजा शहर में एक अन्य हमले में इजरायल ने गाजा की हमास सरकार में मंत्री वाएल अल-खोर के आवास को निशाना बनाया। इस हमले में वाएल, उनकी पत्नी और तीन बच्चे मारे गए। विश्व में भुखमरी से बचाव के लिए कार्य करने वाली संस्था विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफओ) ने उत्तरी गाजा में लोगों के भूख से मरने की चेतावनी दी है। डब्ल्यूएफओ ने कहा कि गाजा में इजरायली सेना से घिरे कई इलाकों में खाद्य सामग्री नहीं पहुंच पा रही है, इसलिए वहां पर लोगों के मरने का खतरा है। लेकिन इजरायल ने ऐसे खतरे से इनकार किया है।

11 नवम्बर

स्वच्छता अभियान के तहत केन्द्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 650 करोड़

● केंद्र सरकार ने अक्टूबर में चले स्वच्छता अभियान के तहत निकले कबाड़ को बेचकर

स्वच्छता अभियान

650 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशा-निर्देशों से प्रोत्साहित होकर वर्ष 2021-24 के बीच चलाए गए विशेष स्वच्छता अभियान के तहत 2,364 करोड़ रुपये की आय कबाड़ को बेचकर प्राप्त हुई है। इससे अधिकारियों के लिए ऑफिस स्पेस फ्री हुआ है और दक्षतापूर्ण कार्य करने में भी मदद मिलेगी। 5.97 लाख से अधिक साइटों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और इसके परिणामस्वरूप प्रभावी कार्यालय उपयोग के लिए 190 लाख वर्ग फुट जगह खाली हुई है। यह अभियान 31 अक्टूबर को समाप्त हो गया।

● फ्रांस भारत से 'पिनाका' मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम खरीदने पर विचार कर रहा है। 'पिनाका' को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। 'पिनाका' रॉकेट सिस्टम का नाम भगवान शिव के धनुष के नाम पर रखा गया है। फ्रांसीसी सेना के ब्रिगेडियर जनरल स्टीफन रिची ने कहा कि हम 'पिनाका' मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का मूल्यांकन कर रहे हैं, क्योंकि हमें 'पिनाका' जैसे सिस्टम की जरूरत है। वरिष्ठ फ्रांसीसी अधिकारी दोनों पक्षों के बीच वार्ता के लिए भारत में हैं। फ्रांसीसी अधिकारी ने कहा कि दोनों देश उच्च तकनीक साझा कर रहे हैं, जिसके तहत वे मिलकर 'स्कॉर्पीन' जैसी उच्च क्षमता वाली पनडुब्बियां बना रहे हैं। 'पिनाका' रॉकेट सिस्टम 75 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तक लक्ष्य को भेद सकता है। भारत पहले से ही इसका निर्यात कर रहा है। आर्मेनिया ने इसके लिए ऑर्डर दिया है। कई अन्य देश भी इसमें रुचि दिखा रहे हैं।

12 नवम्बर

यूपीएससी ईएसई के लिए 22 नवम्बर तक कर सकेंगे आवेदन

● यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने इंजीनियरिंग सर्विसेज एग्जामिनेशन (ईएसई) का शेड्यूल जारी

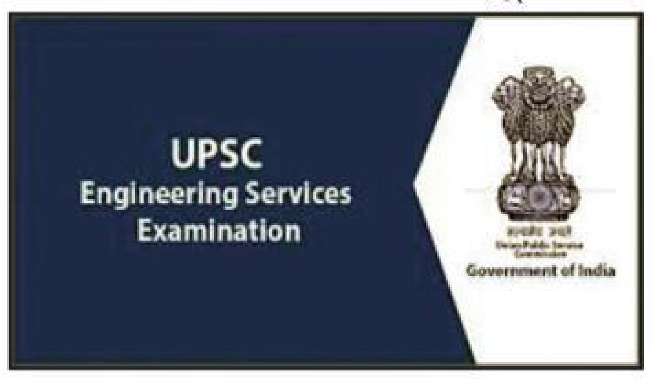

कर दिया है। प्रीलिम्स के लिए रजिस्ट्रेशन 22 नवंबर, 2024 तक होंगे। प्रीलिम्स आठ जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। प्रीलिम्स पास करने वालों को 10 अगस्त, 2025 में होने वाले मेंस में बैठने का अवसर मिलेगा। प्रीलिम्स के दो पेपर आयोजित किए जाएंगे। पहला पेपर जनरल स्टडीज और इंजीनियरिंग एप्टीट्यूड का होगा। दूसरा पेपर संबंधित विषय का होगा। पहले पेपर के कुल अंक 200 और दूसरे पेपर के 300 अंक रहेंगे।

● वित्त वर्ष 2023-24 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में योगदान देने वाले सदस्यों की संख्या 7.6 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के बाद 7.37 करोड़ हो गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में यह संख्या 6.85 करोड़ थी। योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 6.6 प्रतिशत (7.18 लाख से 7.66 लाख) की वृद्धि हुई। इसके साथ पिछले वर्ष की तुलना में बकाया राशि की वसूली में 55.4 प्रतिशत की वृद्धि (3,390 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,268 करोड़ रुपये) देखी गयी।

13 नवम्बर

सीआईएसएफ की पहली महिला रिजर्व बटालियन को मिली मंजूरी

● केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में महिला सैनिकों की

भागीदारी बढ़ेगी। केंद्र सरकार ने 1000 से अधिक कर्मियों वाली पहली पूर्ण महिला रिजर्व बटालियन तैयार करने को मंजूरी दे दी। यह फैसला एयरपोर्ट और अन्य अहम संस्थानों में सीआईएसएफ जवानों की ड्यूटी की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अफसरों के अनुसार रिजर्व बटालियन को पहले से स्वीकृत दो लाख कर्मियों के बल से तैयार किया जाएगा। रिजर्व बटालियन में 1025 महिला जवान होंगी। जबकि इसका नेतृत्व वरिष्ठ कमांडेंट स्तर का अधिकारी करेगा। इसे लेकर इसी सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकृति आदेश जारी किया है।

● इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने सीए फाउंडेशन, इंटरमीडिएट 2025 जनवरी परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। सीए फाउंडेशन, इंटरमीडिएट 2025 जनवरी के लिए रजिस्ट्रेशन 23 नवंबर, 2025 तक होंगे। इसके तहत ग्रुप 1 के लिए सीए इंटर 2025 परीक्षाएं 11, 13 और 15 जनवरी को आयोजित होंगी। इसके बाद ग्रुप 2 की परीक्षाएं 17, 19 और 21 जनवरी को आयोजित होंगी। सीए फाउंडेशन 2025 की परीक्षाएं 12, 14, 16 और 18 जनवरी को आयोजित की जाएंगी।

14 नवम्बर

भारत ने किया एलआरएलएसीएम क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर

स्थित चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल 'एलआरएलएसीएम' का सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल अपने सभी मापदंडों पर खरी उतरी और अपने लक्ष्य को सटीक तरह से ध्वस्त करने में सफल रही। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के परीक्षण पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एलआरएलएसीएम के सफल परीक्षण से भविष्य में स्वदेशी क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 'एलआरएलएसीएम' का विकास एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट बेंगलुरु ने किया है, जिसमें अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों का योगदान शामिल है। भारत डायनामिक्स लिमिटेड, हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु इस मिसाइल के विकास और एकीकृत उत्पादन में शामिल हैं।

● स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी और केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने ऐसी एंटीबॉडी विकसित की जिससे कई तरह के कैंसर का इलाज संभव है। एंटीबॉडी में तीन तरह की कार्यक्षमताएं विकसित की गईं। ये कैंसर ट्यूमर को रोकने में मददगार टी कोशिकाओं में वृद्धि करती हैं। एंटीबॉडी दवा को लक्षित स्थान तक डिलीवर करती है। साथ ही व्यक्तिगत इम्यूनोथेरेपी उपचारों के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली (3-1 डिजाइन) को सक्रिय करती है। उल्लेखनीय है कि शोधकर्ताओं ने बताया कि इस दवा को बड़े पैमाने पर बनाना आसान है। इसे ट्यूमर के अनुरूप तैयार किया जा सकता है।

15 नवम्बर

कोचिंग संस्थान अब नहीं कर पाएंगे 100 प्रतिशत कामयाबी का फर्जी दावा

● केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर मिली शिकायतों

के बाद केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिशा-निर्देश का मसौदा तैयार किया। अब कोचिंग संस्थान शत-प्रतिशत चयन या नौकरी की पूरी गारंटी जैसे झूठे दावे नहीं कर सकेंगे। नए दिशा- निर्देशों के तहत, कोचिंग संस्थानों को पाठ्यक्रमों, फीस संरचना, संकाय साख, चयन दर और नौकरी सुरक्षा के बारे में झूठे दावे करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, कोचिंग संस्थान चयन के बाद बिना लिखित सहमति के उम्मीदवारों के नाम या फोटो का उपयोग नहीं कर सकेंगे। उल्लंघन करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत जुर्माना लगाया जाएगा।

● द इंस्टीट्यूट्स ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने सीए फाउंडेशन सीरीज-1 और 2 के लिए मॉक टेस्ट का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह फिजिकल और वर्चुअल मोड पर आयोजित किए जाएंगे। जो छात्र फिजिकल मोड से मॉक टेस्ट देना चाहते हैं, वे संबंधित ब्रांच में संपर्क कर सकते हैं। सीरीज-1 के मॉक टेस्ट 20 दिसंबर से शुरू होकर 24 दिसंबर तक आयोजित होंगे। सीरीज-2 का आयोजन 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक होगा। सीए इंटरमीडिएट जनवरी 2025 के मॉक टेस्ट के लिए पेपर सीरीज-1 और 2 का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। इसके तहत सीरीज का आयोजन 18 नवंबर से 23 नवंबर तक होगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

SHRI JAIN SHWETAMBER PROFESSIONAL ACADEMY AFFILIATED TO DAVV
Airport Pithampur Road, Near Hinkargiri, Indore-453 112 (M.P.)
Mobile : 94259-55610, 94259-55620, e-mail : sjspa.principal@gmail.com
REQUIRES
■ **Assistant Professor / Associate Professor / Professor**
• Hindi - 2 • English - 2 • Political Science - 2
• Sociology - 2 • Commerce - 4 • Computer Science - 4
• Biotech - 2 • Chemistry - 2 • Social Science - 2
• History - 2 • Social Work - 2 • Education - 4
• Library Science - 1 • Maths - 2 • Physics - 2 • Yoga - 2
■ **Sports Officer - 1**
Salary & Qualification: As per UGC/NCTE norms.
Send application to the Principal within 10 days. - Principal
VIGILANCE
R-50262/2024

वर्ष 41, अंक 47 18.11.2024 से 24.11.2024
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in
● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा
वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

नागरिक सेवाओं की कानूनी गारंटी में मध्यप्रदेश को मिली देश में विशिष्ट पहचान

मध्यप्रदेश में नागरिक अधिकारों को सशक्त बनाने और सेवा प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए सुशासन की दिशा में प्रभावशाली निर्णय लिये गये हैं। प्रदेश में विगत 25 सितम्बर, 2010 से लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम प्रभावशील है। वर्तमान में इस अधिनियम के तहत 748 सेवाओं का लाभ नागरिकों को मिल रहा है। इन सेवाओं में लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से नागरिकों के लिए 342 सेवाएं ऑनलाइन प्रदाय की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुशासन के लिए संकल्पबद्ध मध्यप्रदेश सरकार ने प्रशासन को जनोन्मुखी बनाया है। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए समाधान एक दिन तत्काल सेवा, सीएम हेल्पलाइन 181 कॉल सेन्टर, महिला हेल्पलाइन, सीएम जन सेवा, दिव्यांग हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन सेवाओं ने उत्कृष्ट परिणाम दिये हैं। यही कारण है कि आज नागरिक सेवाओं की कानूनी गारंटी देने में मध्यप्रदेश को देश में विशिष्ट पहचान मिली है। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम अपनी तरह का पहला विशेष अधिनियम है, जो निर्धारित समय-सीमा में नागरिकों को सार्वजनिक सेवाओं के प्रदान की गारंटी देता है। वर्ष 2012 में अधिनियम को यूएनपीएसए पुरस्कार प्राप्त हुआ। लोक सेवाओं के वितरण में सुधार वर्ग में इस अधिनियम को संयुक्त राष्ट्र का वर्ष 2012 का लोक सेवा पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। मध्यप्रदेश में लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पृथक से लोक सेवा प्रबंधन विभाग का गठन किया गया। वर्ष 2013 में राज्य लोक सेवा अभिकरण की स्थापना की गई। राज्य लोक सेवा अभिकरण में लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के क्रियान्वयन के साथ-साथ लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना और संचालन, सीएम हेल्पलाइन कॉल सेंटर का संचालन और सीएम डैशबोर्ड का संचालन भी शामिल है।

लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से नगारिकों को एक समयावधि में सेवाएं प्रदाय करने के लिए सभी तहसीलों में 439 लोक सेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिनके माध्यम से विभिन्न विभागों की अधिसूचित सेवाएं नागरिकों को प्रदाय की जा रही हैं। अधिनियम के अंतर्गत विभाग की अधिसूचित सेवा 'जाति प्रमाण पत्र प्रदाय' अभियान के तहत लोकसेवा केन्द्रों द्वारा प्रदेश भर के स्कूली छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र प्रदान करने का अभियान सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अभियान में अब तक लगभग 1 करोड़ 40 लाख डिजिटल हस्ताक्षरित रंगीन प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। प्रदेश में लोकसेवा गारंटी अंतर्गत अधिसूचित समस्त सेवाओं में 10 करोड़ 62 लाख आवेदनों का अब तक निराकरण किया जा चुका है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 अंतर्गत सेवाओं की प्रदाय की गारंटी है। प्रत्येक सेवा को प्रदाय करने की एक समयावधि भी तय की गई है। इसमें समय पर सेवा नहीं देने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने का प्रावधान भी है। प्रतिदिन 250 रुपये से लेकर अधिकतम पांच हजार रुपये तक की जुर्माना राशि जमा करने का प्रावधान है।

नागरिकों को केवल एक दिन की समयावधि में सेवा उपलब्ध कराने की मंशा से मध्यप्रदेश शासन ने फरवरी 2018 में 'समाधान एक दिन तत्काल सेवा' व्यवस्था शुरू की। इस व्यवस्था में आवेदक द्वारा दोपहर पूर्व तक दिए गए आवेदन का निराकरण दोपहर पश्चात कर दिया जाता है। इस सेवा में डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र व्हाट्सएप, ई-मेल के माध्यम से भी आवेदकों को भेजे जा रहे हैं, जिससे आवेदक अपनी सुविधा अनुसार प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। समाधान एक दिन तत्काल सेवा व्यवस्था में अब तक दो करोड़ 63 लाख से अधिक आवेदन निराकृत किए गए हैं। समाधान एक दिन में दी जाने वाली 32 सेवाओं में आय प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, ट्रेड लाइसेंस, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों को डुप्लीकेट पात्रता पर्ची जारी चालू खसरा, बी-1 खतौनी चालू नक्शा, खसरा की प्रतिलिपि (खाते के समेत), अभिलेखागार प्रतिलिपि, राजस्व प्रकरण में आदेश की प्रतिलिपि, भू-अधिकार पुस्तिका का प्रथम बार प्रदाय, जिला स्तरीय रिकॉर्ड रूम से पारित आदेश और अंतरिम आदेश आदि की सत्यापित प्रतिलिपि इत्यादि कई सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

धरती का तापमान घटाने में सहायक सिद्ध होगी एयरोसोल तकनीक

जलवायु परिवर्तन आज के समय में सबसे बड़ा शोध का विषय भी है और चिंतन का भी। यह न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व के लिये एक गहन चिंता का विषय बना हुआ है। यही कारण है कि आज देश और विदेश के कई संस्थानों के शोधार्थी जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। खास बात यह है कि अब इस दिशा में कई स्टार्टअप्स ने भी कार्य आरंभ कर दिया है। सिलिकॉन वैली के स्टार्टअप मेक सनसेट्स ने जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में शोध कार्य आरंभ कर दिया है। इस स्टार्टअप को बिल गेट्स, ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और बिग टेक से सहयोग मिल रहा है। मेक सनसेट्स वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड की छोटी मात्रा छोड़ने के लिए गुब्बारों का इस्तेमाल कर रही है, ताकि सूर्य की ऊर्जा को पृथ्वी से दूर परावर्तित किया जा सके। संस्था के संस्थापक एंड्रयू सॉन्ग के अनुसार सल्फर डायऑक्साइड जीवाश्म ईंधन को जलाने से निकलने वाले कार्बन डाइऑक्साइड से होने वाली गर्मी को संतुलित करती है। फरवरी 2023 से अब तक 53 किलो सल्फर डायऑक्साइड रिलीज की जा चुकी है जो 25 लाख पेड़ लगाने के बराबर है। तकनीकी वैज्ञानिकों के अनुसार धरती का तापमान घटाने और नियंत्रण के लिये एयरोसोल तकनीक को प्रभावी माना जा रहा है। एडिनबरा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टुअर्ट हेजेलडाइन के अनुसार जब एक बार सौर रेडिएशन को परावर्तित करके ग्रह को ठंडा करते हैं, तो प्रभाव बनाए रखने के लिए हमेशा ऐसा करना होगा। ऑस्ट्रेलिया नेशनल यूनिवर्सिटी में शोधकर्ता एड्रियन हिंडेस के अनुसार सल्फर बैलून से खेती को नुकसान हो सकता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

देश में रोल मॉडल बना मध्यप्रदेश

नारी समृद्धि का अनुपम उदाहरण है शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण

महिला सशक्तिकरण के लिये देशभर में अग्रणी मध्यप्रदेश ने एक और बड़ा निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश में शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण होगा। यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में संपन्न कैबिनेट बैठक में लिया गया।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति के केन्द्र में समाज, समाज के केन्द्र में परिवार और परिवार के केन्द्र में नारी होती है। यदि नारी स्वस्थ है, समृद्ध है, प्रसन्न है, आत्मनिर्भर है तो परिवार और समाज दोनों समृद्ध होंगे। नारी की समृद्धि से ही देश की समृद्धि सुनिश्चित है। इसीलिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी योजनाओं में नारी सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नारी कल्याण की योजनाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना, हर घर शौचालय योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन योजना), बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, नारी सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई। इसी तरह मध्यप्रदेश सरकार ने भी पिछले बीस सालों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक क्रांतिकारी कदम उठाये और देश में अग्रणी प्रांत बना, मध्यप्रदेश को रोल मॉडल राज्य माना गया। नारी कल्याण में आग्रणी रहने की दिशा में अब मध्यप्रदेश सरकार ने शासकीय नौकरियों में महिलाओं के आरक्षण कोटे में दो प्रतिशत की वृद्धि की है। शासकीय नौकरियों में महिलाओं को अब तक 33 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इसमें दो प्रतिशत की वृद्धि करके महिला आरक्षण कोटा 35 प्रतिशत कर दिया है। दीपावली के बाद राज्य मंत्री मंडल की पहली कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सबसे पहला यही प्रस्ताव रखा। यह मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) तथा राज्य कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से होने वाली सभी नियुक्तियों में लागू होगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार का यह निर्णय एक बड़ा कदम है। राज्य प्रशासनिक सेवाओं में यह निर्णय लागू करने के लिये नियम 1997 में संशोधन किया गया है। इस प्रावधान का लाभ मध्यप्रदेश से बाहर के उम्मीदवारों को नहीं मिलेगा केवल मध्यप्रदेश की मूल निवासी महिलाएं ही इसका लाभ ले सकेंगी। मध्यप्रदेश से बाहर की महिलाएं सामान्य कोटे में अपनी प्रतिभा के अनुसार नियुक्ति पा सकती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद संभालते ही पिछली योजनाओं के निरंतर रहने और निर्णयों पर अमल करने की घोषणा की थी। चूंकि अभी तक सरकारी विभागों में भर्तियां नहीं हो रही थीं इसलिये कैबिनेट बैठक में यह निर्णय होने से पहले किसी भी अभ्यर्थी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समय की आवश्यकतानुसार एक-एक घोषणा के क्रियान्वयन का आदेश जारी कर रहे हैं और इसी के अनुरूप महिलाओं को आरक्षण में यह दो प्रतिशत वृद्धि का निर्णय लिया गया है। पिछले माह ही मध्यप्रदेश सरकार ने अपने विभिन्न विभागों में रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिये प्रक्रिया आरंभ की है। इन दिनों मध्यप्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त स्थानों की नियुक्तियों के लिये प्रक्रिया चल रही है।

राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय केंद्र सरकार ने लिया था। देश के विभिन्न प्रांतों में यह आरक्षण लागू है। इसके अतिरिक्त सरकारी नौकरी में महिलाओं को कुछ अतिरिक्त सुविधा भी है। इनमें तलाकशुदा और विधवा महिलाओं का भी कोटा निर्धारित है।

केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा नारी के सशक्तिकरण की ये योजनाएं समाज के सशक्तिकरण और समृद्ध भारत के लिये तो महत्वपूर्ण हैं ही, इसके साथ ये भारतीय संस्कृति की उस प्राथमिकता के अनुरूप भी हैं। प्राचीन भारत की नीति और निर्णयों में नारी का सुख, समृद्धि और सम्मान सदैव प्राथमिकता में रहा है। ऋग्वेद की ऋचाओं और पुराण कथाओं में यह वर्णन है। लेकिन, लगातार विदेशी हमलों और परतंत्रता के अंधकार से भारत में नारी की स्थिति में अनेक विसंगतियां आती गईं वह अशक्त होती चली गई। यह अशक्तता सभी प्रकार की बनी, नारी न केवल आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से पिछड़ी अपितु स्वास्थ्य और शारीरिक रूप से भी कमजोर बनी। स्वतंत्रता के बाद नारी उत्थान की नीतियां तो बनीं किन्तु या तो उनकी गति धीमी रही अथवा क्रियान्वयन में शिथिलता रही। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नारी उत्थान की दिशा में क्रांतिकारी निर्णय लिए। जो योजनाएं बनीं उनके क्रियान्वयन में भी तेजी आई। नारी को सशक्त बनाने के लिये हर दिशा में निर्णय हुए। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक ही नहीं स्वास्थ्य और मानसिक उन्नयन की भी योजनाएं बनीं। मध्यप्रदेश सरकार का ताजा निर्णय इसी दिशा में है।

नारी उत्थान की दिशा में नीतियां बनाने और निर्णय लेने में मध्यप्रदेश सरकार देश के सभी प्रांतों में अग्रणी है। नारी उत्थान की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने आधारभूत समस्याओं के निराकरण से शुरुआत की। शारीरिक स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे पहली प्राथमिकता होती है। एक समय था जब मध्यप्रदेश में हीमोग्लोबिन की कमी और स्वास्थ्य कारणों से प्रसवकाल में महिलाओं की मौतों के आंकड़े बहुत अधिक थे। मध्यप्रदेश सरकार ने इसी आधारभूत समस्या पर सबसे पहले काम आरंभ किया था। इससे प्रसवकाल में होने वाली मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम हुई। दूसरी महत्वपूर्ण योजना लाड़ली लक्ष्मी योजना लागू की। इस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की प्रत्येक बेटी बालिग होते ही लखपति हो जाती है। इस योजना ने समाज को यह संदेश दिया कि 'बेटी बोझ नहीं वरदान है' इसके बाद मुख्यमंत्री कन्यादान योजना लागू हुई। इसमें बेटी के विवाह में राज्य सरकार ने आर्थिक सहायता का प्रावधान किया। इसी तरह बाद मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना लागू हुई। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को आपात स्थिति में सहायता की जाती है। इसके अंतर्गत महिलाओं को स्व-रोज़गार के लिये प्रेरित करना, आत्मनिर्भर बनाना, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर बढ़ाना, विपत्तिग्रस्त, पीड़ित, असहाय एवं निराश्रित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए समाज की मुख्य धारा में पुनर्स्थापित करना है। इसके बाद लाड़ली बहना योजना लागू हुई। मध्यप्रदेश की ये योजनाएं ऐसी हैं जिनका अनुसरण देश के अन्य प्रांतों ने भी किया। इनके अतिरिक्त मध्यप्रदेश में बेटियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये क्रमबद्ध अन्य अनेक योजनाएं भी लागू हुईं। इन सभी योजनाओं को लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य माना गया। नारी कल्याण की इन योजनाओं को लागू करने के लिये मध्यप्रदेश को केन्द्र से भी प्रशंसा मिली और मध्यप्रदेश देश का रोल मॉडल राज्य बना।

मध्यप्रदेश को विकसित प्रांतों में अग्रणी बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नारी कल्याण की दिशा में अतिरिक्त संवेदनशील हैं। उनकी संवेदनशीलता शासकीय नीति निर्णय में भी झलकती है और व्यक्तिगत जीवन में भी। पिछले दिनों दीपावली की खरीददारी के लिये बाजार में निकले तो उन्होंने सामग्री खरीदने के लिये फुटपाथ पर महिला विक्रेताओं को ही प्राथमिकता दी। मध्यप्रदेश में राज्य सरकार द्वारा संचालित नारी सशक्तिकरण की योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके परिणाम की वे स्वयं समीक्षा करते हैं। यही कारण है कि नारी कल्याण की दिशा में केन्द्र द्वारा संचालित सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी राज्य है। इनमें सुकन्या योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर-घर शौचालय बनाने की योजना, नल-जल योजना और उज्ज्वला योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं। इन सब योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में है। यह नारी कल्याण केलिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इच्छाशक्ति ही है, जिससे लाड़ली बहना योजना निरंतर है। उनके सत्ता संभालने के साथ इस योजना पर अनेक प्रश्न उठाये गये थे किंतु उन्होंने स्पष्ट कहा था कि योजना निरंतर रहेगी और न केवल उनकी घोषणा के अनुरूप यह योजना निरंतर है अपितु प्रतिमाह सभी हितग्राही बहनों के खाते में उनके 'एक क्लिक' से राशि पहुंच रही है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर ही शासकीय नौकरियों में महिलाओं को यह दो प्रतिशत आरक्षण में वृद्धि के आदेश को केबिनेट से मंजूरी मिली। अनेक शासकीय विभागों ने अक्टूबर माह में अपने रिक्त स्थानों पर भर्ती की प्रक्रिया आरंभ की। डॉ. मोहन यादव चाहते हैं कि जिन विभागों में रिक्त स्थान पूर्ति के लिये प्रक्रिया आरंभ हो गई है उनमें आवेदन करने वाली महिला अभियार्थियों को भी आरक्षण वृद्धि का लाभ मिले, इसलिये दीपावली के तुरन्त बाद संपन्न केबिनेट बैठक में ही यह निर्णय हो गया। नारी सशक्तिकरण के लिये अग्रणी रहने वाला मध्यप्रदेश शासकीय नौकरियों के महिला आरक्षण में दो प्रतिशत की वृद्धि करने वाला आग्रणी प्रदेश बना।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022, दिनांक 04.08.2024 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र. -10658/32/2024/अनु.-10 **इंदौर दिनांक : 13.11.2024**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

01. विज्ञापन क्रमांक-47/2022/30.12.2022, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 11.05.2023।

(1)	विज्ञप्ति क्रमांक- 12668/2022 / अनु.-6, दिनांक 05.01.2023 (विज्ञापन के संबंध में कैविएट याचिका दायर करने के संबंध में सूचना)।
(2)	शुद्धि पत्र क्रमांक-1/16/2022 से 53/2022 दिनांक 10.01.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रन्थपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि में संशोधन।)।
(3)	संशोधित शुद्धि पत्र क्रमांक-3/16/2022 से 53/2022 दिनांक 25.07.2023 (सहायक प्राध्यापक, ग्रन्थपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि में संशोधन।)।
(4)	शुद्धि पत्र क्रमांक-5/47/2022 दिनांक 18.12.2023 (सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने संबंधी।)।
(5)	विज्ञप्ति क्रमांक-3295/2024/प.नि., इंदौर दिनांक 20.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 स्थगन के संबंध में)।
(6)	शुद्धि पत्र क्रमांक-7/16-53/2022 दिनांक 28.03.2024 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रन्थपाल तथा क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट प्रदाय किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक)।
(7)	शुद्धि पत्र क्रमांक-8/16-53/2022 दिनांक 12.04.2024 (संशोधित तिथि विन्यास), (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 (समस्त विज्ञापित विषयों हेतु) एवं ग्रन्थपाल तथा क्रीड़ा अधिकारी के पदों के लिए अतिथि विद्वानों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट प्रदाय किए जाने एवं समस्त अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने विषयक) ।
(8)	शुद्धि पत्र क्रमांक-2/16/2022 से 51/2022 दिनांक 15.03.2023 (सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022 अर्हकारी अंकों में 5 प्रतिशत छूट के संदर्भ में)।
(9)	शुद्धि पत्र क्रमांक - 10/16-53/2022 दिनांक 21.06.2024 सहायक प्राध्यापक परीक्षा के आयोजन की सूचना संबंधी)।
(10)	शुद्धि पत्र क्रमांक-11/47/2022 दिनांक 10.09.2024 (सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र परीक्षा-2022 विज्ञापित पदों हेतु मुख्य एवं प्रावधिक भाग के पदों की जानकारी)।

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022** जिला मुख्यालय इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर के केन्द्रों पर दिनांक 04.08.2024 (रविवार) को दो सत्र प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10:00 से 11:00 बजे एवं द्वितीय प्रश्न पत्र समाजशास्त्र दोपहर 01:00 से 04:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित

क्र.	विवरण	UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL
(अ)	कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST)	43	6	7	18	6	80
(ब)	कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE)	14	2	2	6	2	26
(स)	कुल रिक्तियों में से भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (Exser)	-	-	-	-	-	-
(द)	कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH)	(PH-OH-1, HH-1)					2

04. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के "पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर, 2022 के प्रकाश में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-47/2022/30.12.2022 में मुख्य एवं प्रावधिक भाग के विज्ञापित पदों के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए उपरोक्त परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :-

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरूद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के "पत्र क्रमांक- एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर, 2022 में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण प्राप्त हुआ है। जिसे आयोग द्वारा शुद्धि पत्र क्रमांक- 11/47/2022, दिनांक 10.09.2024 को आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है। विज्ञापित पदों का रिक्ति विवरण निम्नानुसार है :-

स.क्र.	पद का नाम	अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद	मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा अन्य वर्ग के पदों)	प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु)
01	01 सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा -2022	18	15	3

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2022 के परीक्षा परिणाम में मुख्य भाग-अ के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल-267 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (SOCIOLOGY) - PART-A (MAIN)
ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	270012	68.	270528	135.	271525	202.	272725
2.	270020	69.	270534	136.	271541	203.	272731
3.	270021	70.	270537	137.	271549	204.	272743
4.	270024	71.	270539	138.	271607	205.	272763
5.	270025	72.	270550	139.	271609	206.	272803
6.	270026	73.	270576	140.	271613	207.	272818
7.	270028	74.	270581	141.	271617	208.	272823
8.	270047	75.	270591	142.	271638	209.	272830
9.	270048	76.	270602	143.	271642	210.	272839
10.	270049	77.	270639	144.	271677	211.	272844
11.	270050	78.	270646	145.	271699	212.	272856
12.	270052	79.	270655	146.	271701	213.	272861
13.	270053	80.	270671	147.	271772	214.	272864
14.	270054	81.	270679	148.	271806	215.	272872
15.	270057	82.	270690	149.	271822	216.	272879
16.	270081	83.	270692	150.	271857	217.	272882
17.	270088	84.	270713	151.	271865	218.	272895
18.	270108	85.	270719	152.	271867	219.	272901
19.	270114	86.	270726	153.	271882	220.	272906
20.	270148	87.	270735	154.	271923	221.	272914
21.	270152	88.	270737	155.	271925	222.	272954
22.	270155	89.	270738	156.	271926	223.	273015
23.	270164	90.	270762	157.	271928	224.	273018
24.	270169	91.	270778	158.	271937	225.	273027
25.	270173	92.	270786	159.	271944	226.	273040
26.	270175	93.	270806	160.	271957	227.	273045
27.	270181	94.	270827	161.	271977	228.	273046
28.	270185	95.	270836	162.	272047	229.	273050
29.	270186	96.	270901	163.	272142	230.	273056
30.	270193	97.	270914	164.	272175	231.	273062
31.	270202	98.	271023	165.	272178	232.	273091
32.	270203	99.	271028	166.	272186	233.	273107
33.	270204	100.	271037	167.	272223	234.	273140
34.	270206	101.	271041	168.	272229	235.	273161
35.	270208	102.	271049	169.	272249	236.	273168
36.	270216	103.	271056	170.	272250	237.	273175
37.	270219	104.	271064	171.	272253	238.	273178
38.	270221	105.	271112	172.	272256	239.	273192
39.	270224	106.	271113	173.	272260	240.	273197
40.	270262	107.	271118	174.	272287	241.	273201
41.	270265	108.	271132	175.	272298	242.	273204
42.	270266	109.	271138	176.	272310	243.	273219
43.	270286	110.	271147	177.	272319	244.	273228
44.	270289	111.	271148	178.	272326	245.	273232
45.	270294	112.	271174	179.	272361	246.	273233
46.	270315	113.	271179	180.	272442	247.	273254
47.	270320	114.	271180	181.	272464	248.	273255
48.	270334	115.	271185	182.	272465	249.	273259
49.	270337	116.	271186	183.	272494	250.	273320
50.	270355	117.	271223	184.	272501	251.	273358
51.	270373	118.	271269	185.	272513	252.	273391
52.	270377	119.	271301	186.	272530	253.	273392
53.	270388	120.	271323	187.	272567	254.	273398
54.	270412	121.	271325	188.	272569	255.	273419
55.	270419	122.	271327	189.	272572	256.	273443
56.	270438	123.	271357	190.	272575	257.	273475
57.	270447	124.	271373	191.	272582	258.	273561
58.	270456	125.	271380	192.	272604	259.	273572
59.	270461	126.	271388	193.	272606	260.	273617
60.	270462	127.	271393	194.	272620	261.	273618
61.	270467	128.	271434	195.	272643	262.	273659
62.	270485	129.	271470	196.	272644	263.	273661
63.	270492	130.	271482	197.	272662	264.	273692
64.	270506	131.	271498	198.	272673	265.	273716
65.	270516	132.	271499	199.	272680	266.	273733
66.	270525	133.	271507	200.	272688	267.	273816
67.	270526	134.	271514	201.	272708		

प्रावधिक भाग-ब के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना + समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह कुल 38 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2022 (SOCIOLOGY)-PART B (PROVISIONAL)
ROLL NUMBERWISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S. No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1.	270134	11.	271098	21.	272148	31.	272840
2.	270271	12.	271312	22.	272359	32.	272933
3.	270386	13.	271426	23.	272414	33.	272987
4.	270562	14.	271475	24.	272468	34.	273002
5.	270607	15.	271522	25.	272480	35.	273074
6.	270728	16.	271553	26.	272531	36.	273359
7.	270772	17.	271661	27.	272532	37.	273467
8.	270887	18.	271761	28.	272555	38.	273628
9.	271050	19.	271979	29.	272615		
10.	271089	20.	271982	30.	272654		

साक्षात्कार हेतु लिए अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :-

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

परिशिष्ट प्रपत्र-01

विज्ञापन क्रमांक : 47/2022/30.12.2022	पद/परीक्षा का नाम : सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा--2022
अनुक्रमांक-	अभ्यर्थी का नाम :-

स.क्र.	दस्तावेज का विवरण	संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक	संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या
1.	उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
2.	उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
3.	उपस्थिति पत्रक - 1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
4.	व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
5.	अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
6.	घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
7.	हाई स्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
8.	हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
9.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि। (स्नातक परीक्षा दिनांक 13.04.2024 के पूर्व उत्तीर्ण होना अनिवार्य हैं) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
10.	यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
11.	प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (दिनांक 13.04.2024 तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
12.	मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
13.	मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
14.	आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगें।) (म.प्र शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)। (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
15.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाले घोषणा पत्र - 01 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
16.	म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए वित्तीय वर्ष :- (1) विज्ञापन क्रमांक - 47/2022/30.12.2022 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 12.04.2023 से दिनांक 11.05.2023 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022 2023 का ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (2) आयोग के शुद्धि पत्र दिनांक 10.01.2023, 25.07.2023 एवं 18.12.2023 अनुसार ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 को ई.डब्ल्यू. एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है। अथवा (3) आयोग के शुद्धि पत्र क्रमांक- 08 / 16-53 / 2022 दिनांक 12.04.2024 अनुसार ऑनलाइन आवेदन दिनांक 05.04.2024 से दिनांक 13.04.2024 तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए गए आवेदकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 का ई.डब्ल्यू. एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना है।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
17.	महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
18.	म.प्र. शासन की सेवा में सेवारत शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण-पत्र न हो तो विभाग को अनापत्ति हेतु प्रस्तुत पत्र की प्रति संलग्न करें। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
19.	मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
20.	भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व भूतपूर्व सैनिक होने संबंधी दस्तावेज की प्रति एवं सेवावधि का विवरण पत्रके की प्रति। (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
21.	अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति / शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
22.	दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 13.04.2024 के पूर्व प्रमाण पत्र जारी होना अनिवार्य है।)	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
23.	यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण/न्यायालयीन प्रकरण दर्ज हो जिसका निराकरण लंबित हो या हो चुका हो तो उससे संबंधित दस्तावेज।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
24.	आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भांग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी "अभिवचन पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
25.	अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है।	पृष्ठ क्रमांक ...... से .... तक	....
	कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)		

अभ्यर्थी के हस्ताक्षरः-....................

05. साक्षात्कार हेतु अर्ह अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त अभिलेख उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र - 01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 04.12.2024 तक** आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के अभिलेख आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने अभिलेख आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. आयोग की बैठक दिनांक 19.09.2024 के निर्णय क्रमांक-20 के निर्णयानुसार आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा/लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूर्ण किए जाने वाले समस्त प्रकरणों में लिखित परीक्षा में सम्मिलित होकर साक्षात्कार हेतु अर्ह घोषित किए गए केवल ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में विलम्ब से प्राप्त होते हैं एवं किसी कारणवश नहीं भेजे जाते हैं तो ऐसे आवेदकों से विलम्ब शुल्क के साथ आयोग कार्यालय में अभिलेख जमा करने हेतु निम्नानुसार राशि निर्धारित की गई है :-

आयोग द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में साक्षात्कार हेतु अभिलेख जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि 04.12.2024 के पश्चात् कार्यालयीन दिवस/समय प्रातः 10:00 से सायं 06:00 बजे तक निम्नानुसार विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कराने के पश्चात अभिलेख जमा किए जा सकेंगे।

01.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000 /- (तीन हजार मात्र)।	दिनांक 05.12.2024 से 11.12.2024 तक
02.	निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् 10 कार्यालयीन दिवस तक (अर्थात् 06 से 10 दिवस तक) राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)।	दिनांक 12.12.2024 से 18.12.2024 तक

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथियों के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा- 2022 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा- 2022 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक TRANSFER PETITION (C) No. 1120 OF 2023 Dated 02.09.2024 एवं माननीय उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक- 5596/2024, 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक - एस.एल.पी. 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. **सहायक प्राध्यापक परीक्षा- 2022 में उच्च शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों के अतिथि विद्वान (रिक्त पदों के विरूद्ध एवं जनभागीदारी) तथा मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में संविदा आधार पर कार्यरत अतिथि विद्वानों के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे।**
9. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि / लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
10. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक - 31 के अनुसार सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा - 2022 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् प्रश्न पत्र के दोनों खण्ड "अ" एवं "ब" के लिए न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं।
11. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 04/12/2024 तक निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा -2022 के साक्षात्कार हेतु** अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-18951/50258/2024

उप परीक्षा नियंत्रक

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

क्रमांक 10575/43/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 07.11.2024

पदनाम - व्याख्याता, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **21/2023 दिनांक 05.07.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **व्याख्याता, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना** के कुल-06 पद (अनारक्षित-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-03, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद (अनारक्षित-निरंक, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-निरंक, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) (कुल विज्ञापित पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांग के लिए-01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 21 अक्टूबर, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।
3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

व्याख्याता, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	1	1	3	1	0	**6**
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	0	0	1	0	0	
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat	श्रेणी
1.	15316	SACHIN CHOUHAN	M		SC	SC
2.	15339	SHRADHA JAISWAL	F	प्रावधिक	OBC	OBC
3.	15370	AMIT GOLKAR	F		STF	ST
4.	15301	SUNITA MANDLOI	F	प्रावधिक	ST	ST
5.	15344	JAGRATI SAIYAM	F		ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	15323	PAWAN RAJPUT	M	OBC
2.	15343	VARSHA ROKDE	F	SC
3.	15365	RAKESH KHARADEE	M	ST

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियासत के योयता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. विज्ञापित कुल 06 पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 01 पद (श्रवणबाधित-01 पद) विज्ञापित है परंतु दिव्यांग श्रेणी हेतु अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण यह 01 पद रिक्त रहा है। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 01 पद दिव्यांगजनों के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखा गया है।

प्रभारी सचिव
जी-18702/50251/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर**

हिनौती गोधाम में गौवंश रखने के लिए तत्काल करें आवश्यक व्यवस्थाएं - उप मुख्यमंत्री

रीवा, हिनौती गोधाम में हजारों गौवंश को आश्रय मिलेगा। इसे आधुनिक गौशाला और गौसंवर्धन केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा। गौशाला में जारी बाउंड्रीवाल का निर्माण शीघ्र पूरा करायें साथ ही स्वीकृत प्लान के अनुसार गौवंश के रहने के लिए शेड तथा भूसा भण्डारण के लिए शेड का निर्माण भी तत्काल शुरू करायें। हिनौती गोधाम को माडल गौशाला के रूप में विकसित करें। गौशालाओं के संचालन तथा गौसेवा के लिए दान दी गयी राशि को आयकर की छूट में शामिल करें, जिससे इस पुनीत कार्य में बढ़चढ़कर सहयोग मिल सके। यह बातें उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा जिले में विभागीय समीक्षा करते हुए कहीं। उप मुख्यमंत्री ने कलेक्टर सतना को बगदरा गौ-अभयारण्य का निर्माण शीघ्र शुरू करने के निर्देश देते हुए कहा कि चित्रकूट के समीप बगदरा घाटी हजारों गौवंश के प्राकृतिक रहवास का अनूठा स्थल है।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि बाउंड्रीबाल का निर्माण ग्रामीण यंत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। शेड का निर्माण भी दो दिन में शुरू हो जायेगा। गुढ़ में भैरव बाबा मंदिर के समीप स्वीकृत गौशाला में 50 एकड़ में 18 लाख रुपये की लागत से फेंसिंग का कार्य शुरू हो गया है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

क्रमांक 10582/45/2023/चयन इंदौर, दिनांक : 07.11.2024

पदनाम - व्याख्याता, संहिता सिद्धांत
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **25/2023 दिनांक 10.07.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, आयुष विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **व्याख्याता, संहिता सिद्धांत** के कुल-09 पद (अनारक्षित-02, अ.जा.-02, अ.ज.जा.-04, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद (अनारक्षित-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-निरंक, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग के लिए-01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 18 अक्टूबर, 2024** को आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।
3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

व्याख्याता, संहिता सिद्धांत (म.प्र. शासन, आयुष विभाग)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	2	4	1	0	9
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	1	1	0	0	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		Seat		श्रेणी
1.	14972	ANAND PRAKAH VERMA	M		OBC		OBC
2.	14940	SWATI SINGH	F		UNRF		UNR
3.	14979	RICHA VISHWAKARMA	F		UNRHO	अ.बा.	UNR
4.	14932	DIVYA DHURVEY	F	प्रावधिक	STF		ST
5.	14931	NEETA JAMRA	F	प्रावधिक	ST		ST
6.	14930	DEVKARAN MAKWANE	M		ST		ST
7.	14981	PRIYANKA BARKDE	F		ST		ST
8.	14925	DR HARPRASAD AHIRWAR	M		SC		SC
9.	14935	DEEPALI AHIRWAR	F		SCF		SC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग			श्रेणी
1.	14937	PRIYA GUPTA	F			UNR
2.	14911	KIRTI PATEL	F			OBC
3.	14920	RAMAN MAHOUR	M			SC
4.	14969	PRASHANT SINGH YADAV	M		अ.बा.	OBC
5.	14973	PRIYA MORE	F	प्रावधिक		SC
6.	14985	TOTARAM GOND	M	प्रावधिक		ST
7.	14989	CHETNA MOURYA	F			ST
8.	14907	PANKAR GABU JAMRE	M			ST

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए गए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार के सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हो। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

प्रभारी सचिव
जी-18771/50250/2024 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर**

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

क्रमांक 39376/एम.सी./4/राज/2024 भोपाल, दिनांक : 12.11.2024

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 एवं मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी आदेश क्रमांक 1105 एफ 2-45/2010/1/55 भोपाल दिनांक 24.07.2024 एवं कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्रमांक 112/स्था/राज/संचिशि/2024 भोपाल दिनांक 18.01.2024 के अंतर्गत स्वशासी संस्था गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के अधीन निम्नलिखित विभागों में प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है आवेदन करने की पात्रता उन्हीं उम्मीदवार को होगी जो शासन/एनएमसी द्वारा निर्धारित अद्यतन टी.ई.क्यू नियमावली अनुसार अर्हताएं पूरी करते हों।

अतः निम्नलिखित रिक्त पदों हेतु निर्धारित प्रपत्र में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल (स्वशासी समिति) द्वारा **दिनांक 04.12.2024** सायं 5.30 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

विज्ञापन की संपूर्ण जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल मध्यप्रदेश की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net** पर उपलब्ध है। योग्य उम्मीदवारों की सूची एवं साक्षात्कार की तिथि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल की website पर उपलब्ध कराई जाएगी इस हेतु website का अवलोकन करें।

रिक्तियां निम्नानुसार हैं :–

प्राध्यापक - वेतनमान लेवल 14 : 144200-218200

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	पी.एम.आर.	01	-	-	-	-
2.	मेडिकल आंकोलॉजी	01	-	-	-	-
3.	स्पोर्टस मेडिसिन	01	-	-	-	-
	कुल-03	**03**	**00**	**00**	**00**	

सह-प्राध्यापक वेतनमान-लेवल 13ए : 131400-217100

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	पी.एम.आर.	01	-	-	-	-
2.	मेडिकल आंकोलॉजी	01	-	-	-	-
3.	स्पोर्टस मेडिसिन	01	-	-	-	-
	कुल-03	**03**	**00**	**00**	**00**	

सहायक-प्राध्यापक (सीधी भर्ती) वेतन मेट्रिक्स लेवल 11 - 68900-139900

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	EWS	Remark
1.	फिजियोलॉजी	01	-	-	-	-	-
2.	जनरल सर्जरी	01	01	-	01	-	-
3.	न्यूरोसर्जरी ट्रामा यूनिट (सर्जरी विभाग)	-	01	-	-	-	-
4.	इमरजेंसी मेडिसिन	01	-	-	-	-	-
5.	पी.एम.आर.	01	-	-	-	-	-
6.	स्पोर्टस मेडिसिन	01	-	-	-	-	-
7.	जनरल मेडिसिन	-	-	-	01	-	-
8.	फॉरेंसिक मेडिसिन	-	01	-	-	-	-
9.	पैथोलॉजी	01	01	01			
	कुल-13	**06**	**04**	**01**	**02**	**00**	**-**

बैकलॉग के पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

प्राध्यापक - वेतनमान लेवल 14 : 144200-218200

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	-	01	-	-
2.	कार्डियोलॉजी	-	-	01	-	-
	कुल-02	**00**	**00**	**02**	**00**	

सह-प्राध्यापक वेतनमान-लेवल 13ए : 131400-217100

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	-	01	-	-
2.	रेस्पिरेटरी मेडिसिन	-	-	01	-	-
3.	कार्डियोलॉजी	-	-	01	-	-
	कुल-03	**00**	**00**	**03**	**00**	

सहायक-प्राध्यापक (सीधी भर्ती) वेतन मेट्रिक्स लेवल 11- 68900-139900

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	EWS	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	01	03	-	-	-
2.	फार्माकोलॉजी	-	-	01	-	-	-
3.	गेस्ट्रोइन्टोलॉजी	-	01	01	-	-	-
4.	रेस्पिरेटरी मेडिसिन	-	-	02	01	-	-
5.	रेडियोडायग्नोसिस	-	-	02	-	-	-
6.	नेफ्रोलॉजी	-	01	01	-	-	-
7.	मेडिकल आंकोलॉजी	-	01	-	-	-	-
8.	बाल्य एवं शिशु रोग	-	01	01	-	-	-
9.	ईएनटी	-	01	-	-	-	-
	कुल-18	**00**	**06**	**11**	**01**	**00**	

रिक्तियों की संख्या परिवर्तनीय भर्ती के किसी भी चरण में पदों की संख्या घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

जी-18852/50253/2024

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई
कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश

पिन कोड-462002, टेलीफोन नंबर 0755-2660717

ईमेल : hegmlbgpgcbho@mp.gov.in, वेबसाइट : https://highereduction.mp.gov.in/?orgid=85

क्र. 4937/म.ल.ब./स्था./2024 भोपाल, दिनांक : 09.11.2024

विज्ञप्ति

महाविद्यालय में सत्र 2024-25 हेतु A (Lab Equipments), B (Electronic Equipments), C (Furniture) सामग्री क्रय हेतु निविदा mp-e-tender पोर्टल **www.mptenders.gov.in** के माध्यम से (टेण्डर आई.डी. 2024_HED_381172_1) द्वारा किया जाना है। पोर्टल पर निविदा की आरंभ तिथि 08.11.2024 एवं **अंतिम तिथि दिनांक 21.11.2024** है। इच्छुक प्रदायकर्ता फर्म एम.पी. ई-टेण्डर पोर्टल पर दर्शित नियम एवं शर्तों और क्रय सामग्री की सूची के अनुरूप में सम्मिलित हो सकते हैं। निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपए 500/- (वापसी योग्य नहीं) हैं। क्रय प्रक्रिया वर्तमान में म.प्र. भंडार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अनुसार की जावेगी। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन **www.mptenders.gov.in** एवं महाविद्यालय की वेबसाइट **https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85** पर ही किया जाएगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

नोट - For clarification please contact at college email id - hegmlbgpgcbho@mp.gov.in

प्र. प्राचार्य

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल-462002

जी-18876/50254/2024

कार्यालय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा (म.प्र.)

खेल परिसर के सामने, सांची रोड, विदिशा (म.प्र.) 464001, दूरभाष - 07692-297254

E-Mail : dean.vds@mp.gov.in, Website : www.gmcvidisha.org

क्रमांक/4969/स्था./राज/इन हाउस विज्ञप्ति-15 (शैक्षणिक)/24 विदिशा/दिनांक : 11.11.2024

प्रेस विज्ञप्ति सूचना

1. मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 द्वारा मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 के अंतर्गत अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा के अधीन निम्नलिखित चिकित्सा शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति वर्तमान में संचालक चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्र. 416/स्था./राज/2022 भोपाल दिनांक 22.04.2022 के द्वारा प्राप्त अनुसूची एवं एन.एम.सी. के नवीन मापदण्ड/आवश्यकतानुसार, प्राध्यापक/सह-प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है। इस हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक/4968/स्था./राज/इन-हाउस विज्ञप्ति-15 (शैक्षणिक)/24 विदिशा/दिनांक 11.11.2024 के तहत आवेदन पत्र कार्यालय अधिष्ठाता, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा में दिनांक 12.11.2024 से **दिनांक 18.11.2024** सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित किये जाने हैं।
2. PROFESSOR/ASSISTANT PROFESSOR For In-house Candidate only.
3. उपरोक्त विज्ञापन की विस्तृत पदवार जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप संचालक, चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट **www.medicaleducation.mp.gov.in** एवं अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा की वेबसाइट **www.gmcvidhisha.org** पर उपलब्ध है।
4. आवेदकों द्वारा अपना पूर्ण रूप से निर्धारित प्रारूप में भरा हुआ आवेदन पत्र, समस्त दस्तावेजों सहित डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से अधिष्ठाता कार्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा की आवक शाखा में जमा कराये जावेंगे।
5. आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा, में शैक्षणिक संवर्ग हेतु आवेदन एवं विषय तथा आवेदित पद का नाम और अनारक्षित (UR)/आरक्षित (SC/ST/OBC) श्रेणी का उल्लेख स्पष्ट एवं अनिवार्य रूप से करें। किसी भी स्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा

जी-18888/50255/2024

मध्यप्रदेश में एमएसपी पर धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन नीति जारी

भोपाल, खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 में केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर औसत अच्छी गुणवत्ता की धान, ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन किसानों से किया जाएगा। राज्य शासन ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन नीति घोषित कर दी है। समर्थन मूल्य पर ज्वार एवं बाजरा की 22 नवम्बर और धान की खरीदी 2 दिसम्बर से की जायेगी।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश के समस्त कलेक्टर्स, नागरिक आपूर्ति निगम तथा वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि उपार्जन नीति का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराएं, जिससे किसानों को लाभ पहुंचाने की सरकार की मंशा पूरी हो सके। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर उपार्जन कार्य से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

श्री राजपूत ने बताया कि निर्धारित अवधि में उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन मात्रा का निर्धारण विगत तीन वर्षों में धान, ज्वार एवं बाजरा की उपार्जन मात्रा में औसत वृद्धि तथा बोए गए रकबे के आधार पर किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन नोडल एजेंसी होगी। इसके अलावा विभाग द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकार की अन्य एजेन्सी अथवा उनके द्वारा अधिकृत संस्था को भी उपार्जन एजेन्सी घोषित किया जा सकेगा। जबकि उपार्जित खाद्यान्न के भण्डारण एवं रखरखाव के लिए मध्यप्रदेश वेअरहाऊसिंग एवं लाजिस्टिक कार्पोरेशन नोडल राज्य समन्वयक एजेन्सी होगी।

किसानों की सुविधा अनुसार होगा उपार्जन केन्द्रों का निर्धारण

खाद्य मंत्री ने बताया कि उपार्जन केन्द्र के स्थान का निर्धारण किसानों की सुविधा अनुसार किया जाएगा। उपार्जन केन्द्र प्राथमिकता से गोदाम/केप परिसर में स्थापित किए जाएंगे। गोदाम/केप उपलब्ध न होने पर समिति एवं अन्य स्तर पर उपार्जन केन्द्र स्थापित किए जा सकेंगे। जिले में उपार्जन केन्द्रों की संख्या का निर्धारण किसान पंजीयन, पंजीयन में दर्ज बोया गया रकबा एवं विगत वर्ष निर्धारित उपार्जन केन्द्रों के आधार पर राज्य उपार्जन समिति द्वारा किया जायेगा।

यह होंगी उपार्जन करने वाली संस्थाएं

उपार्जन कार्य सहकारी समितियां, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाएं, ब्लाक स्तरीय विपणन सहकारी संस्थाएं, जिला थोक उपभोक्ता भण्डार, महिला स्व-सहायता समूह एवं क्लस्टर लेवल फेडरेशन, उपार्जन कार्य करने के लिए सहमति देने वाली अन्य संस्थाओं को दिया जा सकेगा।

बारदाना व्यवस्था

धान उपार्जन के लिये 46 प्रतिशत पुराने और 54 प्रतिशत नवीन जूट बारदाने उपयोग किये जायेंगे। बारदानों की व्यवस्था उपार्जन एजेंसी द्वारा की जायेगी। ज्वार एवं बाजरे का उपार्जन नवीन जूट बारदानों में किया जायेगा।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 317/MTN/2024

No./13830/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 12.11.2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work :-** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	2	52627559.00
2	Alirajpur	2	32745248.00
3	Ashoknagar	4	52258896.00
4	Balaghat	4	35587176.00
5	Betul	8	52033211.00
6	Bhind	3	38501822.00
7	Bhopal	1	6026369.00
8	Burhanpur	3	31523592.00
9	Chhatarpur	5	99086849.00
10	Chhindwara	10	235860802.00
11	Damoh	1	8671914.00
12	Datia	5	137864584.00
13	Dewas	3	45607358.00
14	Dhar	9	285927282.00
15	Dindori	4	77217789.00
16	Guna	7	131506249.00
17	Gwalior	1	4668982.00
18	Harda	1	4183498.00
19	Jabalpur	13	271896938.00
20	Jhabua	1	7926199.00
21	Katni	6	65827184.00
22	Khargone	3	31062949.00
23	Mandla	3	96563208.00
24	Mandsaur	5	93852241.00
25	Morena	1	22922625.00
26	Narmadapuram	2	64925611.00
27	Narsinghpur	5	92190795.00
28	Neemuch	2	73251369.00
29	Panna	4	31302518.00
30	Raisen	2	25110987.00
31	Rajgarh	2	40624974.00
32	Ratlam	3	70544775.00
33	Satna	1	8113853.00
34	Seoni	5	90007396.00
35	Shahdol	1	20866579.00
36	Shajapur	3	32629965.00
37	Shivpuri	10	242307134.00
38	Sidhi	3	31780657.00
39	Singrauli	1	4818937.00
40	Tikamgarh	2	21509285.00
41	Vidisha	9	128739692.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 19.11.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/117346/2024

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50261/2024

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री
संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./1364/तशा/प.यं./2024 दिनांक 07.11.2024

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा रेल पुलिस मुख्यालय भोपाल का बाह्य विद्युतीकरण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2024_MPPHC_381170_1 **दिनांक 19.11.2024 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदी जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/117317/2024 R-50260/2024 **परियोजना यंत्री**

स्वरोज़गार

शुरू करें सर्जिकल बैंडेज का निर्माण और कमायें अच्छा लाभ

आपने देखा होगा कि सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ ही दुर्घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं, कई बार तो यह भी होता है कि घायल व्यक्ति अस्पताल में उपचार करा रहा होता है और मल्हम पट्टी तक कम पड़ जाती हैं। मल्हम पट्टी यानी सर्जिकल बैंडेज, वही सर्जिकल बैंडेज जो जालीदार हल्के कपड़े की पट्टियों के रूप में होती है। इस प्रकार की पट्टियां सिर्फ मनुष्यों को ही नहीं पशुओं के उपचार में भी काम आती हैं। यदि आप बेरोज़गार हैं और कोई स्वरोज़गार करने का विचार मन में कौंध रहा है, परंतु यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि कौन-सा उद्यम स्थापित करें तो आपकी सुविधा और मार्गदर्शन के लिए ही यहां कई प्रकार के उद्योगों की जानकारी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज पढ़िए सर्जिकल बैंडेज के बारे में।

उत्पाद परिचय एवं आवश्यकता

अच्छी गुणवत्ता के सफेद ब्लीचिंग वाले कॉटन के कपड़े से निर्मित संक्रमण रहित पटट्टी सर्जिकल बैंडेज कही जाती है। शरीर में चोट लगने, घाव होने, सूजन कम करने, चीरा लगने की स्थिति में उपचार हेतु ड्रेसिंग के लिए सर्जिकल बैंडेज का उपयोग किया जाता है। सामान्यत: लिपटे हुए सर्जिकल बैंडेज की लंबाई 3 से 4 मीटर तक होती है, जिन्हें रोल्ड पैक कर बाजार में विक्रय किया जाता है। सर्जिकल बैंडेज का काम बड़ा है, परंतु यह उद्यम छोटे स्तर से प्रारंभ किया जा सकता है। मौसम कोई भी हो, यह ऐसा उत्पाद है, जिसकी मांग हमेशा बनी रहती है। सर्जिकल डॉक्टर्स जो पढ़ाई कर रहे होते हैं उन्हें प्रैक्टिकल के दौरान पट्टी बांधने के तरीके समझाते समय सर्जिकल बैंडेज की आवश्यकता होती है। इसके अलावा यह मेडिकल स्टोर्स, क्लीनिक्स, नर्सिंग होम्स, स्वास्थ्य केन्द्रों, कारखानों, सरकारी एवं निजी अस्पतालों पर भी उपलब्ध कराई जाती है।

निर्माण संबंधी अनुमतियां

चिकित्सा जगत से संबंधित होने के कारण सर्जिकल बैंडेज निर्माण से पूर्व कुछ अनिवार्य औपचारिकताएं पूर्ण करनी होती हैं। इसके लिए आवश्यक पंजीयन तथा अनुमति के लिए स्थानीय शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क करके कागजात तैयार करने होंगे। उद्योग-व्यवसाय कोई भी हो। जो भी अनुबंध, पंजीयन और कागजात तैयार किए जाएं उनकी फाइल बना लेना चाहिए और उनकी एक-एक प्रति सुरक्षित रखना चाहिए। यह कागजात आगे काम आ सकते हैं। यह ऐसा उत्पाद है जो चिकित्सा क्षेत्र में उपयोगी है इसलिए उद्यमी को ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम अंतर्गत ड्रग लाइसेंस की आवश्यकता होगी। फैक्ट्री अधिनियम, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, उद्योग रजिस्ट्रेशन आदि की जानकारी प्राप्त कर यह अनिवार्यताएं भी अवश्य पूर्ण कर लेना चाहिए।

कच्चा माल एवं उपकरण

सर्जिकल बैंडेज दो तरह की बनाई जाती हैं पहली अनस्टरलाइज्ड और दूसरी स्टरलाइज्ड। इसी के अनुरूप कच्चा माल भी जरूरी होता है। स्टरलाइज्ड बैंडेज बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में मुख्यत: ब्लीच्ड कॉटन गेज कपड़ा आता है, जिसे स्थानीय अथवा आसपास की कपड़ा मिल से भी सीधे प्राप्त किया जा सकता है। यह हैण्डलूम सोसायटी से भी प्राप्त हो सकता है। मशीन-उपकरणों में मुख्यत: सर्जिकल बैंडेज कम क्लॉथ बाइंडिंग मशीन एक एचपी मोटर सहित, रोलिंग मशीन, रोल लपेटने के चरखे, ट्रीमिंग मशीन, कटिंग इक्विपमेंट, फोल्डिंग और प्रेसिंग मशीन फॉर गेज, मेडिकेटेड ड्रेसिंग को प्रोसेस करने के लिए मिक्सिंग टैंक, गर्म एयर ड्राई ओवन, स्टीम स्टरलाइजर और वर्क टेबल, पानी, बिजली, फर्नीचर, स्टेशनरी सामग्री की आवश्यकता होती है। पैकेजिंग सामग्री के लिए ब्राउन पेपर और चिपकाने वाले पदार्थ लगेंगे।

निर्माण प्रक्रिया

मल्हम पट्टी जैसा नाम से ही पता चल रहा है कि यह घावों के उपचार के लिए बनाई जानी है इसलिए सर्वप्रथम उत्तम गुणवत्ता का सूती कपड़ा क्रय किया जाएगा। हैण्डलूम पर बना बैंडेज क्लॉथ अधिक अच्छा बताया जाता है जो हैण्डलूम सोसायटी या बुनकरों द्वारा तैयार कराया जाता है। इस इकाई में हैण्डलूम पर बना बैंडेज क्लॉथ ही कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होता है। सामान्यत: कपड़े में ताना और बाना (खड़ा और आड़ा) धागा नजदीक (टाईट करके) बुना आता है, लेकिन बैंडेज ताने-बाने की बुनाई में थोड़ा-सा स्थान खाली छोड़ दिया जाता है यानी बुनाई ढीली की जाती है, जिससे ये जालीनुमा प्राप्त होता है। इस लूज निटेड हैंडलूम क्लॉथ को कपड़ा लपेटने की क्लॉथ वाइंडिंग मशीन द्वारा रोल के आकार में लाया जाता है। इन रोलों को मशीन द्वारा साईज के अनुसार काटकर इनकी पट्टियों के फिर से रोल बनाये जाते हैं। इन्हें नापकर पैक किया जाता है। यह तो हुई अनस्टरलाइज्ड बैण्डेज, जिन्हें कंप्रेसिंग प्रेस से दबाया जाता है। इस प्रकार की बैंडेज को पहले स्टरलाइज किया जाता है, फिर उपयोग में लाया जाता है। ऐसा भी पाया गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से चिकित्सक सर्जिकल बैंडेज को पुन: स्टरलाइज करना चाहते हैं, इसलिए अधिकांशत: अनस्टरलाइज्ड बैंडेज भी खरीदी जाती है, परंतु यदि स्टरलाइज बैंडेज बनाना है तो यह पटि्टयां खौलते पानी में से निकाली जाती हैं।

स्टरलाइज्ड बैंडेज बनाने के लिए कपड़े को संक्रमण रहित करने के लिए ब्लीच किया जाएगा। कपड़े को सुखाने के बाद रोल करके मशीन पर फिट कर दिया जाता है। तदुपरांत पहले से तय आकार के आधार पर कटिंग मशीन कपड़े को काटना प्रारंभ कर देती है। उसके बाद कपड़े को सर्जिकल बैंडेज मेकिंग मशीन की तरफ पास कराया जाता है फिर ब्राउन पेपर लपेटकर पैक कर दिया जाता है। सामान्यत: छोटे-बड़े साइजों के बंडल एक दर्जन के पैकिंग साइज के अनुसार पैक किए जाते हैं। ग्राहकों की आवश्यकता तथा मांग के अनुसार इनके साइज निश्चित किये जा सकते हैं और परिवहन सुविधा को देखते हुए मौसम विशेष के हिसाब से भी पैकिंग की जा सकती है।

भूमि, भवन, मानव संसाधन

सर्जिकल बैंडेज निर्माण के लिए पांच सौ वर्गफिट भवन या शेड उपयुक्त बताया जाता है। यह स्वयं का भी हो सकता है अथवा उद्योगों के हिसाब से उपयुक्त स्थल पर किराए से भी लिया जा सकता है। सर्जिकल बैंडेज बनाने के लिए प्रशिक्षित कुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। यदि अनुभवी कर्मचारी मिल सकें तो अच्छा। इसके अतिरिक्त एक सलाहकार, एक केमिस्ट, एक अकाउंटेंट, सेल्समैन, स्टोर कीपर और सुपरवाइजर की नियुक्ति करना होगी। कर्मचारियों का कार्य विवरण पहले से ही तैयार करके रखना अच्छा रहता है। यदि सभी आवश्यक जानकारियों के साथ यह इकाई प्रारंभ की जाए तो न केवल अस्पतालों में सर्जिकल बैंडेज की कमी को दूर किया जा सकेगा, बल्कि औरों को रोज़गार भी दे सकेंगे। सामान्यत: ऐसे कार्यों के लिए अनुभव और प्रशिक्षण पर जोर दिया जाता है, परंतु यदि सीखने के भाव से यह कार्य प्रारंभ किया जाए तो भी इस प्रकार की इकाई कम पूंजी से स्थापित की जा सकती है और फिर धीरे-धीरे इकाई का विस्तार किया जा सकता है।

मार्केटिंग

चिकित्सा जगत के अतिरिक्त परिवहन, खेल, शिक्षा जगत और यहां तक कि घरों में भी, सभी स्थलों पर फर्स्ट-एड बॉक्स रखे जाते हैं, जिनमें सर्जिकल बैंडेज भी प्रमुखता से रखा जाता है। सर्जिकल बैंडेज की आवश्यकता और अनिवार्यता के बाद भी हमको सर्जिकल बैंडेज की बिक्री बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार करना होगा। सर्जिकल बैंडेज की मार्केटिंग के लिए हमें नर्सिंग होम्स, अस्पतालों, स्थानीय दवा बाजारों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसर कार्यालयों, परिवहन विभागों, टूर एंड ट्रैवल्स कंपनियों, संचालकों और स्वास्थ्य विभाग में संपर्क करना होगा। ऑफ लाइन मार्केटिंग के अलावा हमें ऑनलाइन माध्यमों से भी अपने उत्पाद को सबकी पहुंच में लाना होगा। यह इसलिए क्योंकि उत्पादन बढ़ाने और लाभ प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारे उत्पाद को अधिक-से-अधिक लोग जानें। शासकीय-अशासकीय मेडिकल संस्थानों में सर्जिकल बैंडेज की मांग बनी रहने के साथ-साथ शासकीय खरीद कार्यक्रम के माध्यम से भी सर्जिकल बैंडेज क्रय की जाती है। वर्तमान तथा भविष्य की अनुमानित खपत को देखते हुए सर्जिकल बैंडेज निर्माण की इकाइयां तहसील स्तर पर भी स्थापित की जा सकती हैं।

- सीमा श्रीवास्तव

(लेखिका राजधानी के प्रतिष्ठित महाविद्यालय में काउंसलर हैं।)

नॉलेज टॉक : ग्लोबल स्किल पार्क में एचवीएसी इंडस्ट्री के लिए ज्ञान का अनोखा संगम

भोपाल, संत शिरोमणी रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में आईएसएचआरएइ भोपाल चैप्टर के सहयोग से आयोजित नॉलेज टॉक और वर्कशॉप सीरीज सफलतापूर्वक संपन्न हुई। एचवीएसी उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों से 140 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया, जिसमें आरएसी और एमइएस कोर्स के छात्रों के साथ-साथ अन्य तकनीकी पाठ्यक्रमों के प्रधान प्रशिक्षक, प्रशिक्षण अधिकारी, ओइएम और प्रमुख निर्माण कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर आईएसएचआरएइ भोपाल टीम के अध्यक्ष, चेयरमैन और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इस ज्ञानवर्धक सत्र में एचवीएसी (वीआरएफ) तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास और उद्योग तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने वीआरएफ सिस्टम के उपयोग, ऊर्जा दक्षता, आधुनिक सुविधाओं और अनुकूलन के तरीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को अपने कौशल को और अधिक निखारने तथा उद्योग में नई संभावनाओं को समझने का अवसर मिला। छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए यह एक विशेष मंच रहा, जहां उन्होंने विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया और उद्योग जगत के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों के साथ नेटवर्किंग का मौका भी मिला। आईएसएचआरएइ और संत शिरोमणी रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के इस सहयोग से यह आयोजन एचवीएसी उद्योग के लिए एक अच्छा कदम है।

उल्लेखनीय है कि आईएसएचआरएइ, इंडियन सोसायटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एण्ड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स है।

'लाड़ली बहना योजना' में बहनों को दी जा रही राशि में की जायेगी वृद्धि

इंदौर, लाड़ली बहना योजना सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन की एक बड़ी पहल है। इस योजना की शुरुआत में पात्र लाड़ली बहनों को एक हजार रुपये प्रतिमाह दिये गये। इसके बाद यह राशि बढ़ाकर 1250 रुपये प्रतिमाह की गई। इस राशि में आगे और भी वृद्धि की जायेगी। नारी सशक्तिकरण के लिए राज्य शासन द्वारा महिलाओं को एक और सौगात दी जा रही है। अब शासकीय सेवाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत का आरक्षण मिलेगा। यह नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। मध्यप्रदेश नारी सशक्तिकरण की दिशा में नया मुकाम हासिल कर रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना के तहत 1.29 करोड़ बहनों को नवम्बर माह की किश्त के रूप में 1573 करोड़ रुपये अंतरित करते हुए कहीं।

- **प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित किये 1573 करोड़ रुपये**
- **सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 55 लाख हितग्राहियों के खाते में अंतरित हुए 333 करोड़ रुपये**

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 55 लाख हितग्राहियों के खाते में 333 करोड़ रुपये और 26 लाख लाड़ली बहनों के खाते में गैस सिलेंडर रिफिल के लिए 55 करोड़ रुपये की राशि भी अंतरित की। यह राशि लोकमाता अहिल्या देवी की 300वीं जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नारी शक्ति के शस्त्र कला प्रदर्शन कार्यक्रम शौर्य वीरा में अंतरित की गई। इस मौके पर देश में पहली बार हजारों बालिकाओं और महिलाओं द्वारा एक साथ, एक समय, एक स्थान पर सामूहिक तलवारबाजी का प्रदर्शन कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण का गौरवशाली इतिहास रहा है। प्रदेश की अनेक वीरांगनाओं ने देश के स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा में अहम योगदान दिया है। नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत का गौरव विश्व में जाना जाता है। नारी सशक्तिकरण देश की पहचान है।

मुख्यमंत्री ने राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय पहुंचकर किया प्रोत्साहित

डिजिटल अरेस्ट तथा साइबर क्राइम की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साइबर क्राइम को लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों के साथ चर्चा की

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश की साइबर पुलिस को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट या अन्य साइबर क्राइम की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी जागरूकता, साइबर जालसाजों का साहस के साथ सामना और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इन अपराधों से बचा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी लोगों को इस दिशा में जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गत दिवस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में डिजिटल अरेस्ट से बचाने के उपाय बताते हुए कहा था कि डिजिटल अरेस्ट से डरे नहीं, रुकें, सोचें तथा एक्शन लें।

डिजिटल अरेस्ट से डरने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री ने साइबर अपराध में पुलिस टीम द्वारा दिखाई गई तत्परता की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय और प्रेरणादायक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसामान्य प्रायः सीबीआई, ईडी आदि की कार्यवाही से अनभिज्ञ रहता है और चालाक अपराधी ऐसे लोगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं।

- **जागरूकता और त्वरित कार्यवाही साइबर जालसाजों से बचने में कारगर**
- **मुख्यमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट घटना में साइबर पुलिस की दक्षतापूर्ण कार्यवाही को सराहा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में साइबर पुलिस को हाईटेक बनाने के लिए कार्य जारी है। प्रत्येक जिले में साइबर थाना आरंभ करने के साथ ही प्रदेश के प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित की जा रही है।

साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 को भी अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। प्रदेश में व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता अभियान चलाकर साइबर अपराध रोकथाम के उपायों की जानकारी जन-जन को दी जाएगी।

मध्यप्रदेश में पिछले 5 वर्षों में लगभग 259 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लगभग 24,000 पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी, लोक अभियोजन अधिकारी प्रशिक्षित किये गये हैं। लगभग 4700 साइबर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 31 लाख नागरिकों को जागरुक किया गया।

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के मड़ई में शुरू हुई प्रथम सोलर बोट

भोपाल, वन विभाग ने राज्य सरकार की सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। नर्मदापुरम जिले के मड़ई स्थित सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के पर्यटकों के लिये सोलर बोट का संचालन शुरू किया गया है। प्रदेश की यह पहली बोट होगी, जो सौर ऊर्जा से संचालित होगी।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-प्राणी और क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व श्रीमती राखी नंदा ने 10 नवम्बर को सोलर बोट का उद्घाटन किया। सोलर बोट की क्षमता 12+1 व्यक्तियों की है, जिसमें 2 KW के सोलर पैनल, 8 KW के दो इलेक्ट्रिक इंजिन, 16.5 KWH क्षमता की 2 लिथियम ऑयन बैटरी सिस्टम से लैस है।

बाल सभा के लिये 14 हजार 250 शिक्षकों को दिया गया है प्रशिक्षण

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों के 21वीं शताब्दी के कौशल उन्नयन पर जोर दिया गया है। इसके लिये प्रदेश के सरकारी हाई स्कूल और हायर सेकेण्ड्री स्कूलों में प्रति सप्ताह शनिवार को बाल सभा में कन्टीन्यूअस एण्ड कॉम्प्रिहेंसिव लर्निंग एण्ड एवोल्यूशन (सीसीएलई) प्रोग्राम को समाहित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यार्थी आनंदमयी वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सक्रिय नागरिक के रूप में राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निर्वहन कर सकें। कार्यक्रम में स्कूलों में सतत् और व्यापक शिक्षा के माध्यम से पूरे वर्ष विभिन्न सह शैक्षिक और सह पाठ्यक्रम पर केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास ई-ऑफिस प्रणाली में अग्रणी

भोपाल, मध्यप्रदेश के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग ने डिजिटल कार्यप्रणाली में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

सचिव श्री रघुराज राजेंद्रन ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली में अब मंत्री स्तर तक सभी फाइलें और दस्तावेज डिजिटल प्रारूप में संचालित होंगे, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और गति भी आएगी। इसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होगी।

सरकार ने निर्णय लिया है कि 1 जनवरी 2025 से मंत्रालय में मैनुअल फाइलों का प्रयोग पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ई-ऑफिस प्रणाली के लागू हो जाने से कागज की खपत में कमी आएगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। सरकार की यह पहल राज्य में न केवल आधुनिक प्रशासनिक बदलाव लाएगी, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगी।

ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों की डिजिटल रूप में निगरानी की जाएगी, जिससे कार्य में देरी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इस प्रणाली के लागू होने से मंत्रालय स्तर पर फाइलों का संचालन अधिक सुगम और तेज होगा। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने यह पहल कर अन्य विभागों के लिए एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कदम एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे राज्य में कागज के उपयोग में भारी कमी आएगी। ई-ऑफिस प्रणाली को तीन चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें पहले चरण में मंत्रालय स्तर पर 1 जनवरी से कार्यान्वयन होगा, दूसरे चरण में संचालनालयों में, और तीसरे चरण में जिलों में इसे अपनाया जाएगा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-ऑफिस के माध्यम से प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि इस नई प्रणाली को सुगमता से अपनाया जा सके।

तकनीकी शिक्षा विभाग की यह पहल न केवल प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्पूर्ण कदम है।

कुपोषण से मुक्ति के लिये झाबुआ में अभिनव पहल

झाबुआ, प्रदेश सरकार कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए, निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न नवाचारों और प्रयासों से कुपोषण के खिलाफ पिछले 20 वर्षों में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में झाबुआ जिले में कुपोषण से मुक्ति के लिये अभिनव पहल की गई है। कुपोषण मुक्त झाबुआ बनाने के लिये प्रोजेक्ट के तौर पर तीन माह में गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) से ग्रसित बच्चों को सामान्य पोषण स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। कुपोषण मुक्ति के प्रोजेक्ट को आकर्षक और आसानी से समझाने के उद्देश्य से 15 दिवस के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दौरान 'मोटी आई' यानि (स्वस्थ बच्चे की माता) की जोड़ी बना कर जागरूक किया जा रहा है।

चिकित्सा के क्षेत्र में न्यूरोलॉजिस्ट की अहम भूमिका

भोपाल, एमपी सीजी न्यूरो सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन न्यूरोकोन सोनकोन-2024 को वर्चुअली संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में न्यूरोलॉजिस्ट की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में तेज़ी से विस्तार हुआ है। पहले जहां कुछ गिनती के ही मेडिकल कॉलेज थे, वहीं प्रदेश में बड़ी संख्या में नए मेडिकल कॉलेज आरंभ हुए है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मंदसौर, नीमच और सिवनी में मेडिकल कॉलेजों का शुभारंभ किया गया है। प्रदेश में कई मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न स्थानों से आए हुए न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टरों को अतिथि

की संज्ञा देते हुए उन्हें उज्जैन के भौगोलिक और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से भी बताया। उन्होंने भस्मारती के महत्व के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि भस्मारती एक तरह से जीवन के सृजन और विसर्जन का प्रतिरूप है। उज्जैन के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उज्जैन विज्ञान की नगरी रही है। यह शहर प्राचीन समय में काल गणना का केंद्र रहा है। वर्तमान में उज्जैन में साइंस सिटी भी विकसित की जा रही है। यहां आईटी का सैटेलाइट कैंपस भी प्रारंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में आने वाले समय में मेडिकल टूरिज़्म बढ़ेगा, क्योंकि यहां पर उच्च श्रेणी की चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी।

डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की पावन नगरी में ऐसी महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस का आयोजन हमारे लिए गौरव की बात है। यह सम्मेलन निश्चित रूप से राज्य में न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री के संकल्प से हो रही है एकीकृत समग्र पोर्टल के निर्माण की पहल

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा और उनके मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में रोज़गार और स्व-रोज़गार सृजन को गति देने के लिए एकीकृत समग्र पोर्टल का निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प का उद्देश्य रोज़गार एवं स्व-रोजगार से जुड़ी समस्त योजनाओं को एक मंच पर लाकर युवाओं, महिलाओं, किसानों और उद्यमियों को एक सुलभ और एकीकृत समाधान प्रदान करना है। इस दिशा में विगत दिवस संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल्स पार्क में सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार श्री रघुराज राजेंद्रन की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें रोज़गार और स्व-रोज़गार से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने 19 अक्टूबर, 2024 की समीक्षा बैठक में सभी विभागों को अपने रोज़गार एवं स्व-रोज़गार से संबंधित पोर्टल्स को राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने और उन्हें हर्ष पोर्टल से इंटीग्रेट करने के निर्देश दिए थे, जिसके अनुपालन में शीघ्र ही समग्र पोर्टल बनाया जाएगा। इस समग्र पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी, जिससे रोज़गार सृजन के अवसरों को प्रदेश भर में सरलता से प्रचारित और सुलभ बनाया जा सकेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

दिव्यांगजनों के सामान्य जीवनयापन के लिये सरकार हर तरह की करेगी मदद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया

इंदौर, सरकार दिव्यांगजनों के सामान्य जीवन यापन के लिये हर तरह की मदद के लिये तत्पर है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार आदि क्षेत्र में इन वर्गों के लोगों ने सदैव ही अपना परचम लहराया है। इतिहास के प्रसिद्ध शास्त्रार्थी अष्टावक्र, सूरदास, संगीतकार रविन्द्र जैन हों या संत रामभद्राचार्य, सभी ने दिव्यांगता को धता बता अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हमारी सरकार दिव्यांगजनों को अवसर प्रदान करने के लिये संकल्पित है। यह प्रसन्नता का विषय है कि शासकीय सेवा में आने वाले दिव्यांगजन पूरी दक्षता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक संभागीय कमिश्नर दिव्यांग होने के बाद भी पिछले 6 माह से अपने दायित्वों का उत्कृष्टतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। सरकार दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण का मौका दिये जाने पर ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि जीवन का नाम ही संघर्ष है। इस संघर्ष में विजयी होने के लिये सरकार सदैव ही दिव्यांगजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने दिव्यांगों और महिलाओं के लिये शासकीय सेवा में आरक्षण नियमों का भी जिक्र किया।

मुख्यमंत्री कहा कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है, जिसने महिलाओं को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया है। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा आजीविका के लिये प्रोत्साहन और मदद का भी भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री ने इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार में आयोजित कार्यक्रम में इंदौर के 470 दिव्यांगजनों को लैपटॉप, मोट्रेट ट्राईसिकल सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किये। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्हें आत्म-सम्मान से जीवन-यापन करने के लिए राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार की एडिप योजना तथा अवंतिका गैस एजेन्सी के सीएसआर के साथ भारतीय रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से इंदौर जिले के 155 दिव्यांगजनों को मोट्रेट ट्राइसाइकल, निःशक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 81 छात्र-छात्राओं को लैपटॉप, 6 दम्पतियों को मुख्यमंत्री निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता, 130 दिव्यांग वृद्धजनों को डिजिटल श्रवणयंत्र, 99 दिव्यांगजनों को व्हील चेयर, सी.पी. चेयर, बैसाखी और कैलीपर्स दिये गये। जिले के कुल 470 दिव्यांगजनों को 1 करोड़ 33 लाख रुपये की सामग्री का वितरण किया गया। इसके अलावा कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रारंभ किये गए सशक्त दिव्यांग रोज़गार पोर्टल के माध्यम से चयनित पांच दिव्यांगजनों को नियुक्ति-पत्र भी सौंपे गये। आरंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिव्यांगजनों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें प्रदेश में चल रहे निर्माण कार्य

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य अधोसंरचनात्मक विकास परियोजनाओं और मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्यों की व्यापक समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य अधोसंरचना का निर्माण नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि ये अधोसंरचनाएं जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायक बनें। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों के साथ-साथ एचआर और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था भी करें, ताकि इन सुविधाओं का लाभ आम जनता को शीघ्र प्राप्त हो सके। उन्होंने सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के साथ पूरा करने के निर्देश दिये, ताकि लागत में अनावश्यक वृद्धि पर रोक लगाई जा सके और आमजन को शीघ्रातिशीघ्र इन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य प्राथमिकता से करें पूर्ण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वास्थ्य के अधिकार' के लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा तैयार करने के साथ ही मानव संसाधन और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन 8 नए मेडिकल कॉलेजों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनका कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि छात्रों के लिए सीटें बढ़ाई जा सकें। उन्होंने कहा कि समय पर निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से अधिक से अधिक मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी, जो सरकार की प्राथमिकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना के कामों को प्राथमिकता के साथ किया जायेगा पूरा

नरसिंहपुर, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं आसानी से मिल सकें, इसके लिये राज्य सरकार ने अधोसंरचना से जुड़े कामों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिजली सुधार के लिये क्षेत्र में कराये जा रहे कार्यों में तेजी लायी जायेगी।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने ग्राम पंचायत बम्होरीकला में 38.54 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन और ग्राम पंचायत कजरौटा में 7.80 लाख रुपये लागत के आंगनवाड़ी भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बिजली सुधार के लिये 3 सब-स्टेशन बनाने के प्रस्ताव दिये गये हैं। उन्होंने एकीकृत माध्यमिक शाला में फर्नीचर के लिये 2 लाख रुपये, पेयजल व्यवस्था के लिये 50 हजार रुपये और सांस्कृतिक मंच निर्माण के लिये 50 हजार रुपये राशि देने की घोषणा की। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

श्रीमद्भागवत गीता के अमूल्य ज्ञान और प्रेरणा को आत्मसात करें

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह हम श्रीमद्भागवत गीता के अमूल्य ज्ञान और प्रेरणा को अपने जीवन में आत्मसात करें। देश में पहली बार गीता पर आधारित विशेष प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस्कॉन के सहयोग से आयोजित 'मूल्य आधारित शिक्षा प्रतियोगिता' की जा रही है। यह प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं को गीता की अमूल्य शिक्षाओं और जीवन मूल्यों को गहराई से समझने और उन्हें अपने जीवन में उतारने का अद्भुत अवसर प्रदान करेगा।

धान का समर्थन मूल्य 2300 और बाजरा का 2625 रुपये प्रति क्विंटल

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये है। इसी तरह ज्वार मालदण्डी का 3421 रुपये, ज्वार हाईब्रिड का 3371 रुपये और बाजरा का समर्थन मूल्य 2625 रुपये है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी।

श्री राजपूत ने बताया है कि ज्वार एवं बाजरा का उपार्जन 22 नवम्बर से 20 दिसम्बर तक और धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा।

45 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

भारत सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 45 लाख मीट्रिक टन, बाजरा की 3 लाख मीट्रिक टन और ज्वार की 50 हजार मीट्रिक टन की जायेगी। गोदाम स्तर पर खाद्यान्न की गुणवत्ता का परीक्षण उपार्जन एजेंसी के गुणवत्ता सर्वेयर द्वारा स्टेक लगाने के पहले किया जायेगा। परिवहनकर्ता द्वारा समय-सीमा में उपार्जित खाद्यान्न का परिवहन नहीं करने पर पेनाल्टी की व्यवस्था साप्ताहिक रूप से की जायेगी।

भुगतान व्यवस्था

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लाई जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

पंजीयन एवं उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिये जिले में एक तकनीकी सेल का गठन किया जायेगा। राज्य स्तर पर भी तकनीकी सेल का गठन किया जायेगा।

विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने जानी ग्लोबल स्किल्स पार्क की विशेषता

भोपाल, विभिन्न देशों के तकनीकी विशेषज्ञों ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल में देखा हुनर को कैसे तराशा जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का यह संस्थान देश के युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप अत्याधुनिक मशीनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। फिलीपींस, थाईलैंड, पापुआ न्यू गिनी, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार, मंगोलिया, मालदीव, भूटान के राजनयिकों ने ग्लोबल स्किल्स पार्क का भ्रमण कर यहां पर संचालित हो रहे 9 एडवांस्ड कोर्सेज की लैब्स को देखा और इसको सराहा।

पर्यटकों की संतुष्टि हमारी प्राथमिकता

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप 2047 का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करें। विज़न डॉक्यूमेंट में पर्यटन गतिविधियों की विस्तार और निर्माण की योजना बनाएं, जिससे प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ सभी पर्यटकों को उच्च श्रेणी का पर्यटन अनुभव भी मिले। यह निर्देश पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने पर्यटन राज्य विकास निगम में समीक्षा बैठक के दौरान दिए। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि पर्यटकों की संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्यटकों के द्वारा दिए जा रहे रिव्यू का विशेष ध्यान दें। होटल में सुझाव के लिए बॉक्स रखें। अतिथियों की रिव्यू की मॉनिटरिंग के लिए स्टेट लेवल डैशबोर्ड बनाएं। पॉजिटिव रिव्यू को वेबसाइट पर प्रदर्शित करें। निगेटिव रिव्यू को गंभीरता से लेकर होटल की सुविधाओं में सुधार करें।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने निर्देश दिए कि होटल में स्थानीय व्यंजनों को परोसा जाए। क्षेत्रीय और स्थानीय व्यंजनों को मेनू में प्रमुखता से शामिल करें और प्रचारित करें। नर्मदापुरम में होने वाली रीजनल इन्वेस्टर समिट में अतिथियों को स्थानीय और मिलेट व्यंजन परोसे। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए होटलों की संख्या और कमरों में वृद्धि करें। पुराने होटलों का मूल्यांकन कर उन्हें रेनोवेट करने की योजना बनाए। कम ऑक्युपेंसी वाले होटलों और संपत्तियों के उचित निराकरण की योजना बनाए। सैर-सपाटा के आवंटन की प्रक्रिया को एक माह में पूर्ण करें। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि हनुवंतिया प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां अधिक संख्या में होटल और रिजॉर्ट निर्माण की योजना बनाएं।

अच्छा कार्य करने वाले मिलर्स को करें प्रोत्साहित

भोपाल, अच्छा कार्य करने वाले मिलर्स को प्रोत्साहित करें और नियमानुसार कार्य नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह निर्देश मिलर्स नीति और धान, ज्वार, बाजरा की उपार्जन नीति की समीक्षा के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि मिलर्स द्वारा लापरवाही करने पर उनकी अमानत राशि राजसात करने की कार्रवाई करें। श्री राजपूत ने मिलर्स से समय पर धान की मिलिंग कर एजेंसियों के पास चावल जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उपार्जन केन्द्र पर हों सभी सुविधाएं

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिये सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुविधायुक्त उपार्जन केन्द्रों की फोटो बुलवाएं। क्वालिटी कंट्रोल पर पूरा ध्यान दें। क्वालिटी चेक करने वाले सर्वेयर पर भी नजर रखें। श्री राजपूत ने कहा कि सर्वेयर का नया कैडर बनाने का प्रस्ताव तैयार करें।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने की मिलर्स और उपार्जन नीति की समीक्षा

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने निर्देश दिये कि वर्ष 2024-25 की मिलिंग नीति को जारी करने से पहले छोटे तथा बड़े मिलर्स एवं उपार्जन कार्य में पहली बार शामिल हो रही केन्द्र सरकार की संस्था एनसीसीएफ एवं केन्द्रीय भण्डार के लिये प्रदेश में अनुकूल और सहयोगात्मक वातावरण बनाया जाये।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

किसी भी पद पर रहें 'मित्रता भाव' हमेशा बनाए रखना - मुख्यमंत्री

कोटा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्थान के कोटा जिले में एलन शिक्षण संस्थान के समुन्नत भवन में विद्यार्थियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को अपना जुनून हमेशा कायम रखना चाहिए। इच्छाशक्ति जितनी दृढ़ होगी, लक्ष्य उतना ही आसान होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी पद पर पहुंचे, मित्रता का प्रेमभाव हमेशा बनाए रखना। इसका सबसे अच्छा उदाहरण श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती का है। उनकी दोस्ती 11 वर्ष की उम्र में हुई थी और जब वे द्वारका के राजा बने तब भी उनकी दोस्ती ने दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में पहली बार विधायक बनने के साथ ही मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे। मुख्यमंत्री के बाद वे पहली बार सांसद बनें और पहली बार में ही देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद लगातार सांसद बने और प्रधानमंत्री भी। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक भी बनाई। आर्थिक दृष्टि से गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने अपने शैक्षणिक काल से ही अपना लक्ष्य समाज सेवा के रूप में निर्धारित किया था। वर्ष 1982 में मेरा चयन मेडिकल कॉलेज के लिए हो गया था, परंतु समाज सेवा के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मैंने मेडिकल में प्रवेश न लेते हुए, बीएससी की उपाधि प्राप्त की। मैं यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट रहते हुए राजनीति में सक्रिय रह सका। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मूल मंत्र हैं, जिन्हें विद्यार्थियों को आत्मसात करना चाहिए। पर्याप्त नींद लें, नियमित रूप से व्यायाम करें और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

कक्षा-6 से 8 तक के स्कूलों में माह में कम से कम एक शनिवार को होगा बैगलेस-डे

भोपाल, मध्यप्रदेश में कक्षा-6 से 8 तक पढ़ने वाले बच्चों का समग्र विकास हो, इसके लिये बैगलेस-डे के दिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने का निर्णय स्कूल शिक्षा विभाग ने लिया है। इस दिन बच्चों के बीच पढ़ाई के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं व्यावहारिक गतिविधियां की जायेंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला शिक्षाधिकारियों और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश जारी किये हैं। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे 21वीं सदी के कौशल से परिचित हो सकें, इसके लिये कक्षा-6 से 8 तक के स्कूल के बच्चों के लिये प्रत्येक माह में न्यूनतम एक शनिवार को बस्ता-विहीन दिवस का आयोजन हो। इन दिवसों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी जाये।

बैगलेस-डे के लिये शाला के प्राचार्य एवं शिक्षकों को चर्चा कर गतिविधियों का कैलेण्डर तैयार करने के निर्देश दिए। गतिविधियों की जानकारी 'एचडी जिओ टैगी फोटोग्रॉफ' राज्य शिक्षा केन्द्र के ई-मेल आईडी rsk.curriculum@gmail.com पर भेजने के लिये कहा गया है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न

औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई में 214.42 एकड़ भूमि को शामिल किये जाने की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक को संबोधित किया

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा विद्युत एवं नवीकरणीय उर्जा उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र (औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई जिला नर्मदापुरम) का क्षेत्रफल विस्तार किये जाने का निर्णय लिया गया। निर्णय अनुसार विद्युत एवं नवीकरणीय उर्जा उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र के लिए आरक्षित 227.54 एकड़ क्षेत्रफल में औद्योगिक क्षेत्र मोहासा बाबई की 214.42 एकड़ भूमि को शामिल किया गया है। इसके बाद पार्क का कुल क्षेत्रफल 441.96 एकड़ हो जायेगा।

मंत्रिपरिषद ने सौर सह अन्य नवीकरणीय, अक्षय ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र की स्थापना के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल को ग्राम भौरी जिला भोपाल स्थित 21.494 हेक्टयर भूमि आवंटित करने की स्वीकृति दी। संस्थान विशुद्ध एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। प्रस्तावित अनुसंधान केन्द्र का प्रमुख उद्देश्य सोलर सेल की दक्षता में वृद्धि करना, ऊर्जा के नुकसान को कम करने

- **सौर सह अन्य नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति**
- **30 जून और 31 दिसम्बर को सेवानिवृत या होने वाले शा. सेवकों के हित में निर्णय**
- **वाणिज्यिक कर विभाग को नवीन भवन हस्तांतरित करने का निर्णय**

के साथ पवन ऊर्जा सहित नवकरणीय ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों में विश्वस्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा।

मंत्रिपरिषद द्वारा 30 जून अथवा 31 दिसम्बर को सेवानिवृत शासकीय सेवकों को पेंशन निर्धारण के लिये काल्पनिक रूप से वार्षिक वेतन वृद्धि देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत 30 जून को सेवानिवृत हुए या होने वाले शासकीय सेवकों को 1 जुलाई को निर्धारित काल्पनिक वार्षिक वेतन वृद्धि देय होगी। दिनांक 30 अप्रैल, 2023 की अवधि के लिये बढ़ी हुई पेंशन का भुगतान नहीं किया जायेगा। जिन शासकीय सेवकों द्वारा न्यायालय में रिट याचिकाएं दायर की हैं तथा सफल हुए हैं। उनके संबंध में शासकीय निर्णय के दृष्टिगत ही कार्यवाही करने का निर्णय भी लिया गया।

मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश वित्त निगम द्वारा वाणिज्यिक कर विभाग को 150 करोड़ के हस्तांतरण मूल्य पर इंदौर स्थित नवनिर्मित भवन हस्तांतरण किये जाने का निर्णय लिया।

फैक्ट फाइल

प्रदेश में जनजातियों के हित में लगभग तीन लाख से अधिक वन अधिकार दावे स्वीकृत

मध्यप्रदेश सरकार जनजातियों का कल्याण और उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनजातीय कल्याण के लिये निरंतर होने वाले कार्यों में वनाधिकार प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। जनजातीय समुदायों और पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिये वन अधिकार अधिनियम- 2006 लागू किया गया था। प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2008 से इसका क्रियान्वयन किया जा रहा है।

इस अधिनियम के अंतर्गत वन अधिकार दावों का पात्रता अनुसार निराकरण होता है। इसमें वन क्षेत्रों में निवास करने वाली जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासी अपने पुश्तैनी निवास और कृषि भूमि पर मालिकाना हक हासिल कर सकते हैं। इन्हें जंगलों के संसाधनों और वनोपज पर अधिकार दिया गया है। ये लकड़ी, फल, शहद, जड़ी-बूटी आदि का संग्रहण कर सकते हैं। सामुदायिक स्तर पर वे जंगल की भूमि और अन्य संसाधनों का संरक्षण और प्रबंधन भी कर सकते हैं।

उपलब्धि

- **प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम-2006, जनवरी 2008 से हुआ क्रियान्वित।**
- **2 लाख 75 हजार 352 से अधिक वन अधिकार दावे स्वीकृत।**
- **29 हजार 996 सामुदायिक वन अधिकार दावों को मिली स्वीकृति। अभी तक 792 वन ग्राम बने राजस्व ग्राम।**

वन अधिकार धारकों को लाभ

- **अब तक 55 हजार 357 वन अधिकार धारकों को कपिलधारा कूप का लाभ।**
- **58 हजार 796 को भूमि सुधार, मेंढ़-बंधान।**
- **1 लाख 86 हजार 131 धारक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभान्वित।**
- **21 हजार 514 वन अधिकार धारकों को किसान क्रेडिट कार्ड का मिला लाभ।**
- **61 हजार 54 को प्रधानमंत्री आवास का लाभ।**

ग्राम सभा द्वारा दावों की पुष्टि

यह अधिनियम वनवासियों को व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों तरह के अधिकार प्रदान करता है। ग्राम सभा द्वारा जनजातियों के दावों की पुष्टि के साथ उन्हें मंजूरी दी जाती है। इसके तहत सरकार की अनुमति के बिना वन क्षेत्रों से विस्थापन नहीं किया जा सकता है। स्थानीय समुदायों को वन क्षेत्रों के संरक्षण में भागीदारी का अधिकार मिलता है। इस अधिनियम ने वनवासियों को उनके पूर्वजों की भूमि पर अधिकार दिया है, जिससे उनके जीवन-यापन के साधनों को मजबूती मिली है। वन अधिकार अधिनियम से वनवासियों की आजीविका में सुधार आया है और इससे इन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने का अधिकार मिला है।

सभी जिलों का फॉरेस्ट रिसोर्सेस राइट्स (एफआरए) एटलस तैयार

केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम के पोटेंशियल एरिया की मैपिंग के लिए प्रदेश के सभी जिलों का एफआरए एटलस भी तैयार कर लिया गया है। एफआरए एटलस की सहायता से सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन के सामुदायिक अधिकारों सहित अन्य जरूरी अधिकारों को भी कानूनी मान्यता देने की कार्यवाही की जा रही है।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

संजय कुमार वर्मा

महाराष्ट्र के नए पुलिस महानिदेशक बने

भारत निर्वाचन आयोग ने वरिष्ठ (आईपीएस) अधिकारी संजय कुमार वर्मा को महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। उन्होंने निवर्तमान डीजीपी रश्मि शुक्ला की जगह ली। संजय कुमार वर्मा वर्ष 1990 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। निर्वाचन आयोग ने राज्य सरकार से तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम का पैनल मांगा था। पैनल में संजय कुमार वर्मा के अलावा संजीव कुमार सिंघल और रितेश कुमार के नाम शामिल थे।

सुजैन विल्स

व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार अभियान की प्रबंधक सुजैन (सूसी) विल्स को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। सुजैन यह पद संभालने वाली पहली महिला बन जायेंगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सुजैन बुद्धिमान, कड़े निर्णय लेने और नई सोच वाली महिला हैं। वह अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए अथक प्रयास करती रहेंगी। अमेरिका के इतिहास में महिला चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सुजैन का होना सम्मान की बात है।

प्रीति पटेल

ब्रिटेन में शैडो विदेश मंत्री बनीं

ब्रिटेन में भारतीय मूल की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल को नवनिर्वाचित कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बेडेनॉच ने अपना शैडो विदेश मंत्री चुना है। वह हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्षी बेंच पर केमी बेडेनॉच की टीम का हिस्सा होंगी। प्रीति पटेल उन शुरुआती दावेदारों में से एक थीं, जो टोरी प्रमुख और विपक्ष के नेता के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की जगह लेने की दौड़ में आमने-सामने थीं। इसके अलावा केमी बेडेनॉच ने रॉबर्ट जेनरिक को शैडो न्यायिक सचिव और मेल स्ट्राइड को शैडो चांसलर प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

गेरार्डो वर्थीन

अर्जेंटीना के नए विदेश मंत्री बने

अर्जेंटीना में व्यवसायी और पूर्व राजनयिक गेरार्डो वर्थीन नए विदेश मंत्री नियुक्त किए गए हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि राष्ट्रपति जेवियर माइली ने गेरार्डो वर्थीन को विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया है। वह पूर्व विदेश मंत्री डायना मोंडिनो की जगह लेंगे। राष्ट्रपति माइली ने मोंडिनो को 30 अक्टूबर को पद से हटा दिया था। 68 वर्षीय वर्थीन पशुचिकित्सक और व्यवसायी हैं। इससे पहले वर्थीन अमेरिका में अर्जेंटीना के राजदूत के रूप में काम कर चुके हैं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना

देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। उन्होंने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की जगह ली, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 10 नवम्बर को सेवानिवृत्त हो गए हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने उन्हें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति खन्ना का कार्यकाल 6 महीने का होगा, वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। न्यायमूर्ति खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर पर 65 फैसले लिखे हैं, इसके अलावा वह लगभग 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं। न्यायमूर्ति खन्ना ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की है। वह राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

जनरल लुओंग कुओंग

वियतनाम के राष्ट्रपति नियुक्त हुए

वियतनाम की संसद ने पूर्व सैन्य जनरल लुओंग कुओंग को देश का राष्ट्रपति नियुक्त किया है। संसद में मौजूद सभी 440 सांसदों ने उनकी नियुक्ति का समर्थन किया। 67 वर्षीय कुओंग पूर्व राष्ट्रपति टू लैम की जगह लेंगे। टू लैम अगस्त माह में सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में नियुक्त होने के बाद भी राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वियतनाम में पिछले 18 महीनों में चौथी बार राष्ट्रपति पद पर नियुक्ति हुई है। लुओंग कुओंग वर्ष 1975 में वियतनाम की सेना में शामिल हुए थे और वर्ष 2006 में जनरल बने थे। वह वर्ष 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य बने थे।

इजराइल काट्ज

इजराइल के नए रक्षा मंत्री नियुक्त

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजराइल काट्ज को देश का नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। वह योव गैलेंट की जगह लेंगे। गैलेंट को इजराइली प्रधानमंत्री ने पद से बर्खास्त कर दिया है। हमास युद्ध के कारण नेतन्याहू और गैलेंट के बीच काफी मतभेद हो गए थे। इससे पहले काट्ज विदेश मंत्री पद पर पदस्थ थे। अब काट्ज की जगह गिदोन सा'आर देश के नए विदेश मंत्री बनाए गए हैं। काट्ज नेतन्याहू की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के सदस्य हैं और वर्ष 1998 से नेसेट (इजराइल की संसद) के सदस्य हैं। काट्ज ने पिछले दो दशकों में कृषि, परिवहन, इंटेलिजेंस, वित्त और ऊर्जा सहित कई विभागों के मंत्री के रूप में काम किया है।

हरमनप्रीत कौर

महिला बिग बैश लीग की टीम ऑफ द डिकेड के लिए हुईं शॉर्टलिस्ट

ऑस्ट्रेलिया की घरेलू ट्वेंटी-20 क्रिकेट लीग महिला बिग बैश (डब्ल्यूबीबीएल) ने टीम ऑफ द डिकेड के लिए 50 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इन खिलाड़ियों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं। डब्ल्यूबीबीएल ने बताया कि टीम ऑफ द डिकेड के लिए 12 खिलाड़ियों के नाम एक चयन समिति तय करेगी। टीम ऑफ द डिकेड में उन्हीं खिलाड़ियों के नाम पर विचार किया जाएगा जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल के मौजूदा सीजन से पहले कम से कम 60 मैच खेले हों। हरमनप्रीत कौर ने डब्ल्यूबीबीएल में अब तक कुल 62 मैच खेले हैं। वह डब्ल्यूबीबीएल में दो टीमों मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर्स के लिए खेल चुकी हैं।

नासा ने

दो आकाशगंगाओं का वीडियो किया जारी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने दो आकाशगंगाओं के

मिलन का वीडियो जारी किया है, जो अंतरिक्ष में लाल आंखों जैसा आकार बना रही हैं। नासा ने बताया कि इन आकाशगंगाओं का नाम आईसी 2163 और एनजीसी 2207 है। यह पृथ्वी से लगभग 80 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर है। इन आकाशगंगाओं को रक्त लोहित आंखें कहा जाता है। नासा ने कहा कि इन दोनों आकाशगंगाओं में बड़ी संख्या में तारे जन्म लेते हैं।

आंद्रेस गार्डाडो

मैक्सिको के फुटबॉलर ने लिया संन्यास

मैक्सिको के अनुभवी फुटबॉलर और पूर्व कप्तान आंद्रेस गार्डाडो ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की है। गार्डाडो लीगा एमएक्स सीजन के खत्म होने के बाद संन्यास लेंगे। गार्डाडो ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संन्यास की जानकारी देते हुए कहा कि मैंने इस सीजन के आखिर में फुटबॉल से संन्यास लेने का फैसला किया है। गार्डाडो ने 14 दिसंबर 2005 को हंगरी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में कदम रखा था। उन्होंने आखिरी मैच इस वर्ष 15 अक्टूबर को अमेरिका के खिलाफ खेला था। गार्डाडो ने मैक्सिको के लिए कुल 180 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले और 28 गोल किए हैं।

राकेश गंगवाल

साउथवेस्ट एयरलाइंस के चैयरमैन नियुक्त

विश्व के जाने-माने उद्योगपति और इंडिगो एयरलाइन्स के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल को अमेरिकी विमानन कंपनी साउथवेस्ट एयरलाइन्स का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। गंगवाल इस वर्ष जुलाई माह में साउथवेस्ट एयरलाइन्स के बोर्ड में शामिल हुए थे। बोर्ड अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति साउथवेस्ट की ओर से एयरलाइन्स के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक इलियट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के साथ मुद्दों को सुलझाने के एक सप्ताह बाद हुई है। इलियट इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट ने एयरलाइन्स में व्यापक बदलाव की मांग की थी।

रिकी केज और अनुष्का शंकर

ग्रैमी अवॉर्ड के लिए हुए नामित

भारतीय-अमेरिकी संगीतकार रिकी केज और

अनुष्का शंकर को ग्रैमी पुरस्कार के 67वें संस्करण के लिए नामित किया गया है। तीन बार ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुके रिकी केज को 'ब्रेक ऑफ डॉन' के लिए बेस्ट न्यू एज, एम्ब्रिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में चौथी बार नामित किया गया। इस श्रेणी में राधिका वेकारिया की 'वॉरियर्स ऑफ लाइट' तथा संगीतकार चंद्रिका टंडन की 'त्रिवेणी' को भी नामित किया गया है। वहीं अनुष्का शंकर को गायक और गीतकार जैकब कोलियर के गाने 'ए रॉक समव्हेयर' में प्रमुख भूमिका के लिए अतिरिक्त नामांकन मिला है।

स्मृति शेष

लोक गायिका शारदा सिन्हा का निधन

देश की दिग्गज लोक गायिका शारदा सिन्हा का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पद्मश्री और पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित शारदा सिन्हा ब्लड कैंसर से पीड़ित थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। एक अक्टूबर 1952 को बिहार के सुपौल में जन्मीं शारदा ने अपनी सुरीली आवाज से न सिर्फ मैथिली तथा भोजपुरी संगीत को नई पहचान दी, बल्कि छठ पर्व के गीतों को ग्लोबल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में भी गीत गाए हैं।

अमेरिका के संगीतकार क्विंसी जोंस का निधन

अमेरिका के मशहूर संगीतकार क्विंसी जोंस का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह माइकल जैक्सन सहित कई कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने अपने 70 वर्ष के कॅरियर में 28 ग्रैमी अवॉर्ड, दो अकादमी अवॉर्ड और एक एमी अवॉर्ड जीते हैं। जोंस ने माइकल जैक्सन के तीन सफल थ्रिलर म्युजिक एल्बमों का निर्माण किया है। इसके अलावा जोंस ने फ्रैंक सिनात्रा, रे चार्ल्स सहित कई कलाकारों के साथ काम किया है।

गुसाडी नर्तक कनक राजू का निधन

प्रख्यात गुसाडी नर्तक एवं पद्मश्री से अलंकृत लोक कलाकार कनक राजू का निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार थे। कनक राजू को गुसाडी राजू के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने आदिवासी लोक नृत्य गुसाडी को वैश्विक पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कनक राजू के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गुसाडी नृत्य को संरक्षित करने में उनका समृद्ध योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। कनक राजू को गुसाडी नृत्य और जनजातीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए वर्ष 2021 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

प्रमुख शिक्षाविद दीनानाथ बत्रा का निधन

देश के प्रमुख शिक्षाविद दीनानाथ बत्रा का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह शिक्षा बचाओ आंदोलन समिति के राष्ट्रीय संयोजक और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संस्थापक-अध्यक्ष थे। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था विद्या भारती के महासचिव भी रह चुके हैं। उन्होंने देश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई आंदोलन चलाए हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित दीनानाथ बत्रा को कई संस्थाओं ने उनके शैक्षणिक कार्य के प्रति समर्पण के लिए पुरस्कृत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि एक प्रेरणादायक शिक्षक के रूप में बत्रा जी को सदैव याद किया जाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1512

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 588/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 08.11.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 27.11.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_ 347781	कार्यालय मुख्य अभियंता (वि./यां.) एवं अधीक्षण यंत्री (वि./यां.), जल संसाधन मंडल, भोपाल हेतु कम्प्यूटर, फोटोकॉपी मशीन एवं अन्य उपकरणों का अनुरक्षण कार्य।	भोपाल	8.63
2.	2024_WRD_ 347782	सापन उद्वहन सिंचाई योजना, विदिशा हेतु मर्दनपुर एल.आई.एस. 1500 के.वी.ए. 33/0.433 के.वी. पावर ट्रांसफार्मर का सुधार एवं सर्विसिंग कार्य।	भोपाल	8.24
3.	2024_WRD_ 370675	मडोर स्टॉप डेम के सर्वे का कार्य।	निवाड़ी	0.42
4.	2024_WRD_ 375359	जैतपुरी जलाशय का सर्वेक्षण कार्य	डिंडौरी	2.50
5.	2024_WRD 375360	शहपुरा आवासीय भवन का अनुरक्षण एवं रखरखाव कार्य।	डिंडौरी	8.03
6.	2024_WRD_ 375362	डिण्डौरी आवासीय भवन का अनुरक्षण एवं रखरखाव कार्य।	डिंडौरी	10.36
7.	2024_WRD_ 376861	बंजारीपुरा तालाब की नहर का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	1.66
8.	2024_WRD_ 376864	गिद्धवासन तालाब की नहर का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	3.66
9.	2024_WRD_ 378489	राजघाट प्रोजेक्ट के डी.सी.सी. (दतिया केरियर केनाल) का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	दतिया	6.01
10.	2024_WRD_ 378673	माही उपबांध की दांयी तट नहर व टेल वितरिका का वार्षिक साफ-सफाई व अनुरक्षण कार्य।	झाबुआ	6.43
11.	2024_WRD_ 378673	माही परियोजना मुख्य बांध बांयी तट नहर की डेहण्डी, मठ-मठ वितरिका एवं नवापाड़ा, करनगढ़, मठ-मठ उपवितरिकाओं का मरम्मत, वार्षिक साफ-सफाई व अनुरक्षण कार्य।	झाबुआ	10.61
12.	2024_WRD_ 378675	माही परियोजना की बांयी तट नहर की मठ-मठ शाखा नहर, पत्थरपाड़ा वितरिका व टेल वितरिका का वार्षिक साफ-सफाई व अनुरक्षण कार्य।	झाबुआ	7.29
13.	2024_WRD_ 378924	राजीव सागर परियोजना बांयी तट मुख्य नहर के चैन क्रमांक 1015 के दांयी और कुलावा का निर्माण कार्य।	बालाघाट	2.44
14.	2024_WRD_ 379207	सीटी 85 क्रमांक 2 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	1.21
15.	2024_WRD_ 379208	डी 50 ए 15 क्रमांक 34 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	0.86
16.	2024_WRD_ 379209	डी 50 ए 15 क्रमांक 92 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	0.72
17.	2024_WRD_ 379211	सीटी 85 क्रमांक 7 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	1.05
18.	2024_WRD_ 379213	डी 50 ए 15 क्रमांक 35 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	1.07
19.	2024_WRD_ 379214	डी 50 ए 15 क्रमांक 93 के सुधार कार्य हेतु कलपुर्जों का प्रदाय।	भोपाल	0.95
20.	2024_WRD_ 379215	सीटी 85 क्रमांक 2 के सुधार कार्य हेतु।	भोपाल	0.68
21.	2024_WRD_ 379216	डी 50 ए 15 क्रमांक 34 एवं डी 50 ए क्रमांक 92 के सुधार कार्य हेतु।	भोपाल	1.11
22.	2024_WRD_ 379218	सीटी 85 क्रमांक 7 एवं डी 50 ए 15 क्रमांक 35 के सुधार कार्य हेतु।	भोपाल	1.06
23.	2024_WRD_ 379219	डी 50 ए 15 क्रमांक 93 के सुधार कार्य हेतु।	भोपाल	0.99
24.	2024_WRD_ 379582	देवेन्द्र नगर मध्यम जलाशय की नहरों के विभिन्न प्रकार के गेटों का मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	1.79
25.	2024_WRD_ 379583	पवई मध्यम परियोजना की नहर के गेटों पर विद्युत एवं यांत्रिकीय एवं अन्य कार्य।	सागर	3.25
26.	2024_WRD_ 379605	बगदर स्टोरेज लघु जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	बैतूल	0.49
27.	2024_WRD_ 379609	गुदगांव एवं ठेमगांव लघु जलाशय के क्षतिग्रस्त केनाल स्ट्रक्चर एवं जूनवानी लघु जलाशय के स्पील का मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.21
28.	2024_WRD_ 379610	चंदोरा मध्यम परियोजना की मुख्य नहर आर.डी. 0 से 09 कि.मी. के मध्य सुधार एवं मरम्मत कार्य।	बैतूल	4.10
			कुल योग	**99.82**

जी-18794/50252/2024 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय अधिष्ठाता बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर

शिवाजी वार्ड, तिली रोड, सागर (म.प्र.) - 470001

Website : bmcsagar.edu.in, E-mail : deansmc08@yahoo.co.in

फोन नं. 07582-236270, फैक्स नं. - 07582-236457

बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, चिकित्सालय सागर के शिशु रोग विभाग में दैनिक उपयोग हेतु लगने वाली आवश्यक सामग्री के क्रय हेतु खुली निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा का नाम	प्री बिड बैठक दिनांक	निविदा प्राप्त करने की प्रारंभ तिथि	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, चिकित्सालय सागर के शिशु रोग विभाग में दैनिक उपयोग हेतु लगने वाली आवश्यक सामग्री के क्रय हेतु खुली निविदा	20.11.2024	14.11.2024 दोपहर 12.00 बजे से	**07.12.2024** शाम 06.00 बजे तक	09.12.2024 सुबह 11.00 बजे पश्चात

इच्छुक फर्म/संस्था ऑनलाइन वेबसाइट **http://mptender.gov.in** से एवं हमारी वेबसाइट **www.bmcsagar.edu.in** से भी निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा में किये गए किसी भी संशोधन की जानकारी केवल महाविद्यालय की वेबसाइट पर ही उपलब्ध कराई जावेगी।

अधिष्ठाता

जी-18893/50256/2024 **बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग रायसेन (म.प्र.)

ईमेल : eepwdraisen@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 07482-222051

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 09/व.ले.लि./रायसेन/2024-25 **रायसेन, दिनांक : 06.11.2024**

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2024_PWDRB_ 380589_1	रायसेन	व्हाईट टापिंग कार्य	छीन्द पहुंच मार्ग पर व्हाईट टॉपिंग कार्य	द्वितीय	433.87	
				योग -		**433.87**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **19.11.2024,** (17.30) बजे अंतिम तिथि निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-18895/50257/2024 **लोक निर्माण विभाग, रायसेन संभाग रायसेन**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

नया भोपाल संभाग लोक निर्माण विभाग भोपाल (म.प्र)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 13/व.ले.लि./2024-25 **भोपाल, दिनांक: 11.11.2024**

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण **वेबसाइट mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नामः 1. नया भोपाल संभाग, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत ई-1 से ई-4 अरेरा कॉलोनी, सीपएपीटी कान्हासैया एवं अन्य मार्गों पर फर्निसिंग एवं बी.टी.नवीनीकरण का कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि
2024_PWDRB_381798_1	प्रथम आमंत्रण	499.51	499510.00
क्र. एवं कार्य का नामः 2. नया भोपाल संभाग, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत 45 बंगलो नार्थ टी.टी नगर, माइनर मार्ग क्र. 1 से 6, लिंक रोड क्र. 3 एवं शिवाजी नगर के पहुंचमार्ग, 60 फिट चौड़ी सड़क पर फर्निसिंग एवं बी.टी. नवीनीकरण का कार्य।			
2024_PWDRB_381799_1	प्रथम आमंत्रण	399.78	399780.00
क्र. एवं कार्य का नामः 3. उपसंभाग क्र.1 लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.1 (74 बंगलो) स्थित बंगला नं. सी.2, में लघुमूल गौड़ कार्य।			
2024_PWDRB_381800_1	प्रथम आमंत्रण	43.00	50000.00
योग		**942.29**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम **तिथि 29.11.2024** सायं 5.30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी- 18975/50259/2024 **नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)**

विश्व बाल दिवस : 20 नवंबर

बच्चों के लिए, बच्चों के द्वारा मनाया जाने वाला वैश्विक दिवस

विश्व बाल दिवस पर हम अपने परिवार के सबसे छोटे सदस्यों का जश्न मनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1954 में अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित किया था। विश्व बाल दिवस यूनिसेफ का बच्चों के लिए, बच्चों के द्वारा मनाया जाने वाला वैश्विक दिवस है। इसे प्रति वर्ष 20 नवंबर को मनाया जाता है। बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारत में इस वर्ष यूनिसेफ के मानवता को बढ़ावा देने के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। यूनिसेफ का कहना है कि हमारा हर बच्चे के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा और खुशहाली का सपना है। यूनिसेफ ने ऐसी मजबूत नींव रखी है, जिसने बच्चों का उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण किया है। विश्व बाल दिवस के दिन इस बात को पहचानने का भी समय है कि हमारे बच्चों के सामने कितनी बड़ी चुनौतियां हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है 20 नवंबर का दिन?

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सिफारिश की कि सभी देश एक सार्वभौमिक बाल दिवस की स्थापना करें, जिसे बच्चों के बीच विश्वव्यापी भाईचारे और समझ के दिन के रूप में मनाया जाए। उसके बाद 20 नवंबर एक महत्वपूर्ण तारीख बन गई, क्योंकि इसी दिन 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा को अपनाया था। इसी दिन 1989 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन को भी अपनाया था। 1990 से विश्व बाल दिवस उस तिथि की वर्षगांठ पर मनाया जाता है जिस दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर घोषणापत्र और कन्वेंशन को अपनाया था। यह कन्वेंशन इतिहास में सबसे तेजी से और व्यापक रूप से स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संधि है। इस कन्वेंशन ने बच्चों को देखने और उनके साथ व्यवहार करने के तरीके को बदल दिया है। कन्वेंशन की अभूतपूर्व स्वीकृति स्पष्ट रूप से बच्चों के अधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संधि है, जो बच्चों के अनेक अधिकारों का प्रावधान करती है। इन प्रावधानों में जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेलने का अधिकार, साथ ही पारिवारिक जीवन का अधिकार, हिंसा से सुरक्षा, भेदभाव न किए जाने का अधिकार, तथा उनकी बात सुने जाने का अधिकार शामिल है। विश्व बाल दिवस हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने और उनका उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर प्रदान करता है, जो बच्चों के लिए एक बेहतर विश्व का निर्माण करेगा।

यूनिसेफ के रंग में रंग गए झाबुआ और धार के गांव

विश्व बाल दिवस के अवसर पर महत्वपूर्ण इमारतों पर नीली रोशनी की जाती है। इस बार विश्व बाल दिवस पर राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, कुतुब मीनार, हावड़ा ब्रिज जैसी 230 प्रतिष्ठित स्मारकों से लेकर संयुक्त राष्ट्र भवन की सारी इमारतें और 120 बाल देखभाल संस्थान भारत में नीली रोशनी से रंगे गए। विश्व बाल दिवस और बाल अधिकारों के सम्मेलन के महत्व को चिह्नित करने के लिए ऐतिहासिक शहर हैदराबाद में प्रतिष्ठित चारमीनार नीले रंग में रोशन हुई।

मध्यप्रदेश के झाबुआ और धार के गांव यूनिसेफ के नीले रंग में रंग गए। विश्व बाल दिवस पर मध्यप्रदेश में 75 से ज्यादा प्रतिष्ठित ऐतिहासिक इमारतें नीले रंग में रंग गईं। 13वीं सदी का राजसी स्मारक और भारत की शान बना ओडिसा का कोणार्क सूर्य मंदिर नीली रोशनी से नहाया। राजस्थान के जयपुर में शाही हवा महल ने भी विश्व बाल दिवस पर नीले रंग में अद्भुत छटा बिखेरी। मुंबई, महाराष्ट्र का ऐतिहासिक टर्मिनल ट्रेन स्टेशन और यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल विक्टोरिया टर्मिनस जिसे अब छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के नाम से जाना जाता है, बाल दिवस पर बच्चों के अधिकारों के प्रति आवाज उठाने को नीले रंग से सरोबार हुआ।

यूनिसेफ क्या है?

यूनिसेफ अपने हर कार्य में हर बच्चे के अधिकारों और भलाई को बढ़ावा देता है। अपने सहभागियों के साथ यूनिसेफ 190 देशों में कार्यरत हैं। यह संस्था हर जगह, हर एक बच्चे को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम करती है और सबसे विशेष ध्यान उन बच्चों पर देती है जो सबसे ज्यादा वंचित हैं, जोखिम में हैं। यूनिसेफ की रणनीतिक योजना 2022-2025, हर जगह सभी बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिये यूनिसेफ की अनारक्षित प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूनिसेफ यानी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, यह संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है। इसका

मकसद दुनिया के बच्चों और किशोरों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें बेहतर जिंदगी देना है। यूनिसेफ की स्थापना 11 दिसंबर, 1946 को हुई थी। पोलैंड के डॉक्टर लुडविक रॉश्मन ने यूनिसेफ का गठन करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। इसे बनाने का प्रमुख उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध में तबाह हुए देशों में बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना था। पहले इसे संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष कहा जाता था। इस एजेंसी का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये विस्तारित किया गया था। 1953 में यह संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से अंतर्राष्ट्रीय और आपातकालीन शब्द को हटा दिया गया। अब इसका नाम संयुक्त राष्ट्र बाल कोष है लेकिन संक्षिप्त नाम यूनिसेफ ज्यादा प्रचलित है। यूनिसेफ को साल 1965 में शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

जलवायु परिवर्तन से एक अरब से अधिक बच्चों पर जोखिम

यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में एक अरब से अधिक बच्चे, ऐसे देशों में रहते हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के उच्च जोखिम का सामना कर रहे हैं। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे हमारी पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है वैसे-वैसे दुनिया के बच्चों की लगभग आधी आबादी, इस गंभीर समस्या का सामना करेगी, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। लगातार आ रहे तूफानों में बच्चों को अपने घर व स्कूल खोने पड़ सकते हैं, उन्हें गम्भीर कुपोषण और कमजोरी से तकलीफें उठानी पड़ सकती हैं क्योंकि उनकी स्थानीय फसलें सूखे के कारण तबाह हो चुकी होंगी या फिर वो अपनी जिंदगियां हीट वेव या वायु प्रदूषण के कारण होने वाली समस्याओं की भेंट चढ़ाने को मजबूर हो सकते हैं। इसके अलावा बहुत से बच्चों को अनेक बार विस्थापित होना पड़ा है, जिस दौरान उन्हें अपने परिवारों से बिछड़ने के जोखिम का भी सामना करना पड़ा है, जिसमें उनकी शिक्षा के अहम साल व्यर्थ हो गए और उन्हें अपने समुदायों से दूर होना पड़ा है।

भारत में बेहतर है बच्चों की स्थिति

भारत में पिछले कुछ वर्षों में हुए विकास ने वैश्विक मानव विकास में सराहनीय योगदान दिया है। भारत में गरीबी हट रही है, साथ ही साथ नवजात शिशुओं की मृत्यु दर भी कम हो गयी है। अधिकतर महिलाओं का प्रसव अब स्वास्थ्य केन्द्रों में सुरक्षित वातावरण एवं परिवेश में हो रहा है, यही नहीं पहले की तुलना में अब स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों की संख्या में भी काफी कमी आयी है। ये आंकड़े एक ऐसे देश के लिए विशेष उपलब्धि हैं, जो विश्व की आबादी का लगभग छठा हिस्सा है।

भारत में अन्य देशों की तुलना में दुनिया की सबसे ज्यादा किशोर आबादी जो वर्तमान में 25.3 करोड़ है और यहां हर पांचवां व्यक्ति 10 से 19 साल के बीच है। गौरतलब है कि भारत को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से इस बात का लाभ मिल सकता है, यदि यहां बड़ी संख्या में मौजूद किशोर आबादी सुरक्षित, स्वस्थ, शिक्षित हो और देश के विकास को गति देने के लिए सूचना और कौशल से परिपूर्ण हो।

भारत और यूनिसेफ से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1989 में वैश्विक नेताओं ने बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को अपनाकर दुनिया के बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक प्रतिबद्धता जताई थी। उस सम्मेलन में बताया गया था कि बच्चे कौन हैं, उनके सभी अधिकार क्या हैं और सरकारों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? सभी अधिकार आपस में जुड़े हुए हैं, वे सभी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और उन्हें बच्चों से नहीं छीना जा सकता।
- **बुनियादी सहयोग समझौता :** भारत सरकार और यूनिसेफ के बीच संबंधों की शुरुआत को चिह्नित करने वाले बुनियादी सहयोग समझौते पर 10 मई 1949 को हस्ताक्षर किए गए थे।
- **भारत का पहला पेनिसिलिन संयंत्र:** भारत का पहला पेनिसिलिन प्लांट 1940 में पिंपरी में स्थापित किया गया, यह औषधि एवं फार्मास्युटिकल क्षेत्र में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम था। यूनिसेफ ने उपकरण और तकनीकी सहायता प्रदान की थी।
- **मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट में मदद :** 1954 में यूनिसेफ ने भारत सरकार को मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने में मदद की। 10 वर्षों में यूनिसेफ की सहायता वाले भारत में 13 प्लांट थे। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है।
- **पोषण को बढ़ावा :** WHO और FAO के सपोर्ट से 1963 में यूनिसेफ ने राष्ट्रव्यापी पोषण कार्यक्रम शुरू करने के लिए भारत सरकार के साथ काम किया था। नवजात शिशुओं, गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए सरकार ने 1975 में आईसीडीएस योजना शुरू की। अब इस योजना का 4 करोड़ से ज्यादा बच्चे लाभ उठाते हैं।
- **जल क्रांति :** 1970 के दशक में भारत को स्थानीय बने मजबूत और आसान रख-रखाव वाले हैंडपंप की जरूरत थी। तब यूनिसेफ ने भारत की इंजीनियरिंग कंपनी के साथ मिलकर इंडिया मार्क II बनाने पर काम किया था।
- **स्वच्छ भारत मिशन :** 2019 तक स्वच्छ भारत मिशन ने 10.5 करोड़ घरेलू शौचालय उपलब्ध कराये, जिससे 52.5 करोड़ लोगों को शौचालय की सुविधा मिली। यूनिसेफ स्वच्छ भारत मिशन का भागीदार है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

ग्वालियर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर की जेसी मिल परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने नक्शे के माध्यम से जेसी मिल की जमीन और अन्य परिसम्पत्तियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजदूरों के हित के लिये प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इंदौर की हुकुमचंद मिल और उज्जैन की विनोद मिल की तर्ज पर जल्द ही ग्वालियर की जेसी मिल के श्रमिकों और प्रदेश की अन्य बंद मिलों की देनदारियों के भुगतान की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30-40 साल से बंद पड़ी ग्वालियर की जेसी मिल के मजदूरों के प्रकरणों में 8 हजार से ज्यादा मजदूरों को उचित न्याय दिलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर जेसी मिल श्रमिक और उनके परिजन अभिभूत हो गए। साथ ही कहा पहली बार कोई मुख्यमंत्री हमारी दुख-तकलीफ सुनने जेसी मिल तक आया है। अब हमें पूरा भरोसा है कि जेसी मिल पर लंबित हमारी वर्षों पुरानी देनदारियों का भुगतान हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जेसी मिल श्रमिकों के हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा सरकार मुकदमा नहीं समाधान चाहती है। इसी भावना के साथ सरकार न्यायालय में श्रमिकों के हित में अपना पक्ष रखेगी, जिससे श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान का रास्ता साफ हो सके। उन्होंने कहा कि जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों के भुगतान के सिलसिले में अधिकारियों को निर्देश दिए

- **इंदौर की हुकुमचंद मिल की तर्ज पर करायेंगे जेसी मिल ग्वालियर के श्रमिकों का भुगतान**
- **जिलों में लम्बे समय से खाली पड़ी आवंटित भूमि का करेंगे उचित निराकरण**
- **श्रमिकों ने कहा अब हमें भरोसा है कि जल्द हमारी सभी देनदारियां मिल जायेंगी**

गए हैं। मिल की जमीन और परिसम्पत्तियों के सर्वे का काम कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, महिला, युवा और किसानों को देश के चार स्तम्भ के रूप में रेखांकित किया है। प्रदेश सरकार इन सभी के उत्थान के लिये कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है।

ग्वालियर में आईटी इकाइयों को बढ़ावा दिया जायेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यहां के आईटी विशेषज्ञ युवाओं को बाहर न जाना पड़े, इसके लिये ग्वालियर में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित इकाइयों को विशेष बढ़ावा दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिये रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला चलाई जा रही है। उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित हो चुकी हैं। इसी कड़ी में 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम संभाग एवं जनवरी माह में शहडोल में रीजनल कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा संभाग स्तर पर रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला पूरी होने के बाद फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन होगा। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिये विश्व भर के उद्यमियों को आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कड़ी में वे जल्द ही जर्मनी व ब्रिटेन के दौरे पर निवेशकों को आमंत्रित करने के लिये जायेंगे। उन्होंने कहा इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे आयोजन से प्रदेश में उद्योग फ्रेंडली माहौल बना है, जिससे वृहद स्तर पर औद्योगिक निवेश हो रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर मिल रहे हैं।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

प्र. 1 ''पहाड़गढ़'' जहाँ भीमबेटका से भी प्राचीन शैलचित्र प्राप्त हुये हैं, वह किस जिले में स्थित है?
(अ) मुरैना (ब) रायसेन
(स) नर्मदापुरम (द) कटनी
उत्तर - (अ) मुरैना

प्र. 2 ''कान्हवालिया नृत्य'' का संबंध मध्यप्रदेश के किस क्षेत्र से है?
(अ) मालवा (ब) बुन्देलखण्ड
(स) बघेलखण्ड (द) निमाड़
उत्तर - (अ) मालवा

प्र. 3 ''गाय गोहरी'' पर्व कब मनाया जाता है?
(अ) दीपावली के अगले दिन
(ब) दीपावली के 11वें दिन
(स) दीपावली के एक दिन पहले
(द) मकर संक्रांति पर
उत्तर - (अ) दीपावली के अगले दिन

प्र. 4 लारुकाज उत्सव किस जनजाति से संबंधित है?
(अ) भील (ब) भारिया
(स) गोंड (द) कोरकू
उत्तर - (स) गोंड

प्र. 5 गोंडों की उपजाति सोलाहस का व्यवसाय है?
(अ) गौपालन (ब) लुहार
(स) बढ़ईगिरी (द) गायक
उत्तर - (स) बढ़ईगिरी

प्र. 6 राजपूत और भील की प्रतिनिधि उपजाति है?
(अ) गरासिया (ब) भिलाला
(स) तड़वी (द) बारेला
उत्तर - (ब) भिलाला

प्र. 7 खोटिया, पोल, राऊत, भीलों के छोटे भाई किस जनजाति को कहते हैं?
(अ) भारिया (ब) बैगा
(स) सहरिया (द) कोरकू
उत्तर - (स) सहरिया

प्र. 8 मालवा सल्तनत का संस्थापक था?
(अ) होशंगशाह
(ब) दिलावर खाँ
(स) अलाउद्दीन खिलजी
(द) इल्तुतमिश
उत्तर - (ब) दिलावर खाँ

प्र. 9 निमाड़ का मृत्यु गीत है?
(अ) कायाखोज (मसाण्या)
(ब) फेफरिया
(स) नाथपंथी
(द) हीड़ गायन
उत्तर - (अ) कायाखोज (मसाण्या)

प्र. 10 खजुराहो मंदिर स्थापत्य के निर्माण में भूमिका थी?
(अ) चंदेल
(ब) गुर्जर प्रतिहार
(स) कल्चुरी
(द) परमार
उत्तर - (अ) चंदेल

प्र. 11 खजुराहो में कौन सा एक मंदिर नहीं है?
(अ) चतुर्भुज मंदिर
(ब) रामराजा मंदिर
(स) घंटाई मंदिर
(द) लक्ष्मण मंदिर
उत्तर - (ब) रामराजा मंदिर

प्र. 12 निम्न में से कौन एक बुंदेलखंड का लोकनृत्य नहीं है?
(अ) पहुनाई
(ब) दुलदुल घोड़ी
(स) रावला
(द) मटकी
उत्तर - (द) मटकी

प्र. 13 1857 के विद्रोहियों में कौन एक सुमेल नहीं है?
(अ) सआदत खाँ - महु
(ब) भीमा नायक - सेंधवा
(स) बख्तावर सिंह - अमझेरा
(द) शाहजहाँ बेगम - भोपाल
उत्तर - (द) शाहजहाँ बेगम - भोपाल

प्र. 14 किस एक को बौद्ध नगरी कहते हैं?
(अ) साँची (ब) विदिशा
(स) रायसेन (द) नरसिंहपुर
उत्तर - (अ) साँची

प्र. 15 निम्न में कौन परमार वंश का शासक नहीं था?
(अ) सीयक द्वितीय
(ब) भोज
(स) परमार्दिदेव
(द) सिंधुराज
उत्तर - (स) परमार्दिदेव

प्र. 16 संगीत सम्राट तानसेन अकबर के पहले किस राज्य के दरबारी गायक थे?
(अ) बघेलखण्ड
(ब) बुंदेलखण्ड
(स) गढ़मंडला
(द) ग्वालियर
उत्तर - (अ) बघेलखण्ड

प्र. 17 किस एक चंदेल शासक ने महमूद गजनी का डटकर मुकाबला किया था?
(अ) गंडदेव
(ब) धंगदेव
(स) विद्याधर
(द) यशोवर्मन
उत्तर - (स) विद्याधर

प्र. 18 किस एक को विश्व धरोहर सूची में वर्ष 2003 में शामिल किया गया था?
(अ) पंचमढ़ी
(ब) खजुराहो
(स) साँची
(द) भीमबेटका
उत्तर - (द) भीमबेटका

प्र. 19 किस एक रियासत ने 1857 की क्रांति में भाग लिया?
(अ) रामगढ़ रियासत
(ब) भोपाल रियासत
(स) ग्वालियर रियासत
(द) होलकर रियासत
उत्तर - (अ) रामगढ़ रियासत

प्र. 20 चंदेल शासक परमार्दिदेव को किसने पराजित किया?
(अ) इल्तुतमिश
(ब) कुतुबुद्दीन ऐबक
(स) नसीरूमीन खिलजी
(द) अलाउद्दीन खिलजी
उत्तर - (ब) कुतुबुद्दीन ऐबक

प्र. 21 11वीं सदी में मऊगंज नामक राज्य पर किस राजवंश का शासन रहा है?
(अ) बघेल वंश
(ब) सेंगर वंश
(स) कलचुरी वंश
(द) गोंड वंश
उत्तर - (ब) सेंगर वंश

प्र. 22 मध्यप्रदेश के किस शासक ने अपने ग्रंथों में जहाज व विमान निर्माण का उल्लेख किया है?
(अ) राजा भोज
(ब) राजा मानसिंह तोमर
(स) राजा विश्वनाथ सिंह
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर - (अ) राजा भोज

प्र. 23 शाहजहाँ के बेटे के नाम पर बसाया गया, शहर मुरादपुर म.प्र. के किस जिले में स्थित है?
(अ) आगर मालवा
(ब) शाजापुर
(स) मंदसौर
(द) धार
उत्तर - (ब) शाजापुर

प्र. 24 सातवाहन वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) सिमुक/सिंधुक
(ब) गौतमीपुत्र
(स) वशिष्ठ
(द) यज्ञश्री
उत्तर - (अ) सिमुक/सिंधुक

प्र. 25 मध्यप्रदेश के उज्जैन में शक वंश की स्थापना किसने की थी?
(अ) चस्टन
(ब) जयदमन
(स) रुद्रदामन
(द) रुद्रदेव तृतीय
उत्तर - (अ) चस्टन

प्र. 26 शुंग वंश का संबंध मध्यप्रदेश के विदिशा क्षेत्र से रहा इस वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) वृहद
(ब) पुष्यमित्र शुंग
(स) अग्निमित्र
(द) भागभद्र
उत्तर - (ब) पुष्यमित्र शुंग

प्र. 27 कलचुरि वंश के किस शासक ने मध्यप्रदेश में महिष्मति शाखा की स्थापना की थी?
(अ) बामराज
(ब) कोक्कल प्रथम
(स) कृष्णराज
(द) कोई नहीं
उत्तर - (स) कृष्णराज

प्र. 28 11वीं सदी में कल्चुरी शासक कर्णदेव ने अपनी ''अराध्य देवी का मंदिर'' कहाँ बनवाया था?
(अ) हथियागढ़
(ब) बहोरीबंद
(स) भोजपुर
(द) खजुराहो
उत्तर - (अ) हथियागढ़

प्र. 29 मध्यप्रदेश के रीवा जिले में स्थित ''सुपिया अभिलेख'' में गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक किसे माना गया है?
(अ) श्रीगुप्त
(ब) घटोत्कच
(स) कुमारगुप्त
(द) भानुगुप्त
उत्तर - (ब) घटोत्कच

प्र. 30 मध्यप्रदेश में चंदेल वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) यशोवर्मन
(ब) परमार्दिदेव
(स) नन्नुक
(द) राजा धंगदेव
उत्तर - (स) नन्नुक

प्र. 31 ईश्वरसेन ने किस स्वतंत्र वंश की स्थापना की?
(अ) सातवाहन वंश
(ब) वाकाटक वंश
(स) कलचुरि वंश
(द) आभीर वंश
उत्तर - (द) आभीर वंश

प्र. 32 मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में, शैल राजवंश की नींव किसने रखी थी?
(अ) श्रीवर्धन
(ब) जयवर्धन
(स) विक्रमवर्धन
(द) कोई नहीं
उत्तर - (अ) श्रीवर्धन

प्र. 33 मध्यप्रदेश के दशपुर क्षेत्र में औलिकर वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) बंधुवर्मन
(ब) जयवर्मा
(स) नरवर्मन
(द) यशोवर्मन
उत्तर - (ब) जयवर्मा

प्र. 34 वाकाटक राजवंश का प्रथम शासक किसे माना जाता है?
(अ) प्रवरसेन
(ब) रुद्रसेन द्वितीय
(स) विंध्यशक्ति
(द) कोई नहीं
उत्तर - (स) विंध्यशक्ति

प्र. 35 खानदेश में फारुखी वंश की स्थापना किस शासक ने की थी?
(अ) मलिक अहमद
(ब) मलिक नासिर
(स) मीरन बहादुर
(द) सम्राट अकबर
उत्तर - (अ) मलिक अहमद

प्र. 36 मालवा में खिलजी वंश का संस्थापक कौन था?
(अ) ग्यासुद्दीन खिलजी
(ब) महमूद खिलजी
(स) नसिरुद्दीन नासिर शाह
(द) महमूद शाह
उत्तर - (ब) महमूद खिलजी

प्र. 37 ओरछा में बुंदेला राजवंश की नींव किसने रखी थी?
(अ) वीरसिंह देव
(ब) मधुकर शाह
(स) रुद्रप्रताप सिंह
(द) कोई नहीं
उत्तर - (स) रुद्रप्रताप सिंह

प्र. 38 1732 में मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में होलकर राजवंश के संस्थापक कौन थे?
(अ) अहिल्या बाई होलकर
(ब) यशवंत राव होलकर
(स) खांडेराव होलकर
(द) मल्हार राव होलकर
उत्तर - (द) मल्हार राव होलकर

प्र. 39 मध्यप्रदेश में पन्ना रियासत की स्थापना किसने की थी?
(अ) चंपतराय
(ब) छत्रसाल
(स) हिरदेशाह
(द) जगतराय
उत्तर - (ब) छत्रसाल

प्र. 40 भोपाल राज्य का संस्थापक कौन था?
(अ) दोस्त मोहम्मद खान
(ब) कुदसिया बेगम
(स) बेगम साजिदा सुल्तान
(द) नवाब हमीदुल्ला खान
उत्तर - (अ) दोस्त मोहम्मद खान

प्र. 41 मध्यप्रदेश में मथुरा के नाग वंश की एक शाखा विदिशा में स्थापित थी। इस वंश का संस्थापक था?
(अ) वृषनाग
(ब) नागसेन
(स) भीमनाग
(द) गणपति नाग
उत्तर - (अ) वृषनाग

प्र. 42 मध्यप्रदेश में पन्ना में परिव्राजक वंश का शासन था, इस वंश का प्रथम शासक था?
(अ) राजा हस्तिन
(ब) राजा प्रभंजन
(स) राजा संक्षोभ
(द) राजा देवादय
उत्तर - (द) राजा देवादय

प्र. 43 मध्यप्रदेश में उच्चकल्प राजवंश का शासन किस क्षेत्र पर था?
(अ) नागौद
(ब) उचेहरा
(स) डाभाल
(द) पद्मावती
उत्तर - (ब) उचेहरा

प्र. 44 निम्न में से चेदि जनपद की राजधानी क्या थी?
(अ) उज्जैयिनी
(ब) अवन्तिका
(स) सुक्तिमति
(द) तुंडिकेर
उत्तर - (स) सुक्तिमति

प्र. 45 मध्यप्रदेश में शाहगढ़ रियासत की नींव किसने रखी थी?
(अ) सुभाग सिंह
(ब) पृथ्वी सिंह
(स) हरी सिंह
(द) बख्तवली
उत्तर - (ब) पृथ्वी सिंह

प्र. 46 कच्छपघात वंश की ग्वालियर शाखा के प्रथम नरेश कौन थे?
(अ) लक्ष्मण
(ब) वज्रदामन
(स) कीर्तिराज
(द) महिपाल
उत्तर - (अ) लक्ष्मण

प्र. 47 कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण किसने करवाया?
(अ) धंगदेव
(ब) गंडदेव
(स) विद्याधर
(द) परमार्दिदेव
उत्तर - (स) विद्याधर

प्र. 48 जगनिक किस चंदेल शासक के दरबारी कवि थे?
(अ) वीरवर्मन
(ब) विद्याधर
(स) परमार्दिदेव
(द) कीरत सिंह
उत्तर - (स) परमार्दिदेव

- श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करती हैं)

बाल विवाह रोकथाम में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की है अहम भूमिका

भोपाल, मध्यप्रदेश में बाल विवाह रोकथाम के लिये कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। इसमें मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की अहम भूमिका है। इस योजना का प्रभाव यह है कि समाज में बेटियों के प्रति नजरिया बदल रहा है। लोग अब अपनी बेटियों की शिक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देने लगे हैं। यह बाल विवाह को रोकने के लिये एक सकारात्मक कदम साबित हो रहा है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार वर्ष 2019-21 में मध्यप्रदेश में 20 से 24 वर्ष की महिलाओं में से 18 वर्ष से पहले विवाह की दर 23.1 प्रतिशत थी। यह दर पिछले वर्ष की तुलना में कम हुई है। एनएफएचएस-4 में वर्ष 2015-16 के दौरान यह दर 32.4 प्रतिशत थी। प्रदेश में बाल विवाह न हो, इसके लिये योजना में प्रारंभ से ही यह प्रावधान है कि बालिका के 21 वर्ष पूर्ण होने पर दिया जाने वाला लाभ उस स्थिति में देय होगा, जब बालिका का विवाह 18 वर्ष से पूर्व न हुआ हो। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रारंभ करने का मुख्य उद्देश्य लिंगानुपात में सुधार, बाल विवाह की रोकथाम, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन और बालिकाओं के प्रति समाज के व्यवहार में परिवर्तन को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

भारतीय संविधान

प्र. 1 भारतीय संविधान के अनुच्छेद-344 के अंतर्गत प्रथम राजकीय भाषा आयोग का गठन कब और किसकी अध्यक्षता में हुआ था?
(अ) 1950 में के.एम. मुंशी
(ब) 1955 में बी.जी. खेर की अध्यक्षता में
(स) 1960 में एम.सी. छागला की अध्यक्षता में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 2 भारतीय संविधान के अनुसार हिन्दी भारत की .... है?
(अ) राष्ट्रभाषा
(ब) राज्य भाषा
(स) राजभाषा
(द) विश्वभाषा
उत्तर- (स)

प्र. 3 निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन के द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली, और संथाली भाषा को सम्मिलित किया गया है?
(अ) 90वां संविधान संशोधन अधिनियम
(ब) 91वां संविधान संशोधन अधिनियम
(स) 92वां संविधान संशोधन अधिनियम
(द) 93वां संविधान संशोधन अधिनियम
उत्तर- (स)

प्र. 4 त्रिभाषा का अर्थ क्या है?
(अ) विदेशी भाषा, अंग्रेजी, हिन्दी
(ब) क्षेत्रीय भाषा, हिन्दी, अंग्रेजी
(स) केवल अंग्रेजी भाषा
(द) अंग्रेजी, हिन्दी और कोई एक भारतीय भाषा
उत्तर- (ब)

प्र. 5 निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित नहीं है?
(अ) उर्दू (ब) नेपाली
(स) कोंकणी (द) भोजपुरी
उत्तर- (द)

प्र. 6 राजभाषा का उल्लेख संविधान के किस भाग में किया गया है?
(अ) भाग-17
(ब) भाग- 18
(स) भाग- 20
(द) भाग- 22
उत्तर- (अ)

प्र. 7 71वें संविधान संशोधन के द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में कौन सी तीन भाषाएं जोड़ी गईं ?
(अ) सिंधी, मणिपुरी, कोंकणी
(ब) कोंकणी, कश्मीरी, नेपाली
(स) नेपाली, कोंकणी, मणिपुरी
(द) नेपाली, कोंकणी, असमिया
उत्तर- (स)

प्र. 8 भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल कितनी भाषाएं हैं?
(अ) 22 (ब) 20
(स) 18 (द) 17
उत्तर- (अ)

प्र. 9 राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के कुल सदस्यों की संख्या कितनी है?
(अ) 7
(ब) 5
(स) 9
(द) 11
उत्तर- (ब)
व्याख्या - एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होते हैं।

प्र. 10 निम्नलिखित में से किस राज्य में संस्कृत को राज्य की द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है?
(अ) बिहार
(ब) छतीसगढ़
(स) उत्तरप्रदेश
(द) उत्तराखंड
उत्तर- (द)

प्र. 11 संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित निम्नलिखित भाषाओं में से कौन सी भाषा बोलने वालों की संख्या सर्वाधिक है?
(अ) बंगाली (ब) गुजराती
(स) मराठी (द) तेलुगू
उत्तर- (अ)

प्र. 12 संघ की राज्य भाषा हिन्दी होगी यह प्रस्ताव संविधान सभा ने कब पारित किया था?
(अ) 26 जनवरी 1950
(ब) 15 अगस्त 1947
(स) 14 सितम्बर 1949
(द) 10 नवंबर 1948
उत्तर- (स)

प्र. 13 राजभाषा विभाग किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है?
(अ) मानव संसाधन मंत्रालय
(ब) सांस्कृतिक मंत्रालय
(स) गृह मंत्रालय
(द) शिक्षा मंत्रालय
उत्तर- (स)

प्र. 14 राजभाषा अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ था?
(अ) वर्ष 1945 में
(ब) वर्ष 1956 में
(स) वर्ष 1978 में
(द) वर्ष 1963 में
उत्तर- (द)

प्र. 15 भारत के किस राज्य में उर्दू को राजभाषा का दर्जा प्रदान है?
(अ) मध्यप्रदेश
(ब) गुजरात
(स) जम्मू कश्मीर
(द) महाराष्ट्र
उत्तर- (स)

प्र. 16 भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी को राजभाषा के रूप में उल्लेखित किया गया है?
(अ) अनु. 348(1)
(ब) अनु. 345(1)
(स) अनु. 346(1)
(द) अनु. 343(1)
उत्तर- (द)

प्र. 17 देश में पहली बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा कब की गई थी?
(अ) 26 अक्टूबर 1962
(ब) 4 सितम्बर 1972
(स) 5 नवम्बर 1962
(द) 16 सितम्बर 1962
उत्तर- (अ)

प्र. 18 प्रथम राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा के समय देश के राष्ट्रपति कौन थे?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) डॉ. वी.वी. गिरी
उत्तर- (ब)

प्र. 19 1975 में तीसरे राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा किसने की थी?
(अ) डॉ. जाकिर हुसैन
(ब) वी.वी गिरी
(स) बी.डी. जत्ती
(द) फखरुद्दीन अली अहमद
उत्तर- (द)

प्र. 20 भारतीय संविधान के अनुच्छेद-352 के अनुसार राष्ट्रीय आपात की घोषणा निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में की जा सकती है?
(अ) संवैधानिक मशीनरी की विफलता
(ब) सिर्फ बाह्य आक्रमण
(स) सिर्फ आन्तरिक आक्रमण
(द) युद्ध, बाह्य आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह
उत्तर- (द)

प्र. 21 युद्ध, या बाह्य आक्रमण के कारण की गई आपातकाल की घोषणा का संसद द्वारा अनुमोदन कितनी अवधि के भीतर होना चाहिये?
(अ) एक महीने में
(ब) दो महीने में
(स) तीन महीने में
(द) चार महीने में
उत्तर- (अ)

प्र. 22 राज्य में राष्ट्रपति शासन से तात्पर्य राज्य में किसके शासन से है?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) कार्यकारी सरकार
(स) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत मुख्यमंत्री
(द) राज्य के राज्यपाल
उत्तर- (द)

प्र. 23 राज्यों में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा को कितने दिनों में संसद की स्वीकृति मिलना आवश्यक है?
(अ) एक माह में
(ब) दो माह में
(स) छह माह में
(द) एक वर्ष में
उत्तर- (ब)

प्र. 24 वित्तीय आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति राज्य के किस प्रकार के विधेयकों की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किये जाने के लिए बाध्य कर सकता है?
(अ) साधारण विधेयक
(ब) वित्तीय विधेयक
(स) उपर्युक्त दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-(ब)

प्र. 25 राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करने के लिए सशस्त्र विद्रोह शब्द को संविधान में कब जोड़ा गया है?
(अ) 42वें संविधान संशोधन द्वारा
(ब) 44वें संविधान संशोधन द्वारा
(स) 40वें संविधान द्वारा
(द) 38वें संविधान संशोधन द्वारा
उत्तर- (ब)

प्र. 26 संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है?
(अ) अनु. 325
(ब) अनु. 354
(स) अनु. 355
(द) अनु. 356
उत्तर- (द)

प्र. 27 निम्नलिखित में से किन समितियों ने निर्वाचन सुधारों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की है?
(1) दिनेश गोस्वामी समिति
(2) तारकुंडे समिति
(3) इन्द्रजीत गुप्ता समिति
(4) बलवंतराय मेहता समिति
नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
(अ) केवल 1, 3 और 4
(ब) केवल 2 और 4
(स) केवल 1, 2 और 3
(द) केवल 3 और 4
उत्तर-(स)

प्र. 28 काका कालेलकर आयोग का संबंध किस आयोग से है?
(अ) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
(ब) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
(स) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
(द) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग
उत्तर- (अ)

प्र. 29 निम्नलिखित विधेयकों में से किस एक का भारतीय संसद के दोनों सदनों द्वारा अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित होना आवश्यक है?
(अ) साधारण विधेयक
(ब) धन विधेयक
(स) वित्त विधेयक
(द) संविधान संशोधन विधेयक
उत्तर- (द)

प्र. 30 भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधानों के अन्तर्गत संविधान में संशोधन किया जा सकता है?
(अ) अनु. 368
(ब) अनु. 360
(स) अनु. 356
(द) अनु. 352
उत्तर- (अ)

प्र. 31 भारत में संघीय वित्त आयोग संबंध रखता है?
(अ) राज्यों के मध्य वित्त से
(ब) राज्य एवं केन्द्र के मध्य वित्त से
(स) केन्द्र एवं स्वशासित सरकारों के मध्य वित्त से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 32 वित्त आयोग का गठन किसके द्वारा किया जाता है?
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री द्वारा
(स) संसद द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 33 वित्त आयोग किस प्रकार की संस्था है?
(अ) गैर संवैधानिक
(ब) संवैधानिक
(स) अधिनियम द्वारा स्थापित संस्था
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 34 प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(अ) के.सी. नियोगी
(ब) के. संथानम
(स) जॉन माथाई
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 35 15वें वित्त आयोग की अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा बढ़ाने के मुख्य कारण क्या थे?
(अ) जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया जाना
(ब) कर संग्रह में कमी
(स) जीडीपी में गिरावट
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द)

प्र. 36 निम्नलिखित में से कौन वित्त आयोग द्वारा की गई प्रत्येक सिफारिश को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगा?
(अ) भारत का राष्ट्रपति
(ब) लोकसभा का अध्यक्ष
(स) भारत का प्रधानमंत्री
(द) संघीय वित्त मंत्री
उत्तर- (अ)

प्र. 37 निम्नलिखित में से कौन सा एक वित्त आयोग का कार्य नहीं है?
(अ) आयकर का विभाजन
(ब) उत्पाद शुल्क का विभाजन
(स) सहायतार्थ अनुदान का विभाजन
(द) व्यापार का विभाजन
उत्तर- (द)

प्र. 38 राज्यों को कर में भाग देने के लिए वित्त आयोग ने किस मापदण्ड को ध्यान में नहीं रखा है?
(अ) राज्य में वन क्षेत्र
(ब) राज्य में शिक्षा का स्तर
(स) राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन
(द) राज्य में आय असमानता
उत्तर- (ब)

प्र. 39 वित्त आयोग क्या है?
(अ) स्थायी निकाय
(ब) त्रिवार्षिक निकाय
(स) वार्षिक निकाय
(द) पंचवार्षिक निकाय
उत्तर- (द)

प्र. 40 भारत में प्रति पांच वर्ष बाद वित्त आयोग की नियुक्ति किस उद्देश्य से की जाती है?
(अ) राज्यों की वित्तीय स्थिति निर्धारित करने के लिए
(ब) केन्द्रीय सरकार की वित्तीय स्थिति निर्धारित करने के लिए
(स) केन्द्रीय सरकार के वित्तीय संसाधन निर्धारित करने के लिए
(द) केन्द्रीय अनुदान और संघ के राजस्व में राज्यों का अंश निर्धारित करने के लिए
उत्तर- (द)

इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

भारत का इतिहास

1. निम्नलिखित में से कौन सी शाखा कृष्ण यजुर्वेद से संबंधित नहीं है?
अ. शांखायन ब. काठक
स. मैत्रायणी द. तैत्तिरीय
उत्तर- अ. शांखायन

2. निम्न में से ऋग्वेद के कौन से मंडल में पुरुष सूक्त का वर्णन है?
अ. तीसरें ब. आठवें
स. दसवें द. नौवें
उत्तर- स. दसवें

3. निम्नलिखित में से किस वर्ष यूनेस्को ने वेद पाठ को 'मानवता के मौखिक एवं अमूर्त विरासत की श्रेष्ठ कृति' घोषित किया है?
अ. 2007 ब. 2011
स. 2013 द. 2018
उत्तर- स. 2013 (7 नवम्बर, 2013)

4. वेदों के गद्य रूप को क्या कहा जाता है?
अ. ऋग ब. साम
स. ऋचा द. यजुष
उत्तर- द. यजुष

5. यजुर्वेद के कर्मकांड को सम्पन्न करने वाले पुरोहित को क्या कहा जाता है?
अ. अध्वर्यु ब. होता
स. उद्गाता द. ब्रह्मा
उत्तर- अ. अध्वर्यु

6. निम्नलिखित में से कौन से उपनिषद् में याज्ञवल्क्य - गार्गी संवाद का वर्णन है?
अ. कठोपनिषद ब. बृहदारण्यक
स. छान्दोग्य द. मांडूक्य
उत्तर- ब. बृहदारण्यक

7. महाजनी प्रथा का सर्वप्रथम उल्लेख निम्नलिखित में से किस प्राचीन ग्रंथ में हुआ है?
अ. शतपथ ब्राह्मण
ब. उपनिषद
स. गोपद ब्राह्मण
द. जैमिनीय ब्राह्मण
उत्तर- अ. शतपथ ब्राह्मण

8. निम्नलिखित में से किस उपनिषद में यज्ञ की तुलना टुटी नाव से की गई है?
अ. ऐतरेय ब. तैत्तिरीय
स. मुण्डक द. कौषतकी
उत्तर- स. मुण्डक

9. ऋग्वेद में निहित गायत्री मंत्र किस देवता को समर्पित है?
अ. अग्नि ब. मारूत
स. इंद्र द. सावित्री
उत्तर- द. सावित्री

10. निम्नलिखित में से कौन सी शाखा का संबंध 'सामवेद' से नहीं है?
अ. पिप्पलाद ब. कौथुमीय
स. राणायनीय द. जैमिनीय
उत्तर- अ. पिप्पलाद

11. भारतीय संगीत के सप्त स्वरों का उल्लेख सर्वप्रथम किस वेद से प्राप्त होता है?
अ. ऋग्वेद ब. यजुर्वेद
स. सामवेद द. अथर्ववेद
उत्तर- स. सामवेद

12. निम्नलिखित में से किस वेद को ''ब्रह्मवेद'' भी कहा गया है?
अ. अथर्ववेद ब. ऋग्वेद
स. यजुर्वेद द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. अथर्ववेद

13. ऋग्वेद के कौन से मंडल में दसराज्ञ युद्ध का वर्णन है?
अ. तृतीय ब. दशम
स. सप्तम द. नवम
उत्तर- स. सप्तम

14. वैदिक युग के धर्म कर्ममय जीवन में पन्चमहायज्ञों का वर्णन किस बाह्मण ग्रन्थ में किया गया है?
अ. जैमिनीय ब. गोपथ
स. ऐतरेय द. शतपथ
उत्तर- द. शतपथ ब्राह्मण

15. निम्नलिखित में से किस उपनिषद में प्रथम तीन आश्रमों का उल्लेख है?
अ. श्वेताश्वर ब. ऐतरेय
स. छान्दोग्या द. माण्डुक्य
उत्तर- स. छान्दोग्या उपनिषद

16. न्याय दर्शन का प्रवर्तक किसे माना जाता है?
अ. पतन्जलि ब. गौतम
स. बादरायण द. जैमिनी
उत्तर- ब. गौतम

17. वैशेषिक दर्शन के अनुसार ज्ञान के कितने साधन हैं?
अ. आठ ब. चार
स. पांच द. तीन
उत्तर- ब. चार

18. उत्तर मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक ऋषि किसे माना गया है?
अ. माधवाचार्य
ब. महर्षि कपिल
स. महर्षि बादरायण
द. ऋषि कणाद
उत्तर- स. महर्षि बादरायण

19. निम्नलिखित में से किस सोलह संस्कार में बच्चे को प्रकृति के सानिध्य में लाकर सूर्य व चन्द्र का दर्शन करवाया जाता है?
अ. सीमन्तोनयक ब. चूड़ाकर्म
स. निष्क्रमण द. केशान्त
उत्तर- स. निष्क्रमण

20. निम्नलिखित संस्कारों में से कौन सा संस्कार शिशू के जन्म से पूर्व का संस्कार नहीं है?
अ. गर्भाधान ब. पुंसवन
स. समावर्तन द. सीमन्तोनयन
उत्तर- स. समावर्तन

21. जैन तीर्थंकर ऋषभनाथ के जन्म का प्रतीक क्या है?
अ. सांड ब. हाथी
स. सिंह द. साँप
उत्तर- अ. सांड

22. कर्म सिद्धांत के अनुसार (हिन्दू धर्म में) निम्नलिखित में से कौन सा कर्म इन्द्रियों पर आधारित नहीं है?
अ. कायिक ब. वाचिक
स. मानसिक द. राजस
उत्तर- द. राजस

23. निष्काम कर्म- योग का सर्वप्रथम उल्लेख कहां मिलता है?
अ. इशोपनिषद ब. कठोपनिषद
स. वृहदारण्यक द. शतपथ ब्राह्मण
उत्तर- अ. इशोपनिषद

24. अद्वैत वेदान्त शाखा के प्रवर्तक कौन थे?
अ. निम्बकाचार्य ब. रामानुज
स. शंकराचार्य द. माधवाचार्य
उत्तर- स. शंकराचार्य

25. 'ऋत' जगत की शाश्वत, अलंघनीय व नैतिक व्यवस्था के संचालक एवं संरक्षक किस देवता को माना गया है?
अ. सूर्य ब. सोम
स. इन्द्र द. वरूण
उत्तर- द. वरूण

26. हड़प्पाकालीन स्थल धोलावीरा की खोज सर्वप्रथम किस उत्खन्नकर्ता द्वारा की गई थी?
अ. जे.पी. जोशी
ब. पी.वी. पाण्डेय
स. माधव स्वरूप वत्स
द. गोपाल मजूमदार
उत्तर- अ. जे.पी. जोशी

27. अथर्ववेद में सभा व समिति को किस देवता की पुत्री के रूप में वर्णित किया गया है?
अ. इन्द्र ब. वरूण
स. प्रजापति दद. मरूत
उत्तर- स. प्रजापति

28. वैदिक कालीन राजा का चुनाव निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा किया जाता था?
अ. सभा ब. समिति
स. विद्थ द. रत्नी
उत्तर- ब. समिति

29. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

गणतंत्र		वर्तमान स्थान
अ. कपिलवस्तु के साक्य	-	नेपाल की तराई में
ब. अलकप्प के बुलि	-	बिहार प्रांत
स. पिप्पलिवन के मोरिया	-	गोरखपुर जिला
द. केशपुत्र के कलाम	-	आधुनिक कुशीनगर

उत्तर- द. केशपुत्र के कलाम - आधुनिक कुशीनगर

30. बुद्धकालीन कौन से गणराज्य को एशिया का पहला गणतन्त्र होने का गौरव प्राप्त है?
अ. मिथिला के विदेह
ब. वैशाली के लिच्छवी
स. पावा के मल्ल
द. कपिलवस्तु के शाक्य
उत्तर- ब. वैशाली के लिच्छवी

31. निम्नलिखित में से कौन सा पुरुषार्थ में शामिल नहीं है?
अ. धर्म ब. मोक्ष
स. अर्थ द. ऋण
उत्तर- द. ऋण

32. क्रम के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा पंचमहायज्ञ प्रथम और सर्वश्रेष्ठ है?
अ. देवयज्ञ ब. नृयज्ञ
स. ब्रह्मयज्ञ द. भूतयज्ञ
उत्तर- स. ब्रह्मयज्ञ

33. 'नृयज्ञ' का संबंध निम्नलिखित में से किससे है?
अ. पितरों के तर्पण
ब. अतिथि सेवा
स. देवताओं से
द. अध्ययन व अध्यापन
उत्तर- ब. अतिथि सेवा

34. बौद्ध धर्म में प्रमुख बोधिसत्व में 'मैत्रेय बोधिसत्व' का संबंध किससे है?
अ. बुद्ध की शक्ति ब. पृथ्वी के गर्भ
स. अंतरिक्ष तत्व द. भविष्य से
उत्तर- द. भविष्य से

35. बौद्ध धर्म में 'करूणा का बोधिसत्व' किसे माना जाता है?
अ. अवलोकितेश्वर ब. बज्रपणि
स. मंजुश्री द. सामंतभद्र
उत्तर- अ. अवलोकितेश्वर

36. जैन धर्म के तीर्थंकर नेमिनाथ किस स्थान से मोक्ष पधारे थे?
अ. चम्पापुर ब. गिरनार
स. पावापुर द. सम्मेद शिखर
उत्तर- ब. गिरनार

37. निम्नलिखित में से कौन सा शाक्यमूनि त्रिमूर्ति में सम्मिलित नहीं है?
अ. सामंतभद्र ब. बुद्ध
स. मंजुश्री द. वसुधारा
उत्तर- द. वसुधारा

38. श्रवणबेलगोला स्थित गोमतेश्वर की मूर्ति का निर्माण निम्नलिखित में से किसके द्वारा करवाया गया था?
अ. चावुंदराय ब. इंद्रवर्मन- I
स. दानार्णव द. सामंतवर्मन
उत्तर- अ. चावुंदराय

39. जैन धर्म के कौन से तीर्थंकर के द्वारा पांचवें अंतिम संयम 'ब्रह्मचर्य' की स्थापना की गई?
अ. पार्श्वनाथ ब. महावीर
स. नेमिनाथ द. मल्लिनाथ
उत्तर- ब. महावीर

40. निम्नलिखित में से कौन सा आरण्यक अथर्ववेद से संबंधित है?
अ. तैत्तिरीय ब. गोपथ
स. तवलकार द. मैत्रायणी
उत्तर- ब. गोपथ

41. निम्नलिखित में से किस उपनिषद से 'असतो मा सद्गमय' वाक्यांश ग्रहण किया गया है?
अ. बृहदारण्यक ब. श्वेताश्वर
स. कोषीतकी द. ऐतरेय
उत्तर- अ. बृहदारण्यक

42. पाणिनीय शिक्षा ग्रंथ के अनुसार 'कल्प वेदांग' को वेद पुरुष के किस अंग के रूप में निरूपित किया गया है?
अ. नेत्र ब. हाथ
स. कान द. नासिका
उत्तर- ब. हाथ

43. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

वेद		उपवेद
अ. ऋग्वेद	-	आयुर्वेद
ब. यजुर्वेद	-	धनुर्वेद
स. सामवेद	-	गंधर्ववेद
द. अथर्ववेद	-	पंचवेद

उत्तर- द. अथर्ववेद - पंचवेद

44. पतंजलि द्वारा रचित महाभाष्य के अनुसार निम्न में से कौन सी शाखा ऋग्वेद से संबंधित है?
अ. शांखायन ब. शाकलायन
स. बास्कलायन द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

45. शिक्षा का प्रमुख केन्द्र विक्रमशिला विश्वविद्यालय निम्न में से किस शासक द्वारा स्थापित किया गया था?
अ. धर्मपाल ब. कुमारपाल
स. देवपाल द. महिपाल
उत्तर- अ. धर्मपाल

46. प्राचीन शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत 'आन्वीक्षिकी' नामक विषय का संबंध किससे था?
अ. तीनों वेदों की शिक्षा से
ब. कृषि
स. न्याय शास्त्र
द. राजनीतिशास्त्र
उत्तर- स. न्याय शास्त्र

47. होयसल शासकों द्वारा निर्मित होयसलेश्वर मंदिर किस शैली में निर्मित है?
अ. नागर ब. द्रविड
स. बेसर द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. बेसर शैली

48. कैलाशनाथ मंदिर कांचीपुरम किस शासक के द्वारा निर्मित किया गया था?
अ. नरसिंहवर्मन II ब. नंदिवर्मन
स. महेंद्रवर्मन द. राजराज I
उत्तर- अ. नरसिंहवर्मन II

49. दक्षिणमेरू मंदिर कहां अवस्थित है
अ. तंजौर ब. मदुरई
स. बीजपुर द. कांचीपुरम
उत्तर- अ. तंजौर

50. निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

उत्सव		राज्य
अ. खीर भवानी मेला	-	जम्मू कश्मीर
ब. हौनबिल महोत्सव	-	नागालैंड
स. खर्ची पूजा	-	मिजोरम
द. नुआखाई	-	ओडिशा

उत्तर- स. खर्ची पूजा - मिजोरम

51. 'देवपाड़ा अभिलेख' का संबंध किस राजवंश से है?
अ. गुप्त ब. प्रतिहार
स. चालुक्य द. सेन
उत्तर- द. सेन

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

अटल गृह ज्योति योजना में कंपनी ने उपभोक्ताओं को दी 151 करोड़ रुपये की सब्सिडी

भोपाल, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार अटल गृह ज्योति योजना का पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को लाभान्वित किया जा रहा है। दस नवंबर की स्थिति में पिछले बिल माह के दौरान 30 लाख 55 हजार उपभोक्ताओं को योजना से लाभान्वित कर सौ यूनिट तक की बिजली एक रुपये यूनिट से उपलब्ध कराई गई है। उपभोक्ताओं को इससे एक माह में 151 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इंदौर रीजन के 8 एवं उज्जैन रीजन के 7 जिलों में अटल गृह ज्योति योजना का बेहतर संचालन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना में प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रुपये यूनिट में उपभोक्ताओं को दी जाती है, शेष बिल राशि शासन से सब्सिडी के रूप में कंपनी को मिलती है। पात्र उपभोक्ता को 550 रुपये से ज्यादा की अधिकतम सब्सिडी प्रति बिल प्राप्त होती है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इंदौर जिले में 4 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को योजना लाभ दिया गया है, इन्हें 17 करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी दी गई है। धार जिले में तीन लाख उपभोक्ताओं को 16 करोड़, उज्जैन जिले में 2.80 लाख उपभोक्ताओं को 13.91 करोड़ ,खरगोन जिले में 2.69 लाख उपभोक्ताओं को 13.39 करोड़, रतलाम जिले में 2.28 लाख उपभोक्ताओं को 11.29 करोड़ की सब्सिडी एक माह में दी गई है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट कोलकाता

पद का नाम - सहायक प्रबंधक संयंत्र एवं उपकरण प्रभाग, सहायक प्रबंधक आधारभूत संरचना एवं नागरिक सुविधाएं प्रभाग, सहायक प्रबंधक यातायात संचालन (रेलवे) प्रभाग, सहायक प्रबंधक कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध प्रभाग, सहायक प्रबंधक प्रशासन प्रभाग, सहायक प्रबंधक वित्त प्रभाग, सहायक प्रबंधक (सुरक्षा), वरिष्ठ सहायक यातायात प्रबंधक, वरिष्ठ सहायक सचिव (राजभाषा)
पदों की संख्या - 13
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://smp.smportkolkata.in

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेस, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 19
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.cujammu.ac.in

सैनिक स्कूल भुवनेश्वर

पद का नाम -टीजीटी-उड़िया, अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी, काउंसलर, घुड़सवारी अनुदेशक, पीटीआई-सह-मैट्रन, नर्सिंग सिस्टर, पीजीटी-कम्प्यूटर विज्ञान
पदों की संख्या - 07
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 22 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://sainikschoolbhubaneswar.edu.in

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - तकनीकी सहायक, तकनीशियन
पदों की संख्या - 20
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://nbri.res.in/media/Advt

जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 80
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://jipmer.edu.in

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल

पद का नाम - सहायक उपनिरीक्षक (प्रयोगशाला तकनीशियन), सहायक उपनिरीक्षक (रेडियोग्राफर), सहायक उपनिरीक्षक (ओटी तकनीशियन), सहायक उपनिरीक्षक (फिजियोथैरेपिस्ट), हैड कॉन्स्टेबल (सेन्ट्रल स्टर्लाइजेशन रूम सहायक), कॉन्स्टेबल (पीयन, टेलीफोन ऑपरेटर सह रिसेप्शनिस्ट, ड्रेसर, लिनन कीपर)
पदों की संख्या - 20
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.recruitment.itbpolice.nic.in

भारतीय तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व)

पद का नाम - इंजन चालक, लस्कर, प्रारूपकार, फायरमैन/मैक फायरमैन, सिविलियन मोटर परिवहन चालक (साधारण ग्रेड), बहुकार्य कर्मचारी (माली), बहुकार्य कर्मचारी (चौकीदार), एमटी फिटर, वैद्युत फिटर (कुशल), आईसीई फिटर (कुशल), अकुशल श्रमिक
पदों की संख्या - 12
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://indiancoastguard.gov.in

सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत

पद का नाम - डिप्टी रजिस्ट्रार
पदों की संख्या - 03
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या संस्थानों से किसी भी विषय में न्यूनतम 55 अंकों के साथ मास्टर्स डिग्री
अंतिम तिथि - 25 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.svnit.ac.in

भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड

पद का नाम - उप प्रबंधक आईटी (एप्लीकेशन डेवलपर), उप प्रबंधक आईटी (साइबर सुरक्षा), उप प्रबंधक आईटी (ओपन सोर्स एप्लीकेशन डेवलपर), सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा), सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), सहायक प्रबंधक (आईटी), सहायक प्रबंधक (विधिक)
पदों की संख्या - 23
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.spmcil.com

उत्तरप्रदेश अधिनस्थ सेवा चयन आयोग

पद का नाम - स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला)
पदों की संख्या - 5272
योग्यता - इंटरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा छ माह/दो वर्ष का सहायक नर्सेज एंड मिडवाइव्ज (ए.एन.एम) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण किया हो।
अंतिम तिथि - 27 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://upsssc.gov.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

एआईसीटीई पीजी (गेट/सीड) छात्रवृत्ति

संस्थान का नाम - अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
योग्यता - एआईसीटीई अनुमोदित संस्थान से एम.ई./एम.टेक/एम.डेस के प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थी
अंतिम तिथि - 30 नवंबर, 2024
वेबसाइट - https://www.aicte-india.org

एडमिशन अलर्ट

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम का नाम - बीए एलएलबी, बीबीए एलएलबी, एलएलबी,एलएलएम
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण।
अंतिम तिथि - 22 नवम्बर, 2024
वेबसाइट - https://www.symlaw.ac.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

हमारा जिला-सिंगरौली

ऊर्जा निर्माण क्षेत्र के रूप में देश में सिंगरौली को प्राप्त है विशिष्ट स्थान

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, क्षमता और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज, जलवायु, खनिज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है, सिंगरौली जिले का परिचय-

सिंगरौली मध्यप्रदेश राज्य का 50वां जिला है, जिसे 24 मई, 2008 को सीधी जिले से विभाजित करके बनाया गया था। इस जिले के पूर्वी भाग और उत्तरप्रदेश के सोनभद्र जिले के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं, जिला मुख्यालय सिंगरौली में है। ऐतिहासिक रूप से सिंगरौली रीवा की एक रियासत थी, जो बघेलखंड क्षेत्र का हिस्सा थी। यह प्राकृतिक और खनिज संसाधनों से संपन्न एक क्षेत्र है। बरगवां में हिंडाल्को का कारखाना है जो एल्युमिनियम का उत्पादन करता है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र घने जंगलों और दुर्गम इलाकों से ढंका हुआ था। खनिज संसाधनों और तापीय विद्युत संयंत्रों की प्रचुरता के कारण इसे ऊर्जांचल नाम दिया गया है।

पॉवर प्रोजेक्ट

सिंगरौली में काम करने वाली सभी प्रमुख कंपनियां भारतीय ऊर्जा उद्योग से संबंधित हैं। कंपनियों के संचालन में बिजली उत्पादन के लिए कोयले का खनन किया जाता है। सिंगरौली की प्रमुख कंपनियां हैं- एनटीपीसी लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, रिलायंस पॉवर लिमिटेड तथा एस्सार पावर लिमिटेड।

एनटीपीसी लिमिटेड

एनटीपीसी वर्ष 1977 से सिंगरौली क्षेत्र का अभिन्न अंग रहा है जब इसका पहला संयंत्र यहां स्थापित किया गया था। तब परियोजनाएं स्थित होने वाले विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के जीवन में बदलाव आया है। प्रभावित लोगों के पुनर्वास और आसपास के गांवों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के लिए इसका निरंतर कार्य, उद्योग में एक बेंचमार्क माना जाता है। इसकी परियोजनाओं और पहलों के परिणामस्वरूप परियोजना प्रभावित व्यक्तियों और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार के अलावा, स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में उच्च वृद्धि हुई है। पुनर्स्थापन और पुनर्वास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने वाले सीएसआर कार्यक्रमों को प्रभावित लोगों और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के साथ विस्तृत परामर्श के आधार पर लगातार परिष्कृत और बेहतर बनाया जा रहा है।

एनटीपीसी परियोजनाएं

सिंगरौली सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एसएसटीपीएस) -यह पावर स्टेशन 1977 में स्थापित किया गया था। यह एक

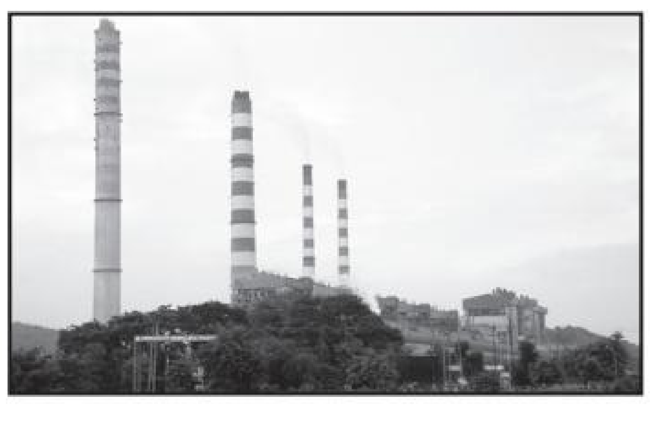

पिट हेड थर्मल पावर स्टेशन है, जिसकी स्थापित क्षमता 2000 मेगावाट है, जिसमें 200 मेगावाट की पांच यूनिट और 500 मेगावॉट की दो यूनिट हैं। इसके लिए पानी की आपूर्ति रिहंद जलाशय से की जाती है। परियोजना से उत्पन्न विद्युत से उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली आदि कई राज्यों को लाभ हुआ है।

विंध्याचल महाताप विद्युत गृह- यह राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) का कोयला आधारित बिजली घर है। यह भारत का सबसे बड़ा ताप विद्युत गृह है। इसकी क्षमता 4,760 मेगावाट है। यह दुनिया का नौवां सबसे बड़ा कोयला-संचालित विद्युत स्टेशन है।

विंध्याचल सुपर थर्मल पॉवर परियोजना- एनटीपीसी की विंध्याचल सुपर थर्मल पॉवर परियोजना सिंगरौली जिले में स्थित है। यह मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश राज्य के साथ लगे हुए क्षेत्र में है और वाराणसी शहर के दक्षिण में लगभग 225 किलोमीटर दूरी पर है। विंध्याचल एक पिटहेड पॉवर स्टेशन है जिसकी स्थापित क्षमता 4760 मेगावॉट है (चरण-I के अंतर्गत 1260 मेगावॉट (6X210 मेगावॉट) चरण-II के अंतर्गत 1000 मेगावॉट (2X500 मेगावॉट), चरण-III के अंतर्गत 1000 मेगावॉट (2X500 मेगावॉट), चरण-IV के अंतर्गत 1000 मेगावॉट (2X500 मेगावॉट) और चरण-V के अंतर्गत 500 मेगावॉट (1x500 मेगावॉट)।

महान सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट

यह बंधौरा में स्थित बिजली घर है। इसकी क्षमता कम से कम 1200 मेगावॉट है। इसे बंधौरा अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट (USCTPP यूनिट 1, USCTPP यूनिट 2), बंधौरा पावर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है।

महान विद्युत परियोजना

यह एस्सार एनर्जी की 1,200 मेगावॉट की कोयला आधारित परियोजना है। इसमें दो उत्पादन इकाइयां हैं जिनमें से 600 मेगावॉट की इकाई दिसंबर, 2012 में चालू हुई थी।

रुचि के स्थान

माडा गुफाएं - इस क्षेत्र में रॉक कट गुफाओं का समूह है, जो 7वीं से 8वीं

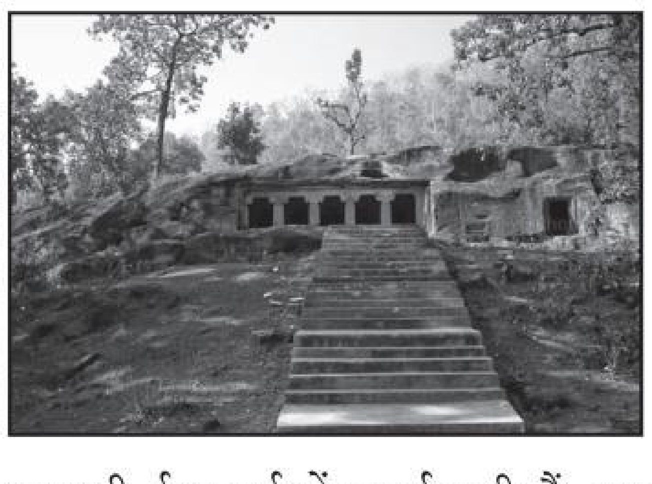

शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गयी हैं। यह जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर की दूरी पर है। माडा की गुफा सिंगरौली जिले की माडा तहसील में स्थित है। प्रसिद्ध गुफाओं में विवाह माडा, गणेश माडा और शंकर माडा, जलनालिया और रावण माडा शामिल हैं। ये गुफाएं रॉक कट वास्तुकला के सुंदर उदाहरण हैं। रॉक कट गुफाओं के अलावा, सिंगरौली में रॉक आश्रय भी हैं। सिंगरौली की चिरंगी तहसील में रानीमची, ढोलगिरी और गौरा पहाड़ हैं। ये पेंटिंग रॉक आश्रय माइक्रोलिथक औजार संस्कृति के मेसोथेथिक युग से संबंधित हैं।

जलजलिया माडा गुफाएं- इस गुफा परिसर में दो गुफाएं हैं, जिनमें से एक मंदिर गुफा है और दूसरी एक भूमिगत गुफा है, जो एक पुल के रूप में है। मंदिर में भगवान शिव प्रतिमा और देवी की मूर्ति है। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पुल गुफा में

पानी का एक अज्ञात स्रोत है और संभवतः प्राचीन समय में स्नान में इस्तेमाल किया जाता था। इस गुफा से करीब 200 मीटर की दूरी पर, एक मंदिर देवी सीता को समर्पित है, जिसे सीता कुटी नाम से जाना जाता है। यहां एक छोटा झरना है, जो कि इच्छा-पूरा जलप्रपात के रूप में भी जाना जाता है। यह स्थानीय लोगों में लोकप्रिय है।

रोज गार्डन- उत्तर कोल फील्ड्स के जयंत परियोजना टाउनशिप में स्थित प्रसिद्ध

रोज गार्डन घूमने, ध्यान और योग के लिए अच्छी जगह है।

लेक पार्क विंध्य नगर- झील पार्क परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए एक खूबसूरत जगह है। यह एनटीपीसी विंध्य नगर के बस्ती क्षेत्र में स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर है।

हनुमान मंदिर झिंगुरदा- सिंगरौली में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर है। यह शहर का एक प्राचीन मंदिर है। हनुमान मंदिर उत्तरी कोल फील्ड्स लिमिटेड के झिंगुरदा परियोजना में स्थित है। इसे झिंगुरदा सोसाइटी द्वारा संचालित किया गया है। पूजा के लिए यह मंदिर बहुत लोकप्रिय है और टिपा झरिया के आसपास के क्षेत्र प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के राज्यों की सीमा में स्थित है, इसलिए मध्यप्रदेश की ओर से मंदिर की कुछ सीढ़ियां हैं जबकि शेष सीढ़ियां उत्तरप्रदेश सीमा के किनारे हैं।

टिप्पा झरिया- टिप्पा झरिया, सिंगरौली जिले में एक प्रसिद्ध पिकनिक स्थान है, यह उत्तरी कोल फील्ड्स लिमिटेड के झिंगुरदा परियोजना में स्थित है। यह जगह झिंगुरदा के हनुमान मंदिर के पास है।

एक नजर में

आबादी: 11,78,273 (वर्ष 2011 की जनगणना अनुसार)
भाषा: हिंदी
पुरुष: 6,13,637
महिला: 5,64,636

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

नीरज चोपड़ा ने जेन जेलेज्नी को बनाया कोच

नई दिल्ली, भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के पूर्व दिग्गज भालाफेंक खिलाड़ी जेन जेलेज्नी को अपना कोच नियुक्त किया है। जेलेज्नी वर्ष 2028 तक नीरज को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। जेलेज्नी ने तीन बार वर्ष 1992, 1996 और 2000 के ओलंपिक खेलों में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने वर्ष 1993, 1995 और 2001 में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीते हैं। इसके अलावा जेलेज्नी के नाम मौजूदा समय में सबसे लंबी दूरी तक (98.48 मीटर) भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है। नीरज चोपड़ा अब तक जर्मनी के बायोमैकेनिक्स विशेषज्ञ क्लास बार्टोनिट्ज से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे थे। नीरज ने कहा कि वह अपने शुरुआती दिनों से ही जेलेज्नी के बहुत बड़े प्रशंसक रहे हैं और अपने कौशल को निखारने के लिए जेलेज्नी के वीडियो देखते थे।

भारत- दक्षिण अफ्रीका ट्वेंटी-20 सीरीज

भारत ने 3-1 से जीती सीरीज

जोहानिसबर्ग, युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में खेली जा रही चार मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज को 3-1 से जीत लिया है। भारतीय टीम ने सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका को 135 रनों से मात दी।

मैच में भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने टीम को तेजतर्रार शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 5.5 ओवरों में 73 रन की साझेदारी की। अभिषेक 36 रन बनाकर आउट हो गए। अभिषेक की जगह बल्लेबाजी करने आए, तिलक वर्मा ने भी तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। तिलक और संजू ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को जमकर पीटा और 14.1 ओवरों में 210 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। तिलक ने 47 गेंदों में 120 रन बनाए जबकि संजू ने 56 गेंदों में 109 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने सीरीज में दो-दो शतक बनाए। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में एक विकेट खोकर 283 रन बनाए। ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का यह दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम शुरुआत से दबाव में नजर आई। अफ्रीकी टीम के 4 विकेट महज 10 रन के स्कोर पर गिर गए। इसके बाद डेविड मिलर (36) और ट्रिस्टन स्टब्स (43) ने पांचवें विकेट के लिए 86 रन जोड़े। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम 18.2 ओवरों में 148 रन पर ऑल आउट हो गई।

- भारतीय टीम ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विदेश में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया।
- ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार एक इनिंग में 2 शतक बने।
- संजू सैमसन एक वर्ष में तीन ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।
- तिलक ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार दो शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। तिलक ने पिछले मैच में भी बनाया था शतक।
- संजू और तिलक ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की सबसे बड़ी साझेदारी की।
- ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय टीम ने एक इनिंग में सबसे ज्यादा 23 सिक्स लगाने का रिकॉर्ड बनाया।

अनाहत सिंह ने जीता एनएसडब्ल्यू ओपन खिताब

सिडनी, भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने एनएसडब्ल्यू ओपन 2024 स्क्वॉश टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब जीत लिया है। इस वर्ष अनाहत का यह सातवां पीएसए चैलेंजर खिताब है। प्रतियोगिता में महिला एकल वर्ग में अनाहत को पहले राउंड में बाय मिली, जबकि दूसरे सेट में उन्होंने जापान की कुरुमी ताकाहाशी को शिकस्त दी थी। इसके बाद अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में जापान की अकारी मिडोरिकावा को हराया, वहीं सेमीफाइनल में हांगकांग की वोंग पो यूई को मात देकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में अनाहत ने हांगकांग की गैर वरीय खिलाड़ी हेलेन टैंग को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती साओ पाउलो ग्रां प्री

साओ पाउलो, नीदरलैंड्स के दिग्गज कार रेसर और मौजूदा फॉर्मूला-वन विश्व चैम्पियन मैक्स वर्स्टापेन ने ब्राजील में आयोजित साओ पाउलो ग्रां प्री रेस जीत ली है। वर्स्टापिन ने 69 लैप की यह रेस को 2 घंटे 6 मिनट 54.430 सेकेंड में पूरी की। रेस में एस्टाबेन ओकेन दूसरे, पियेरे गैस्ली तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे और चार्ल्स लेक्लर्क पांचवें स्थान पर रहे। यह वर्स्टापिन के कॅरियर की 62वीं जीत है। वर्स्टापिन ने इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अब तक आठ रेस जीती हैं।

हरमनप्रीत बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने वर्ष 2023-24 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी चुना है। इसके अलावा एफआईएच ने भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के पुरस्कार से नवाजा है।

मौजूदा समय में विश्व के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शामिल हरमनप्रीत सिंह ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की रेस में नीदरलैंड्स के जोएप डि मोल एवं थिएरी ब्रिंकमैन, जर्मनी के हेंस मुलर और इंग्लैंड के जैक वालेस को पछाड़ा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता था। हरमनप्रीत सिंह ने पेरिस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल दागे थे।

भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश ने भले ही हॉकी से संन्यास ले लिया है, लेकिन अपने शानदार खेल के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक में श्रीजेश विरोधी टीमों के लिए अभेद्य दीवार थे। श्रीजेश ने कई मौकों पर गोल बचाकर अपनी टीम को जीत दिलाई है।

- **हरमनप्रीत और श्रीजेश लगातार दो बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य हैं।**
- **दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्ग में तीसरी बार यह वैश्विक खिताब जीता है।**

पूर्व कार रेसर बिली मोंगर ने तोड़ा आयरनमैन रिकॉर्ड

हवाई, ब्रिटेन के पैरा खिलाड़ी बिली मोंगर ने वर्ल्ड आयरनमैन चैम्पियनशिप में डबल एंप्टी (दोहरा अंग विहीन) का आयरनमैन रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 25 वर्षीय मोंगर ने 226.3 किलोमीटर का कोर्स 14 घंटे 23 मिनट 56 सेकेंड में पूरा किया, जो पिछले रिकॉर्ड से दो घंटे कम है। मोंगर ने चैम्पियनशिप में 3.8 किलोमीटर की तैराकी एक घंटे 7 मिनट 29 सेकेंड में, 180 किलोमीटर की साइकिलिंग 7 घंटे 26 मिनट 50 सेकेंड में और मैराथन रनिंग 5 घंटे 26 मिनट 26 सेकेंड में पूरी कर आयरनमैन खिताब हासिल किया।

अमोरिम बने मैनचेस्टर युनाइटेड के मुख्य कोच

मैनचेस्टर, इंग्लैंड के सबसे लोकप्रिय फुटबॉल क्लबों में से एक मैनचेस्टर युनाइटेड ने रुबेन अमोरिम को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। 39 वर्षीय अमोरिम 1960 के दशक के बाद मैनचेस्टर युनाइटेड के कोच बनने वाले सबसे कम उम्र के कोच होंगे। मैनचेस्टर युनाइटेड में अमोरिम का कार्यकाल नवंबर 2024 से शुरू हो गया है, जो जून 2027 तक रहेगा।

बिलियर्ड्स खिलाड़ी पंकज ने जीता 28वां विश्व खिताब

दोहा, भारत के शीर्ष बिलियर्ड्स खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने दोहा में आयोजित आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप (150 अप प्रारूप) का खिताब जीत लिया है। पंकज ने प्रतियोगिता के फाइनल में इंग्लैंड के रॉबर्ट हॉल को 4-2 हराकर लगातार सातवीं बार खिताब जीता। यह पंकज के कॅरियर का 28वां विश्व खिताब है। प्रतियोगिता में भारत के सौरव कोठारी ने कांस्य पदक जीता है।

फाइनल मुकाबले के ओपनिंग फ्रेम में हॉल ने बढ़त बनाई थी, लेकिन पंकज ने वापसी की। दूसरे और तीसरे फ्रेम में भी पंकज ने शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले का चौथा और पांचवां फ्रेम हॉल के नाम रहा।

अंतिम फ्रेम में पंकज ने एक बार फिर जबरदस्त खेल दिखाया और 152 का ब्रेक बनाकर खिताब जीत लिया। 39 वर्षीय पंकज का यह लगातार सातवां खिताब है। पंकज की जीत का सिलसिला वर्ष 2016 में शुरु हुआ था। इस बीच वह वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना महामारी के कारण चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके थे।

सिनर को मिली एटीपी नंबर वन ट्रॉफी

तुरिन, इटली के युवा टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने नया मुकाम हासिल किया है। 23 वर्षीय सिनर इस वर्ष का समापन नंबर वन टेनिस खिलाड़ी के तौर पर करेंगे। सिनर को इटली में खेले जा रहे एटीपी फाइनल्स टूर्नामेंट के दौरान नंबर वन खिलाड़ी की ट्रॉफी प्रदान की गई। वह टेनिस रैंकिंग में पहला पायदान हासिल करने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी हैं। इसके अलावा वह विश्व के 19वें खिलाड़ी हैं जिसने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस वर्ष सिनर का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। सिनर ने इस वर्ष 72 में से 66 मैच जीते हैं। उन्होंने इस वर्ष दो ग्रैंड स्लैम- ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन सहित 7 एकल खिताब जीते हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

कोको गॉफ पहली बार बनीं चैम्पियन

रियाद, अमेरिका की युवा टेनिस स्टार कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता है। टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के फाइनल में गॉफ ने चीन की झेंग किन्वेन को रोमांचक मुकाबले में 3-6, 6-4 7-6 से हराया। गॉफ ने पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है।

सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्याना सबालेंका को हराकर फाइनल में जगह बनाने वाली गॉफ को किन्वेन ने कड़ी टक्कर दी। मैच का पहला सेट किन्वेन ने 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में गॉफ ने जबरदस्त वापसी की और 6-4 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे का मुकाबला हुआ। तीसरे सेट में एक समय किन्वेन 5-4 की बढ़त के साथ मैच जीतने के करीब थीं, लेकिन गॉफ ने पलटवार करते हुए लगातार अंक बटोरकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचा दिया। टाईब्रेकर में गॉफ ने इस सेट में 7-6 से जीत दर्ज की।

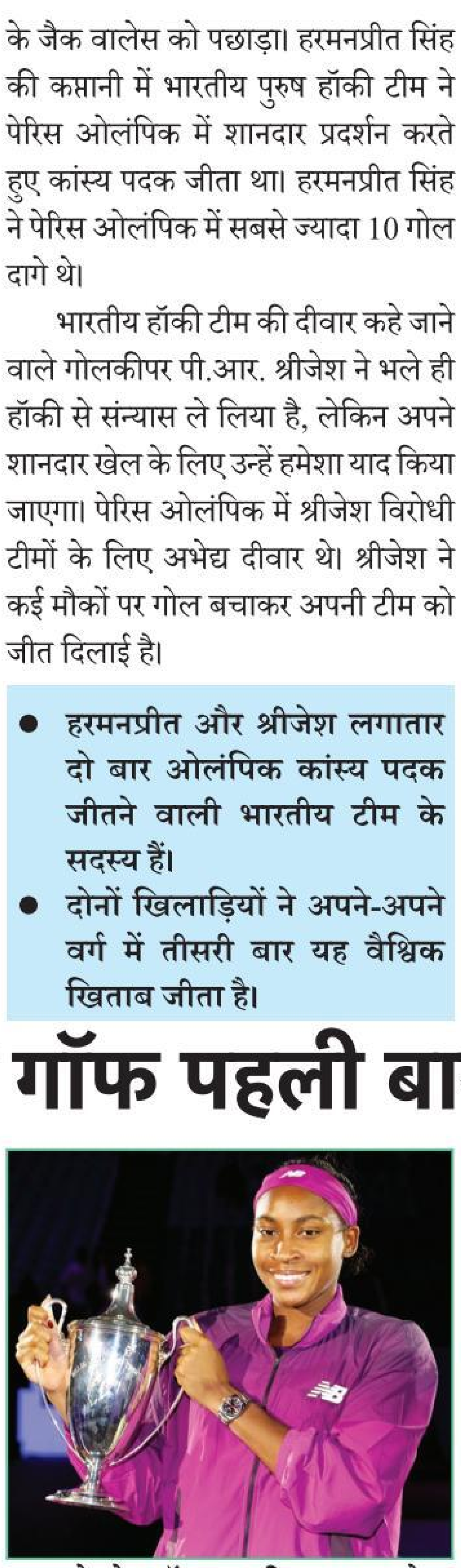

- **कोको गॉफ मारिया शारापोवा के बाद यह खिताब जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं।**
- **विजेता बनने पर गॉफ को 40.54 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली।**
- **गॉफ के टेनिस कॅरियर का यह नौवां एकल डब्ल्यूटीए खिताब है।**

सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बनीं

कोको गॉफ ने 21 वर्ष से कम उम्र में यह खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। वर्ष 1972 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स की शुरुआत बाद से गॉफ 21 वर्ष से कम उम्र में यह खिताब जीतने वाली चौथी अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। गॉफ से पहले क्रिस एवर्ट, ट्रेसी ऑस्टिन और सेरेना विलियम्स भी यह कारनामा कर चुकी हैं।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी

बीसीसीआई ने पाकिस्तान में टीम भेजने से किया इनकार

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि भारतीय टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचना दे दी है कि भारतीय टीम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान में खेलने के लिए नहीं जाएगी।

बीसीसीआई ने कहा कि भारत सरकार ने टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से साफ इनकार कर दिया है। बीसीसीआई ने कहा कि यह आईसीसी का टूर्नामेंट है और आईसीसी को तय करना है कि टूर्नामेंट का आयोजन कैसे होगा। माना जा रहा है कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल के आधार पर यह टूर्नामेंट आयोजित करा सकता है। इस मॉडल के तहत टीम इंडिया को छोड़कर अन्य टीमें अपने लीग मुकाबले पाकिस्तान में खेलेंगी वहीं टीम इंडिया के सभी मुकाबलों सहित सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले दुबई या शारजाह में आयोजित हो सकते हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत ने कनाडा में बंद किये वाणिज्य दूतावास

भारत और कनाडा के रिश्तों में चल रही तनातनी के बीच भारत ने कनाडा में कुछ वाणिज्य दूतावासों को बंद कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला कनाडा के ब्रैम्पटन और सरे में भारत के दो वाणिज्य दूतावासों पर खालिस्तानी समर्थकों की भीड़ द्वारा किए गए हमलों के बाद लिया गया है। कनाडा में भारतीय वाणिज्य दूतावासों को कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उचित सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जा रही थी। इसी वजह से इन दूतावासों को बंद किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चे नहीं कर सकेंगे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पेश किया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने यह प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि संभवतः दुनियाभर में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाला यह पहला कानून होगा। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को सोशल मीडिया बिगाड़ रहा है, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। मैं इस पर रोक लगाना चाहता हूं। इस कानून के तहत अगर सोशल मीडिया के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बच्चों के एक्सेस को रोकने में विफल रहे तो, उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

नेतन्याहू ने स्वीकारा पेजर हमलों को दी थी मंजूरी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार स्वीकार किया है कि उन्होंने सितंबर में लेबनान में हुए पेजर हमले को मंजूरी प्रदान की थी। नेतन्याहू ने इजराइल की सुरक्षा के लिए हिजबुल्ला के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए थे। नेतन्याहू के प्रवक्ता ओमर दोस्तरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पुष्टि की है कि उन्होंने लेबनान में पेजर अभियान को मंजूरी दी थी। इन पेजर हमलों का आरोप ईरान और लेबनान ने इजराइल पर लगाया था। लेबनान में पेजर धमाकों में 40 लोग मारे गए थे और तीन हजार लोग घायल हुए थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वामीनारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ समारोह में वर्चुअली हुए सम्मिलित

भारत के युवाओं की क्षमता विश्व को करती है आकर्षित युवा विश्व की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी हैं तैयार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के वडताल में श्री स्वामीनारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामीनारायण मंदिर की परंपरा में सेवा सर्वोपरि है और आज सभी शिष्य उसी सेवा में लीन थे। उन्होंने कहा कि वडताल धाम में यह समारोह महज इतिहास नहीं है। यह कई अनुयायियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण अवसर है, जो वडताल धाम में गहरी आस्था के साथ पले-बढ़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अवसर भारतीय संस्कृति के शाश्वत् प्रवाह का प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामीनारायण से जुड़ा हर व्यक्ति यहां की परंपरा के साथ अपने मजबूत व्यक्तिगत, आध्यात्मिक और सामाजिक संबंधों से अवगत है।

भारत में रही है संत परंपरा

प्रधानमंत्री ने कहा कि महान संत परंपरा भारत की बहुत बड़ी विशेषता रही है और संत या महात्मा हमेशा कठिन समय में ही अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान स्वामीनारायण भी ऐसे समय में अवतरित हुए थे, जब सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद देश कमजोर हो गया था और इसका खुद पर से विश्वास उठ गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामीनारायण और उस काल के सभी संतों ने न केवल नई आध्यात्मिक ऊर्जा दी, बल्कि हमारे स्वाभिमान को भी जागृत किया और हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी श्री स्वामीनारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए

- संतों का हमारे समाज में बहुत बड़ा योगदान है।
- पूरा देश एक निश्चित लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।
- वोकल फॉर लोकल बनकर "आत्मनिर्भर" बनना विकसित भारत की पहली शर्त है।
- विरासत पर गर्व करके और उसे संरक्षित करके ही देश आगे बढ़ सकता है।

महिला शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण अभियान चलाये

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करें और उन्हें आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वडताल धाम मानवता की सेवा और नए युग के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान देकर एक महान प्रेरणा बन गया है। उन्होंने कहा कि वडताल धाम द्वारा दूर-दराज के आदिवासी क्षेत्रों में कई बच्चों को भोजन, आश्रय, शिक्षा के साथ-साथ सेवाएं और परियोजनाएं दी जा रही हैं और महिला शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

युवाओं को बनाना है सक्षम

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा मन में राष्ट्र निर्माण के लिए निर्णायक दिशा लेने की क्षमता होती है। इसके लिए युवाओं को सक्षम और योग्य बनाना तथा शिक्षित करना आवश्यक है। सशक्त और कुशल युवा विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं और इन कुशल युवाओं की मांग विश्वभर में बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व भर में भारत की कुशल जनशक्ति की मांग बहुत अधिक है और भारत के युवाओं की क्षमता पूरे विश्व को आकर्षित करती है।

मन, कर्म और शब्दों को प्रभावित करता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में एक उद्देश्य होता है जो उसके जीवन को भी निर्धारित करता है। उन्होंने कहा कि यह उद्देश्य हमारे मन, कर्म और शब्दों को प्रभावित करता है और जब कोई व्यक्ति अपने जीवन का उद्देश्य पा लेता है, तो उसका पूरा जीवन ही बदल जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि धार्मिक संस्थानों ने आज युवाओं को एक बड़ा उद्देश्य दिया है और पूरा देश विकसित भारत के एक निर्धारित लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

नासा ने अंतरिक्ष यान वॉयजर-1 का एंटीना फिर किया एक्टिव

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 47 वर्ष पहले अंतरिक्ष में भेजे गए अंतरिक्ष यान वॉयजर-1 से संपर्क स्थापित करने के लिए यान के पुराने एंटीना को एक्टिव कर दिया है। वॉयजर -1 ने एक रेडियो ट्रांसमीटर के जरिए पृथ्वी के साथ संपर्क स्थापित किया था। नासा ने यह संपर्क एक ऐसे एंटीना के जरिए किया, जिसका इस्तेमाल वर्ष 1981 से नहीं किया गया है। कैलिफोर्निया में जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में नासा के इंजीनियरों ने 24 अक्टूबर को इस एंटीना के जरिए वॉयजर-1 से संपर्क स्थापित किया। नासा ने बताया कि वॉयजर-1 अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर संदेश पहुंचने में 23 घंटे का समय लगा।

नासा ने बताया कि अंतरिक्ष यान वॉयजर-1 पृथ्वी से 24 अरब किलोमीटर दूर है और लगातार डाटा भेज रहा है। इस अंतरिक्ष यान में दो रेडियो ट्रांसमीटर हैं, लेकिन वर्षों से इसके एक ही रेडियो ट्रांसमीटर का इस्तेमाल हो रहा है।

यूरोपीय एजेंसी का दावा- सबसे गर्म वर्ष होगा 2024

जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने वाली यूरोपीय एजेंसी कॉपरनिकस ने भविष्यवाणी की है कि वर्ष 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष होगा। एजेंसी ने दावा किया है कि वर्ष 2024 में औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में कम से कम 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस की उपनिदेशक सामंथा बर्गेस ने कहा कि वर्ष 2024 के 10 माह बीतने के बाद तय है कि वर्ष 2024 रिकॉर्ड स्तर पर गर्म होगा। बर्गेस ने कहा कि तापमान में वृद्धि की सबसे बड़ी वजह अल नीनो का प्रभाव है।

कॉप-29 सम्मेलन कार्बन बाजार के नियमों पर बनी सहमति

अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित हो रहे वैश्विक जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में कार्बन बाजार के उस ऐतिहासिक फैसले पर सहमति बन गई है, जिसके अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र प्रमाणित कार्बन क्रेडिट के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय बाजार का निर्माण हो सकेगा। पिछले दो जलवायु सम्मेलनों में एक नियम पर सहमति नहीं बन सकी थी।

संयुक्त राष्ट्र का निकाय करेगा प्रमाणित

इस फैसले में पेरिस समझौते के अनुच्छेद-6 को अपनाया गया है। पेरिस समझौते के अनुच्छेद-6 में वैश्विक कार्बन बाजार के गठन का प्रावधान है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में वर्ष 2022 से ही एक कार्बन बाजार संचालित था, लेकिन अब पहली बार देशों और कंपनियों को मिलने वाले कार्बन क्रेडिट को संयुक्त राष्ट्र का निकाय प्रमाणित करेगा।

कार्बन उत्सर्जन कम करना है प्राथमिकता - गुटेरेस

कॉप-29 सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने वर्ष-2024 को विनाश का वर्ष बताते हुए कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता आपातकालीन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है, जिसमें जी-20 देश अग्रणी भूमिका निभायेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी प्राथमिकता जलवायु संकट के कहर से लोगों को बचाना है, जबकि तीसरी प्राथमिकता कम से कम एक ट्रिलियन डॉलर का प्रति वर्ष वित्त प्रबंधन करना है।

भारत-रूस के बीच हुई पांत्सिर एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की डील

भारत ने अपने सबसे बड़े रणनीतिक साझेदार रूस के साथ एक और रक्षा सौदे को अमलीजामा पहनाया है। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने रूस के साथ डील की है। यह डील एडवांस पांत्सिर एयर डिफेंस मिसाइल गन सिस्टम के लिए रूस सरकार के नियंत्रण वाली हथियार निर्यातक कंपनी रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के साथ की गई है। दोनों देशों के बीच इस एयर डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता गोवा में आयोजित 5वें भारत-रूस इंटर गवर्नमेंट कमिशन सबग्रुप मीटिंग के दौरान हुआ।

बीडीएल ने बताया कि पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम वर्सेटाइल मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो आर्मी बेस और अन्य अधोसंरचनाओं को हवाई हमलों से बचाने के लिए तैयार किया गया है। इस एयर डिफेंस सिस्टम में एयरक्रॉफ्ट, ड्रोन और सटीक गाइडेड युद्धक सामग्री शामिल है। इसमें एडवांस रडार और ट्रैकिंग सिस्टम है, जो 36 किलोमीटर दूर और 15 किलोमीटर की ऊंचाई तक के टारगेट का पता लगाने और उस पर हमला करने में सक्षम है।

बीडीएल ने बताया कि यह डील 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए भारत के टारगेट में शामिल है।

बीडीएल और रोसोबोरोन एक्सपोर्ट का लक्ष्य पांत्सिर एयर डिफेंस सिस्टम वैरिएंट के संयुक्त निर्माण, उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण के लिए नए रास्ते तलाशना है।

- इस मिसाइल सिस्टम में छोटी से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली 12 मिसाइलें लगी हैं।
- इन मिसाइलों की रेंज एक से 12 किलोमीटर तक है।
- यह एयर डिफेंस सिस्टम ट्रक की चेसिस पर लगाया जाता है, जिससे यह अलग-अलग इलाकों में गतिशीलता देता है।

कनाडा ने छात्रों के लिए फास्ट ट्रैक वीजा किया बंद

कनाडा ने भारत सहित 14 देशों के विद्यार्थियों के लिए फास्ट ट्रैक वीजा वाले स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) प्रोग्राम को बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीय छात्रों पर होगा। कनाडा में पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है। एसडीएस प्रोग्राम बंद होने के बाद अब भारतीय विद्यार्थियों को नियमित स्टडी वीजा के लिए आवेदन करना होगा। कनाडा ने आधिकारिक तौर पर कहा कि आवास और संसाधन संकट से निपटने और सभी अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को समान अवसर देने के लिए ऐसा किया गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।